3 | राजधानी
आज हो सकती है हल्की बारिश

6 | अभिमत
पाकिस्तान के समक्ष अनेक चुनौतियां

10 | विदेश
तुर्किए में राष्ट्रपति चुनाव दूसरे दौर में जाएगा

12 | स्पोर्ट्स
सनराइजर्स को हराकर टाइटंस प्ले ऑफ में

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 11 अंक 189
नई दिल्ली, मंगलवार, 16 मई, 2023
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

हरिवंश ने पुरानी पेंशन बहाली को लेकर चेताया

राष्ट्रीय-11

कर्नाटक के मुख्यमंत्री का ऐलान आज

खरगे के साथ कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने बैठक कर रिपोर्ट सौंपी, पार्टी अध्यक्ष राज्य और केंद्र के नेताओं से बातचीत करने के बाद उचित फैसला लेंगे

● सिद्धरमैया व शिवकुमार में किसी एक को चुनने के लिए जद्दोजहद से गुजर रही पार्टी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/ बेंगलुरु

बेंगलुरु से दिल्ली रवाना होते कांग्रेस नेता सिद्धरमैया

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए दो दावेदार के सिद्धरमैया तथा लोकप्रिय नेता डीके शिवकुमार के बीच किसी एक को चुनने के लिए कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व को कड़ी जद्दोजहद से गुजरना पड़ रहा है। ऊंट किस करवट बैठेगा इसको लेकर सस्पेंस बरकरार है। सोमवार देर शाम तक पार्टी अध्यक्ष मल्किार्जुन खरगे के घर पर कई दौर की बैठकें चली लेकिन बेनतीजा रहीं। पूरे दिन बेचैनी भरा माहौल बना रहा। बहरहाल खरगे के घर पर बैठक के बाद देर रात कर्नाटक के पार्टी प्रभारी रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस पार्टी 6.5 करोड़ कन्नड़वासियों के साथ खड़ी है। पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, वे राज्य के नेताओं और अन्य केंद्रीय नेताओं से बातचीत के बाद उचित कदम कदम उठाएंगे। सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी मंगलवार शाम तक अपने फैसले का ऐलान करेगी। इससे पहले विधायक दल का नेता चुनने को लेकर नवनिर्वाचित विधायकों की राय जानने के बाद तीनों पर्यवेक्षकों ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे से मुलाकात की और ऐसे में पूरी निगाहें पार्टी आलाकमान पर टिक गई हैं।

सूत्रों का कहना है कि पार्टी के तीनों पर्यवेक्षकों ने खरगे को रिपोर्ट सौंप दी हैं और फिर खरगे पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श करने के बाद मुख्यमंत्री को लेकर फैसला करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नेता चुनने के लिए वरिष्ठ नेता सुशील कुमार शिंदे, जितेंद्र सिंह और दीपक बाबरिया को पर्यवेक्षक नियुक्त किया। तीनों पर्यवेक्षकों ने पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों से अलग-अलग बात कर उनकी राय जानी थी। ये तीनों पर्यवेक्षक सोमवार शाम खरगे के आवास पर पहुंचे। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया आज दिन में दिल्ली पहुंच गए और उनके भी खरगे से मुलाकात करने की संभावना है। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस के कमेटी अध्यक्ष डी के शिवकुमार भी सोमवार को दिल्ली आने वाले थे, लेकिन पेट में संक्रमण का हवाला देते हुए उन्होंने अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी। दोनों नेता मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं। विधायकों की राय जानने के लिए बेंगलुरु भेजे गए पार्टी के तीनों पर्यवेक्षक सोमवार को दिल्ली लौट आए। विधायकों की राय जानने के लिए गोपनीय मतदान भी कराया गया है। तीनों पर्यवेक्षकों ने बेंगलुरु के एक निजी होटल में रविवार रात कई घंटे तक विधायकों के साथ बातचीत की और अगले मुख्यमंत्री को लेकर गोपनीय मतदान कराया गया है। शिंदे ने संवाददाताओं से कहा, हमारी रिपोर्ट (कांग्रेस विधायक दल की बैठक में मिली प्रतिक्रिया पर आधारित) गोपनीय है, जिसका खुलासा हम नहीं कर सकते। हमारे पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ही इसका खुलासा कर सकते हैं। कांग्रेस सूत्रों का कहना है कि कुछ विधायकों ने विधायक दल की बैठक के दौरान पर्यवेक्षकों के साथ मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री पद को लेकर अपनी पसंद बताई, हालांकि विधायक सबके सामने अपनी पसंद बताने में झिझक रहे थे, जिसके बाद उन्हें लिखित रूप से अपनी राय बताने के लिए कहा गया।

(शेष पेज 9)

शिवकुमार आज दिल्ली आएंगे, पहले यात्रा कर दी थी रद्द

एजेंसी। बेंगलुरु

कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के दावेदार एवं कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के प्रमुख डी.के. शिवकुमार मंगलवार को दिल्ली पहुंचेंगे और नेताओं से बातचीत करेंगे। इससे पहले सोमवार को उन्होंने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए दिल्ली की अपनी प्रस्तावित यात्रा रद्द कर दी थी, जिससे ये अटकलें लगाई जा रही थी कि इस पद की दावेदारी के मुद्दे पर पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं है। हालांकि, उन्होंने सोमवार को यात्रा रद्द करने से कुछ ही घंटे पहले इस बात की पुष्टि की थी कि वह राष्ट्रीय राजधानी के लिए रवाना होने वाले हैं। उन्होंने अपनी यात्रा की योजना में बदलाव के लिए स्वास्थ्य कारणों का हवाला दिया है। राज्य में गठित होने वाली कांग्रेस सरकार का नेतृत्व कौन करेगा, उसे लेकर शिवकुमार की पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के साथ रस्साकशी चल रही है। शिवकुमार ने संवाददाताओं से कहा, मेरे पेट में कुछ समस्या है। इसमें जलन हो रही है। ऐसा लगता है कि कुछ संक्रमण हो गया है और मुझे बुखार है...मुझे थोड़ा आराम करने दीजिए...। उनके करीबी सूत्रों ने इस बात की पुष्टि की है कि वह आज दिल्ली नहीं जा रहे हैं।

पायलट का अपनी ही सरकार को अल्टीमेटम

● पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा- व डरने या दबने वाले नहीं, मांगें पूरी न हुईं तो पूरे राज्य में छेड़ेंगे आंदोलन

पायनियर समाचार सेवा। जयपुर

जयपुर में जनसंघर्ष पदयात्रा के दौरान कांग्रेस नेता सचिन पायलट

राजस्थान की पूर्व भाजपा सरकार के भ्रष्टाचार के बहाने गहलोत सरकार पर लगातार हमलावर सचिन पायलट आरपार के मूड में आ गए हैं। राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री पायलट ने अपनी ही पार्टी की सरकार को 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वह पूरे राज्य में आंदोलन छेड़ देंगे। राजधानी जयपुर में पांच दिवसीय जनसंघर्ष पदयात्रा के समापन के मौके पर एक रैली में कांग्रेस के 14 विधायकों के साथ असंतुष्ट नेता सचिन पायलट ने सोमवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अगुवाई वाली सरकार को खुली चेतावनी दी। पायलट ने कहा कि उनकी तीन मांगे हैं, जिनमें राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) को बंद कर इसका पुनर्गठन करना, पेपर लीक से प्रभावित प्रत्येक नौजवान को उचित आर्थिक मुआवजा देना और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के खिलाफ लगे आरोपों की उच्च स्तरीय जांच कराना शामिल है।

आरपीएससी के अध्यक्ष और सदस्यों की चयन प्रणाली पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि यह आम धारणा है कि यहां जुगाड़ काम करता है और नियुक्तियां राजनीतिक होती हैं। सचिन पायलट ने स्पष्ट कहा कि अभी तक उन्होंने गांधीवादी तरीके से एक दिवसीय अनशन किया और पांच दिनी जनसंघर्ष यात्रा निकाली है। महीने के आखिर तक यदि कार्रवाई नहीं होती है तो वह पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा कि वह किसी पद पर रहें या न रहें, राजस्थान की जनता और नौजवानों की सेवा अपने आखिरी सांस तक करते रहेंगे। वह डरने वाले नहीं हैं, न ही वह किसी से दबने वाले हैं। उन्होंने कहा कि उनका संघर्ष किसी नेता के खिलाफ नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार के विरोध में है।

गहलोत गुट पर परोक्ष रूप से तीखा हमला करते हुए पायलट ने कहा कि जो भी (कांग्रेस नेता) गुटबाजी व पार्टी में अनुशासन की बात करते हैं, उन्हें 25 सितंबर 2022 की घटना के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि उस दिन जो विश्वासघात किया गया सोनिया गांधी के साथ, पार्टी को बेइज्जत करने काम किया गया, जिसने पार्टी के अनुशासन को तोड़ने का काम किया, उन लोगों को अपने गिरेबां में झांककर देखना पड़ेगा कि अनुशासन हमने तोड़ा या किसी और ने तोड़ा। जनसभा में मंच पर पायलट समेत कांग्रेस के कुल 15 विधायक मौजूद थे।

(शेष पेज 9)

जहां कांग्रेस मजबूत, वहां उसको समर्थन देंगे: ममता

● पहली बार बनर्जी ने विपक्षी एकता के लिए संभावित रणनीति पर तृणमूल कांग्रेस के रुख को लेकर साफ की स्थिति

पायनियर समाचार सेवा। कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी 2024 के लोकसभा चुनाव में जहां कांग्रेस मजबूत स्थिति में होगी, वहां उसका समर्थन करेगी। यह पहली बार है जब बनर्जी ने आगे की चुनावी लड़ाई में विपक्षी एकता के लिए संभावित रणनीति पर तृणमूल कांग्रेस के रुख को लेकर स्थिति साफ की है। बनर्जी ने राज्य सचिवालय में संवाददाताओं से कहा, जहां भी कांग्रेस मजबूत है, उन्हें लड़ने दीजिए। हम उन्हें समर्थन देंगे, इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन उन्हें अन्य राजनीतिक दलों का भी समर्थन करना होगा। उन्होंने कहा कि हालांकि, समर्थन हासिल करने के लिए कांग्रेस को अन्य दलों का भी समर्थन करना होगा। तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें उम्मीद है कि सीट बंटवारे के फार्मूले में उन क्षेत्रों में क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी जाएगी, जहां वे मजबूत हैं। उन्होंने कहा, मजबूत क्षेत्रीय दलों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बनर्जी ने इससे पहले कर्नाटक में भाजपा के सत्ता गंवाने के बाद वहां के लोगों को सलाम किया था। उन्होंने हालांकि देश की सबसे पुरानी पार्टी का जिक्र करने से परहेज किया था। हाल के वर्षों में तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस में टकराव देखने को मिला है।

मुख्यमंत्री आवास की जांच कर रहे अफसर से सभी काम वापस लिए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● नौकरशाह पर जबरन वसूली रैकेट चलाने का आरोप, उनके कमरे से रिकॉर्ड जब्त करने के निर्देश

नौकरशाहों और दिल्ली मंत्रिमंडल में बढ़ते गतिरोध के बीच आम आदमी पार्टी (आप) नीत सरकार ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बंगले के सौंदर्यीकरण के मामले में कथित भ्रष्टाचार की जांच कर रहे विशेष सचिव (सतर्कता) वाईवीजे राजशेखर से सारा काम वापस लेने का आदेश दिया है। साथ ही उनके कमरे से रिकॉर्ड जब्त करने के भी निर्देश दिए गए हैं। सतर्कता मंत्री सौरभ भारद्वाज ने 13 मई को राजशेखर के खिलाफ जबरन वसूली रैकेट चलाने की शिकायतों का हवाला देते हुए अधिकारी को सौंपे गए सभी कार्यों को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का आदेश दिया।सूत्रों ने कहा कि राजशेखर कथित दिल्ली शराब घोटाले और मुख्यमंत्री के बंगले के सौंदर्यीकरण की जांच कर रहे सतर्कता अधिकारी हैं। वह दिल्ली जल बोर्ड के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) उदित प्रकाश द्वारा अपने लिए एक विशाल बंगला बनाने के वास्ते विरासत स्मारक को गिराए जाने की भी जांच कर रहे हैं। अधिकारी ने आधिकारिक नोट मिलने की पुष्टि की है। राजशेखर ने कहा कि मंत्री के नोटिस के संबंध में मैंने अपने वरिष्ठों को रिपोर्ट भेज दी है। आधिकारिक नोट के मुताबिक, ऐसी शिकायतें हैं कि राजशेखर जबरन वसूली का रैकेट चला रहे हैं और रंगदारी की मांग कर रहे हैं। यह आरोप काफी गंभीर है, जिसकी विस्तार से जांच किए जाने की आवश्यकता है। इसलिए, राजशेखर को सौंपे गए सभी कार्य वापस लिए जाते हैं।

इसमें कहा गया है कि इसे सहायक निदेशकों के बीच वितरित किया जा सकता है और सहायक निदेशक सीधे सचिव (सतर्कता) को रिपोर्ट करेंगे। सहायक निदेशकों को फाइल को सीधे सचिव (सतर्कता) को भेजना चाहिए। यह अगले आदेश तक तत्काल अनुपालन के लिए है। सूत्रों ने कहा कि भारद्वाज ने यह भी निर्देश दिया है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के वरिष्ठ अधिकारी राजशेखर के कमरे से रिकॉर्ड जब्त किए जाएं। यह कदम पिछले सप्ताह केजरीवाल द्वारा आगामी दिनों में बड़े स्तर पर नौकरशाही में फेरबदल की घोषणा और सार्वजनिक कार्यों में बाधा पैदा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी के मद्देनजर आया है। दिल्ली सरकार ने आईएएस अधिकारी और सेवा विभाग के सचिव आशीष मोरे के खिलाफ उनके स्थान पर एक नए अधिकारी को नियुक्त करने के उसके निर्देश का पालन नहीं करने पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली में अधिकारियों के तबादले और तैनाती पर दिल्ली सरकार को नियंत्रण दिए जाने के कुछ घंटों बाद दिल्ली सरकार ने पिछले हफ्ते मोरे को उनके पद से हटा दिया था।

बजरंग दल पर टिप्पणी खड़गे को नोटिस जारी

पायनियर समाचार सेवा। संगरूर

बजरंग दल के खिलाफ टिप्पणी और कर्नाटक चुनाव के लिए कांग्रेस के घोषणापत्र में इसकी तुलना प्रतिबंधित संगठन पीएफआई से करने के मामले में स्थानीय अदालत ने मल्लिकार्जुन खड़गे को नोटिस जारी किया है। खड़गे के खिलाफ 100 करोड़ रुपए का मानहानि मामला दर्ज कराया गया है। अदालत ने 12 मई को जारी नोटिस का जवाब देने के लिए 10 जुलाई की तारीख तय की है। हिंदू सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष हितेश भारद्वाज ने अपनी याचिका में दलील दी है कि प्रतिवादी ने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए 2 मई को कांग्रेस पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें बजरंग दल को प्रतिबंधित करने की घोषणा की और इसकी तुलना पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) जैसे संगठन से कर अपमानजनक बयान दिए। गर्ग ने कहा कि पीएफआई से तुलना किए जाने से बजरंग दल और हिंदू सुरक्षा परिषद के करोड़ों सदस्यों की गरिमा को ठेस पहुंची है तथा इसने भगवान हनुमान के आराधकों की भी मानहानि की है।

गुरुद्वारा परिसर में शराब पीने पर महिला की हत्या

● एसजीपीसी ने बेअदबी की घटनाओं को सिखों के विरुद्ध सोची-समझी साजिश बताया

पायनियर समाचार सेवा। पटियाला

शहर पटियाला के एक गुरुद्वारे में कथित तौर पर शराब पीने पर एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसने पुलिस से कहा कि बेअदबी के कारण धार्मिक भावनाएं आहत होने पर वह अपने गुस्से पर काबू नहीं रख पाया। मृतक महिला की पहचान परविंदर कौर के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 30 से 35 साल के बीच है। पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) वरुण शर्मा ने कहा कि महिला रविवार को दुख निवारण साहिब गुरुद्वारे के सरोवर के पास कथित रूप से शराब पी रही थी। उसी समय गुरुद्वारे में नियमित रूप से आने वाले निर्मलजीत सिंह सैनी ने उस पर हमला कर दिया। पुलिस ने आधिकारिक बयान में कहा कि सैनी ने 32 बोर की अपनी लाइसेंसी रिवॉल्वर से महिला पर पांच राउंड गोलियां चलाईं। परविंदर को तीन गोलियां लगीं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

इस घटना में एक अन्य व्यक्ति को भी गोली लगी है और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आरोपी ने स्वेच्छा से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और अपना हथियार उन्हें सौंप दिया। पुलिस के अनुसार, प्रॉपर्टी डीलर का काम करने वाले सैनी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है। शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने अमृतसर में जारी एक बयान में कहा कि सिख विरोधी ताकतें सोची-समझी साजिश के तहत गुरुद्वारा साहिब को निशाना बना रही हैं, जबकि सरकार मूकदर्शक बनी बैठी है। उन्होंने आरोप लगाया कि पटियाला में ऐतिहासिक गुरुद्वारे के अंदर महिला के शराब पीने की शरारतपूर्ण हरकत एक साजिश है, जो अचानक हुई घटना नहीं हो सकती।

(शेष पेज 9)

क्विक न्यूज

अब रेलवे स्टेशनों पर लगेंगे एक जैसे संकेतक

नई दिल्ली। यात्रियों की आसानी के लिए भारत भर के रेलवे स्टेशनों पर संकेतकों को रंग, फॉन्ट और चित्रलेखों के उपयोग के आधार पर मानकीकृत किया जाएगा। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को परियोजना के विवरण से संबंधित एक पुस्तिका के विमोचन पर यह बात कही। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पूरे भारत में 1,275 स्टेशनों का पुनर्विकास कर रहा भारतीय रेलवे यात्रियों के लिए इसे सुविधाजनक बनाने के वास्ते सभी स्टेशनों पर एक समान संकेत लगाने का प्रयास करेगा। वैष्णव ने कहा, जैसा कि आप सभी जानते है, प्रधानमंत्री के नेतृत्व मे भारतीय रेल रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। यह महसूस किया गया कि स्टेशनों पर संकेतकों पर मानक दिशानिर्देश जारी किए जाएं जो सुसंगत और पर्याप्त होंगे। रेल मंत्री ने कहा, आज मुझे भारतीय रेल के स्टेशनों पर मानक संकेत के वास्ते पुस्तिका जारी करते हुए खुशी हो रही है। भारतीय रेल आधुनिक, मानक संकेतों को अपनाएगा, जो दिव्यांग के अनुकूल है।

शाह ने मणिपुर हिंसा में शामिल लोगों पर कड़ी कार्रवाई को कहा

● केंद्रीय गृह मंत्री ने राज्य के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों के साथ की बैठक

भाषा। नई दिल्ली

इंफाल में पत्रकारों को संबोधित करते मुख्यमंत्री (एन बीरेन सिंह मध्य में)

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को मणिपुर में हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का निर्देश दिया और स्थाई शांति सुनिश्चित करने में राज्य को केंद्र की ओर से पूर्ण समर्थन दिए जाने का आश्वासन दिया। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह, मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों और अन्य हितधारकों के साथ कई बैठकें करके राज्य में शांति बहाल करने के लिए पिछले दो दिन में उठाए गए कदमों की समीक्षा की, जिसके बाद ये निर्देश जारी किए। बयान के अनुसार, उन्होंने सभी गुटों से चर्चा करने और शांति का संदेश देने का भी आग्रह किया और न्याय का आश्वासन दिया।

शाह ने हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया और स्थाई शांति सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से पूर्ण समर्थन और मदद का आश्वासन दिया। बयान के अनुसार, गृह मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार राज्य में विभिन्न समुदायों की सुरक्षा के लिए सभी कदम उठाएगी। बयान में कहा गया है कि उन्होंने राहत और पुनर्वास की प्रक्रिया में तेजी लाने पर जोर दिया, ताकि लोगों की पीड़ा को कम किया जा सके। बैठकों के दौरान, गृह मंत्री ने मणिपुर में शांति बहाल करने के लिए किए गए उपायों की समीक्षा की, जहां दो जातीय समुदायों के बीच हिंसक झड़पें हुई हैं। बैठक में मौजूद लोगों में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के अलावा मणिपुर के चार कैबिनेट मंत्री और राज्य से एक राज्यसभा सदस्य शामिल हैं।

(शेष पेज 9)

जेनेरिक दवाएं लिखें डॉक्टर, अन्यथा होगी कार्रवाई: केंद्र

● केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के चिकित्सकों को निर्देश, दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों के आने पर भी रोक लगाने को कहा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने अपने सरकारी अस्पतालों एवं केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) के तहत आने वाले आरोग्य केंद्रों के चिकित्सकों को चेतावनी दी है कि वे मरीजों के लिए जेनेरिक दवाइयां लिखने के नियम का पालन करें, अन्यथा उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ने चिकित्सकों को यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि अस्पतालों में मेडिकल रीप्रजेंटेटिव (दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों) के आने पर रोक लगाई जाए। सरकार के आदेश के अनुसार, केंद्र सरकार के अस्पतालों, सीजीएचएस आरोग्य केंद्रों और पॉलीक्लिनिक के चिकित्सकों को समय-समय पर निर्देश दिया गया है कि वे केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखें। स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने 12 मई को जारी एक आदेश में कहा, इसके बावजूद, यह देखा गया है कि कुछ मामलों में (रेजीडेंट सहित) चिकित्सक अब भी ब्रांडेड दवाएं लिख रहे हैं। आदेश के अनुसार, सभी संस्थानों के प्रमुखों से कहा गया है कि वे अपने अधीन काम करने वाले चिकित्सकों द्वारा इसका सख्ती से पालन सुनिश्चित करें। इसमें कहा गया है कि आदेश का पालन नहीं करने पर कार्रवाई की जाएगी। उधर, सभी चिकित्सकों को अब राज्य चिकित्सा परिषदों के साथ ही राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) में पंजीकरण कराना होगा और देश में प्रैक्टिस करने के लिए उन्हें एक विशिष्ट पहचान संख्या (यूआईडी) मिलेगी। एक हालिया अधिसूचना के अनुसार, इन आंकड़ों को राष्ट्रीय चिकित्सा रजिस्टर में अद्यतन किया जाएगा और यह आम लोगों के लिए उपलब्ध रहेगा तथा एनएमसी की वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जाएगा। वेबसाइट पर चिकित्सक के बारे में विभिन्न जानकारी होगी जैसे पंजीकरण संख्या, नाम, पंजीकरण की तिथि, कार्यस्थल (अस्पताल या संस्थान का नाम), अतिरिक्त चिकित्सा योग्यता सहित चिकित्सा योग्यता, विशेषता और उन संस्थान या विश्वविद्यालय का नाम जहां चिकित्सक ने पढ़ाई की थी। इसमें कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति जिन्होंने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग कानून 2019 के तहत मान्यता प्राप्त प्राथमिक चिकित्सा योग्यता प्राप्त की है और अधिनियम की धारा 15 के तहत आयोजित राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण की हो, वह एनएमआर में पंजीकरण के लिए पात्र होगा। अधिसूचना के अनुसार, विदेशों से चिकित्सा की पढ़ाई करने वाले और अधिनियम की धारा 15 के तहत आयोजित राष्ट्रीय परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले चिकित्सक भी एनएमआर में पंजीकरण के लिए पात्र होंगे, बशर्ते वे विदेशी चिकित्सा स्नातक विनियमन, 2021 की शर्तों को पूरा करते हों।

सदन में भाजपा के बाद सबसे अधिक निर्दलीय पार्षद

निगम चुनाव में बिना दल के जीते 16 सभासद, जबकि कांग्रेस, बसपा और सपा के कुल पार्षदों की संख्या पंद्रह

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नगर निगम चुनाव के नतीजों के बाद अब नगर निगम सदन की तस्वीर बदल गई है। किसी जमाने में भाजपा के बाद सबसे अधिक पार्षद बसपा या कांग्रेस के होते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं है। इस बार भाजपा के बाद निर्दलीय पार्षदों की संख्या सबसे अधिक है। इस बार 16 निर्दलीय पार्षद हैं, जबकि कांग्रेस, बीएसपी और एसपी के कुल पार्षदों की सदन में संख्या केवल 15 है।

नगर निगम सदन में अभी तक बीजेपी, कांग्रेस, बीएसपी और एसपी के पार्षद ही होते थे। पहली बार एआईएमआईएम, आम आदमी पार्टी और अजपा की भी निगम सदन में एंट्री हो गई है। इस बार नगर निगम सदन में सियासी माहौल बदलेगा। अब देखना यह है कि इस बार नगर निगम में सियासी माहौल कैसा होगा।

सदन में इस बार नहीं दिखेंगे कई दिग्गज : नगर निगम सदन में इस बार अनुभवी पार्षदों की संख्या ना के बराबर होंगे। नगर निगम के नए सदन में अनुभवी पार्षदों की कमी खलेगी। नगर निगम का गठन 1995 में हुआ था, तब से लेकर अभी तक सभी नगर निगम सदन में तेज तर्रार पार्षद रहे हैं। उन्हें अनुभव के साथ कानूनी तौर पर निगम एक्ट की जानकारी भी रही है। ऐसे अनुभवशील पार्षदों में सबसे बड़ा नाम भाजपा नेता अनिल स्वामी का है। अनिल स्वामी छह बार से नगर निगम में पार्षद का चुनाव जीत कर सदन में पहुंचे थे। जब भी कभी निगम सदन में बहस होती थी, तो वह कानून और एक्ट के हिसाब से बात करते थे। ऐसे में निगम के कई अधिकारी सदन में उनके तर्क के सामने ठहर नहीं पाते थे, लेकिन इस बार वह चुनाव हार गए। ऐसे ही पार्षदों में एक नाम भाजपा नेता राजेन्द्र त्यागी का है। त्यागी ने पांच बार नगर निगम में पार्षद का चुनाव लड़ा और हर बार वह विजयी हुए, लेकिन इस बार उन्होंने स्वयं चुनाव लड़ने के लिए बीजेपी से टिकट की दावेदारी नहीं की थी। ऐसे में इस बार वह भी निगम सदन में नहीं रहेंगे। इसी कड़ी में पार्षद हिमांशु मित्तल भी हैं जिन्हें भाजपा ने टिकट नहीं। वे भी इस बार सदन में नहीं दिखेंगे। मित्तल ने निगम में घोटालों से लेकर यूपी सरकार के गलत फैसलों तक का विरोध किया है। कई केस तो आज भी वह हाईकोर्ट में लड़ रहे हैं।

शपथ समारोह के लिए करना पड़ेगा इंतजार

नगर-निकाय चुनाव के बाद नव निर्वाचित मेयर सुनीता दयाल और सभी पार्षदों का शपथ समारोह अगले सप्ताह होने की संभावना है। हालांकि, समारोह के लिए तारीख शासन स्तर से तय होगी जिससे निगमों में कार्यकाल एक साथ शुरू हो। यूपी के सभी नगर निगमों के नए बोर्ड का कार्यकाल साथ शुरू करने के लिए तारीख फाइनल की जाने लगी है।

नव निर्वाचित मेयर के तेवर से सहमे निगम अधिकारी

नव निर्वाचित मेयर सुनीता दयाल के लिए नगर निगम प्रशासन की ओर से कल सरकारी गाड़ी भेजी गई थी, लेकिन मेयर ने उसे वापिस लौटा दिया। मेयर के यह तेवर देख नगर निगम के कई अधिकारी अब सहम गए हैं। माना जा रहा है कि सरकारी गाड़ी नई मेयर शपथ समारोह के बाद ही लेंगी। नव निर्वाचित मेयर सुनीता दयाल पहले से ही कडक मिजाज की बीजेपी नेता मानी जाती हैं। जिस तरह से मेयर ने निगम की सरकारी गाड़ी वापिस लौटाई है उससे लगता है कि वह निगम को लेकर अभी से काफी फूंक फूंककर कदम उठा रही हैं। यह भी माना जा रहा है कि सुनीता दयाल अभी नगर निगम में नई हैं। सबसे पहले उन्हें नगर निगम को समझना है। हालांकि, काफी बैकग्राउंड उन्हें मिल चुका है और काफी जानकारी वह हासिल करने की कोशिश में लगी हुई हैं। जिस तरह रविवार को मेयर ने निगम की सरकारी गाड़ी को लौटाया है उससे तो यही लगता है कि नगर निगम प्रशासन मेयर को को सावधानी से ले रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

इकोविलेज वन के निवासी 22 दिनों से दे रहे धरना

नोएडा। घर का सपना देखने वाले लाखों लोग बिल्डर्स और प्राधिकरण से तंग आकर सड़कों पर उतर कर लगातार बीते 24 रविवार से अपनी आवाज बुलंद कर रहे हैं। वहीं सुपरटेक इको विलेज वन के निवासी भी 22 दिन से धरने पर बैठे हुए हैं, उनका शांतिपूर्वक धरना चल रहा है। रविवार शाम को निवासियों ने विरोध प्रदर्शन जताते हुए कैंडल मार्च निकाला। हाथों में कैंडल और मोबाइल टॉर्च रोशनी फैलाकर बिल्डर और अथॉरिटी के सांठगांठ से ग्रेटर नोएडा वेस्ट में फैले भ्रष्टाचार के अंधियारे को दूर करने निकले ये लोग ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सोसाइटी के निवासी है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के इको विलेज 1 के निवासी बीते 22 दिनों से बुनियादी सुविधा और और रजिस्ट्री की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। अब इनके साथ इको विलेज 2 निवासी भी इस प्रोटेस्ट में शामिल हो गए हैं।

एक लाख के गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार

नोएडा। नारकोटिक्स और थाना सेक्टर.142 की संयुक्त टीम ने स्कूल और कॉलेज में गांजा सप्लाई करने वाले एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। इसके पास से 1 लाख रुपए का गांजा मिला है। नारकोटिक्स टीम आरोपी से पूछताछ कर रही है। साथ ही ये पता लगाने का प्रयास कर रही है कि एनसीआर में ये गांजा कहां से सप्लाई किया जा रहा है। बीट पुलिसिंग व लोकल इंटेलिजेंस से जानकारी लेते हुए गोपनीय सूचना के आधार पर तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इसकी पहचान अजय कुमार साह पुत्र गंगा साह निवासी बिहार का रहने वाला है। इसे बुद्ध मूर्ती तिराहे से सेक्टर 144 मेट्रो स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है।

पत्नी की हत्या की कोशिश, बेटी का अंगूठा भी चबाया

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र की एक सोसायटी के व्यक्ति ने पत्नी ने मारपीट की। बेटी की पिटाई कर उसका अंगूठा चबा लिया। आरोप है कि गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। पड़ोसियों ने आकर बचाया। पत्नी की ओर से इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। पुलिस जांच में जुटी है। महिला ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि शनिवार सुबह करीब छह बजे शराब के नशे में उनसेए सास से और बेटियों से गाली गलौज कर मारपीट शुरू कर दी। उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। पुलिस समझाकर चली गई। फिर से मारपीट शुरू कर दी। सास पर और बेटी पर हाथ उठाया। आरोप है कि छोटी बेटी का अंगूठा दांत से चबा लिया। पीठ पर दांत काटकर घायल कर दिया।

नोएडा में एसआई की सरेराह पिटाई, तीन गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में एक सब-इंस्पेक्टर की पिटाई का एक वीडियो सामने आया है। इसमें दबंग युवक दौड़ा-दौड़ाकर पीटते दिख रहे हैं। उन्होंने सब-इंस्पेक्टर की वर्दी फाड़ दी और पिस्टल छीनने की भी कोशिश की।

पुलिसकर्मी ने जब शोर मचाया, तो पब्लिक इकट्ठा हो गई। लोगों ने दबंगों से बड़ी मुश्किल से दरोगा को बचाया। सब-इंस्पेक्टर की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। हरीश चंदर ने बताया कि मामले में 3 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

सब-इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार थाना सेक्टर-39 में तैनात हैं। उन्होंने बताया, गुमशुदगी के एक केस के सिलसिले में उत्तराखंड जाना था।

रविवार मोरना डिपो से बस पकड़ने के लिए गाड़ी से निकला। जब सेक्टर 49 के चौराहे पर पहुंचा, तो वहां एक पिकअप ने रास्ते को ब्लॉक कर रखा था। मैंने उसे गाड़ी हटाने का इशारा किया। इतने में पिकअप सवार लड़के मारपीट पर उतारू हो गए। पिकअप सवार तीन लड़के बदतमीजी करने लगे। उनको पीटना शुरू कर दिए। लड़कों ने पिटाई के बाद वर्दी फाड़ दी और सरकारी पिस्टल छीनने का भी प्रयास किया।

बेसमेंट में कार और 15 बाइकें जलकर राख

गाजियाबाद। गाजियाबाद के टीला मोड़ थाना क्षेत्र स्थित इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में एक अपार्टमेंट के बेसमेंट में रविवार रात ढाई बजे आग लग गई। आग से बेसमेंट में खड़ी एक कार और 15 बाइकें जल गईं। अपार्टमेंट्स में रहने वाले 16 परिवारों के करीब 40 सदस्यों को छत के रास्ते दूसरी बिल्डिंग में पहुंचाकर सुरक्षित बचा लिया गया। दमकल की तीन गाड़ियों ने पहुंचकर आग पर काबू पाया है। आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

सोसाइटी में रहने वाले बाली सिद्धू ने बताया, एक चार मंजिला अपार्टमेंट है। लोग इसको क.247 नाम से जानते हैं। इस अपार्टमेंट में कुल 16 फ्लैट्स हैं।

हिंडन नदी में डूबकर 2 किशोरों की मौत, तीसरे की तलाश जारी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- खोड़ा इलाके में नहाने आए थे किशोर, नहर से शव निकाले गए

गाजियाबाद की हिंडन नदी में रविवार को फिर बड़ा हादसा हुआ। नहाने के दौरान 3 किशोर डूब गए। 2 की मौत हो गई, उनके शव निकाल लिए गए हैं। तीसरे लड़के की तलाश जारी है। सभी लड़के दिल्ली में कोंडली इलाके के रहने वाले थे।

जानकारी के मुताबिक दिल्ली में कोंडली के वीर 15, तरुण 17 और धर्म 14 रविवार शाम करीब 4 बजे नहाने के लिए गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में आए थे। वे हिंडन नदी में नहा रहे थे। इस दौरान वे गहरे पानी में जाकर डूब गए। तीनों बच्चे जब देर शाम तक घर नहीं पहुंचे तो परिजनों ने पुलिस को जानकारी दी।

दिल्ली पुलिस ने गाजियाबाद पुलिस को बताया। गाजियाबाद के खोड़ा थाना पुलिस और दिल्ली की गाजीपुर थाना पुलिस ने ज्वाइंट रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। इस दौरान शाम करीब साढ़े 7 बजे धर्म का शव गाजियाबाद जिले के खोड़ा थाना क्षेत्र में हिंडन नदी से बरामद हुआ।

नोएडा संयुक्त अस्पताल में हज यात्रियों का टीकाकरण शुरू

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों का टीकाकरण सोमवार से शुरू हो गया है। सेक्टर 39 स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में पहले दिन 13 हज यात्रियों का टीकाकरण किया गया।

उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ. उबैद कुरैशी ने बताया कि हज यात्रा पर जाने से पहले संक्रमण सहित कई बीमारियों से बचाव के लिए सभी यात्रियों का टीकाकरण जरूरी होता है। स्वास्थ्य विभाग को जनपद से जाने वाले 246 हज यात्रियों की सूची मिली है। इसमें से 13 यात्रियों को सोमवार को टीका लगाया गया।

डॉक्टर कुरैशी ने बताया कि सेक्टर 39 स्थित संयुक्त जिला अस्पताल में ग्राउंड फ्लोर पर कमरा नंबर 37 में हज यात्रियों के टीकाकरण की व्यवस्था की गयी है। उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने सभी हज यात्रियों से अपील की है कि वह जरूरी टीका लगवाने आ रहे हैं तो सभी जरूरी कागजात साथ लेकर आयें।

लिफ्ट में फंस कर कर्मचारी की मौत

सूरजपुर। थाना सूरजपुर क्षेत्र के ईकोटेक 2 सेक्टर में खिलौने बनाने वाली कंपनी की लिफ्ट में फंस कर एक कर्मचारी की मौत हो गई।

थाना प्रभारी अवधेश प्रताप सिंह ने बताया कि बदायूं निवासी प्रशांत बाबू ईकोटेक-2 में खिलौने बनाने वाली कंपनी में काम करता था। बीती शाम वह ड्यूटी खत्म कर घर वापस जा रहा था। कंपनी के गेट पर पहुंचने के बाद वह वापस भीतर गया। कुछ देर बाद लिफ्ट में उसके चिल्लाने की आवाज सुनी। इस पर कर्मचारी मौके पर पहुंचे तो वह लिफ्ट में लहूलुहान स्थिति में फंसा हुआ था।

पुलिस की ज्यादती पर वकीलों की हड़ताल

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- पुलिस के अनुसार दबिश देने गए एसआई और सिपाही पर हमला कर की गई थी मारपीट

गाजियाबाद बार एसोसिएशन के वकील सोमवार को हड़ताल पर हैं। वकीलों का आरोप है कि साथी वकील को निवाड़ी थाना पुलिस ने कस्टडी में लेकर फर्जी मुकदमा दर्ज कर दिया है। वकीलों ने पुलिस के खिलाफ खूब नारेबाजी की और प्रदर्शन किया। वहीं थाना पुलिस का कहना है कि दबिश के दौरान एक सब इंस्पेक्टर व सिपाहियों पर हमला करके मारपीट हुई है। इसलिए मुकदमा दर्ज करके वकील को हिरासत में लिया गया है।

निवाड़ी थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया, 14 मई को गांव भनैड़ा में रुपए छिनने के मामले में सब इंस्पेक्टर गौरव कुमार और तीन कांस्टेबल मौके पर पहुंचे। वहां जांच में पता चला कि दोनों पक्षों में पुराना विवाद चल रहा है। इसी दौरान अधिवक्ता पवन त्यागी वहां पहुंच गए और इसके बाद सभी लोगों ने पुलिस पर हमला कर दिया। दरोगा की वर्दी फाड़ दी और बाकी पुलिसकर्मियों से भी मारपीट की। थाना प्रभारी ने बताया कि इस मामले में पुलिस पर हमले का मुकदमा दर्ज किया गया है। अधिवक्ता पवन त्यागी पुलिस हिरासत में हैं। बाकी आरोपियों को भी पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बार एसोसिएशन गाजियाबाद ने सोमवार को इस संबंध में एक आपात बैठक आयोजित की। अध्यक्षता योगेंद्र कौशिक ने की। हड़ताल के पारित प्रस्ताव में कहा गया कि युवा अधिवक्ता पवन त्यागी को थाना निवाड़ी की पुलिस ने अवैध तरीके से कस्टडी में रखकर फर्जी मुकदमे में आरोपित कर दिया है।

बार-बार बेइज्जती पर युवक ने कर दी दोस्त की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा थाना फेज.2 क्षेत्र में बेइज्जती सहन न होने पर एक युवक ने अपने दोस्त की चारपाई की पाटी मारकर हत्या कर दी। मृतक युवक के शव को पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। घटना रविवार देर रात की है। पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

दरअसल, शिवम और रोहित उर्फ बल्लू दोनों की उम्र करीब 21 साल है। दोनों भंगेल में अलग.अलग रहकर मजदूरी का काम करते थे। ये दोनों आपस में रिश्तेदार और दोस्त थे। डीसीपी राम बदन ने बताया कि काफी दिन पहले दोनों एक साथ किराए पर रहते थे। इस दौरान शिवम की शादी हो गई और वो बल्लू से अलग रहने लगा। शादी से पहले शिवम का कुछ पैसा चोरी हो गया था। शिवम को शक था कि ये पैसा बल्लू ने ही चुराया है। शिवम ये बात बल्लू के दोस्तों और अन्य लोगों से करता रहता था। बल्लू ने कई बार उसे रोका कि वो उसकी बेइज्जती न करे।

हापुड़ में 20 बंदरों की मौत, जहर की आशंका

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- बंदरों के मुंह से निकल रहा था झाग, पोस्टमार्टम के बाद साफ होगी वस्तुस्थिति

गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत मध्य गंग नहर झड़ीना रोड स्थित जंगल सोमवार को संदिग्ध परिस्थितियों में खेतों में 20 से अधिक बंदर मरे मिले। बंदरों के मुंह से झाग निकल रहे थे। इससे बंदरों को जहर दिए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि, इसकी पुष्टि पीएम के बाद ही हो सकेगी।

ग्रामीणों की सूचना पर वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की और बंदरों के शवों को पीएम के लिए भेजा। झडीना रोड स्थित जंगल मे खाली पड़े खेतों में 20 बंदर मरे हुए पड़े थे। ग्रामीणों की नजर पड़ी तो वहां भीड़ लग गई। कई बंदर अर्द्धबेहोशी की हालत में दम तोडने की स्थिति में थे, मरे हुए और अर्द्धबेहोशी की हालत में तड़प रहे बंदरों के मुंह से झाग निकल रहे थे। ऐसा लगता है कि बंदरों को किसी ने जहर दिया है। हालांकि मौत की वजह की पुष्टि नहीं हो सकी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मृत बंदरों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। सोमवार को जंगल में बंदरों की मौत की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जहां उन्होंने मृत बंदरों के पास एक प्लास्टिक के कट्टे के ऊपर गुड़ रखा हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि गुड़ में किसी ने जहर मिलाकर बंदरों को दिया है जिससे उनकी मौत हो गई है। बजरंग दल के कार्यकर्ता अंकुर सोनी, जितेंद्र बजरंगी, राहुल शर्मा, प्रभात चौधरी मौके पर पहुंचक कर पुलिस से दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

चुनावी रंजिश में खूनी संघर्ष जानलेवा हमला, 6 पर केस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा स्थित दनकौर कोतवाली क्षेत्र के बिलासपुर में चुनावी रंजिश में दो पक्षों में रविवार रात खूनी संघर्ष का मामला सामने आया है। इस घटना में एक की हालत गंभीर है। जिसका सफदरजंग अस्पताल में उपचार चल रहा है। पीड़ित परिवार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित गुट के पूर्व चेयरमैन समेत छह लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

बिलासपुर कस्बा निवासी शुऐब मलिक ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि रविवार की रात उनका छोटा भाई मुसैफ अपने चाचा के घर पर बैठा हुआ था। उसी दौरान उनके पड़ोस के रहने वाले लोगों ने रंजिशन वहां पहुंचकर उनके भाई के साथ गाली.गलौज करते हुए लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया।

घटना में उनका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। साथ ही परिवार के अन्य दो लोगों को भी चोट आई है। आरोप है कि जान से मारने के लिए कई राउंड फायरिंग की।

मर्सिडीज से हुड़दंग कर रहे 3 युवक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर टूटी पुलिस की नींद, एक दिन के लिए 6000 में किराए पर ली थी कार

शालीमार गार्डन थाना क्षेत्र के दिल्ली वजीराबाद रोड पर शनिवार शाम हुड़दंग करने वाले तीन आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों ने एक दिन के लिए छह हजार रुपये में किराए पर कार ली थी। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने पर पुलिस की नींद टूटी।

सहायक पुलिस आयुक्त साहिबाबाद भास्कर वर्मा ने बताया की पकड़े गए आरोपित प्रेम गार्डन टीला मोड़ का बादशाह, शहीद नगर का समीर और मालिक सिटी का जुबेर है। तीनों ने पसोंडा से एक दिन के लिए किराए पर 6000 रुपये में मर्सिडीज कर ली थी। एआईएमआईएम की प्रत्याशी के समर्थन में घूम रहे थे। पुलिस दूसरी गाड़ी में घूमने वाले युवकों की भी तलाश कर रही है।

रविवार सुबह करीब पौने 11 बजे ट्विटर पर राम नाम के एक अकाउंट से 11 सेकेंड का एक वीडियो अपलोड़ किया गया। वीडियो में एक मर्सिडिज कार की खिड़की खोलकर कुछ युवक बैठे दिख रहे थे। दो युवक सनरूफ खोलकर खड़े थे। उसके आगे एक एसयूवी का सनरूफ खोलकर दो युवक बाहर निकले दिख रहे थे। वीडियो के साथ लिखा गया था कि गाजियाबाद की रोड पर स्टंट बाजी बंद नहीं हुई। लोगों में पुलिस.प्रशासन का खौफनहीं है। एक कार का नंबर भी दिया गया था। वीडियो शनिवार शाम साढ़े पांच बजे का दिल्ली वजीराबाद रोड पर पसौंड़ा पुलिया के पास का बताया गया था।

इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स में अगले साल खेले जाएंगे अंतरराष्ट्रीय मुकाबले

तैयारी : 100 करोड़ की लागत से तैयार होने वाले इस गोल्फकोर्स में अब तक बने 999 सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा में बन रहा इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स अगले एक साल में बनकर तैयार हो जाएगा। पहली बार इसका मॉडल प्राधिकरण की ओर से जारी किया गया है। मार्च 2024 में यहां इंटरनेशनल मुकाबले खेले जाएंगे। इसका 43 फीसदी काम पूरा कर लिया गया है। सेक्टर-151ए इसे बनाया जा रहा है। इसकी लागत करीब 100 करोड़ है। अब तक 26.8 करोड़ रुपए खर्च हो चुके है।

गोल्फ कोर्स की सदस्यता से आने वाले पैसे का उपयोग निर्माण में किया जा रहा है। अब तक 999 लोगों ने सदस्यता ली है। जिसमें से 68 लोगों ने रिफंड लिया। 931 सदस्य

हैं। जिसमें से 169 लोगों ने 100 प्रतिशत यानी 10 लाख रुपए जमा कर दिए है। 31 का साक्षात्कार होना अभी बाकी है।

प्राधिकरण वर्क सर्किल.10 के वरिष्ठ प्रबंधक केवी सिंह ने बताया कि नए बनाए जा रहे गोल्फकोर्स की मैंबरशिप लेने वाले ऐसे लोग जिन्होंने एक मुश्त 100 प्रतिशत दे दिया है। वो सप्ताह में चार दिन सेक्टर.38ए गोल्फ कोर्स में खेल सकते है वहां की सुविधा का लाभ ले सकते है। गोल्फ के लिए मैंबर कार्ड बनाया जा रहा है। इसका डिजाइन फाइनल स्टेज में है। खास बात ये है कि इस गोल्फकोर्स के दायरे में ही हेलीपोर्ट का निर्माण भी किया जाएगा। इसके लिए एक कंपनी का चयन किया गया है। शासन से अप्रूवल के बाद हेलीपोर्ट के लिए फाइनेंशियल बिड खोली जाएगी। इसके बाद बॉन्ड साइन कर निर्माण शुरू किया जाएगा। हेलीपोर्ट का की कंपनी 30 साल तक इसका संचालन करेगी। योजना की खास बात ये है कि प्रस्तावित हेलीपोर्ट से सीधे गोल्फकोर्स को जोड़ा जाएगा। यानी गोल्फकोर्स क्लब में आने वाले सीधे हेलीकाप्टर की सेवा भी ले सकते है। इसके लिए एक एप्रोच रोड 4.614 एकड़ में बनाई जाएगी।

नोएडा के कामबख्शपुर गांव में खसरा नंबर 68 की करीब 26 हजार 600 वर्गमीटर जमीन प्राधिकरण की अधिगृहीत जमीन है। इसी जमीन के 2500 वर्गमीटर पर किसान ने रातों रात बाउंडरी का निर्माण करवा लिया था। इस बाउंडरी को तोड़ दिया गया है। ये जमीन गोल्फ कोर्स की नियोजित जमीन है। अब यहां काम शुरू होने जा रहा है।

परियाजना पर एक नजर

-128 एकड़ में गोल्फकोर्स का निर्माण किया जा रहा है।
-94.369 एकड़ में गोल्फएरिया
6.895 एकड़ में क्लब व पार्किंग
-7.910 एकड़ में ड्राइविंग रेंज -
4.702 एकड़ में एचटी लाइन एरिया
-9.289 एकड़ में हेलीपोर्ट
-4.614 एकड़ में हेलीपोर्ट एप्रोच रोड

किसानों को समर्थन देने पहुंचीं वृंदा करात

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ किसानों का आंदोलन तेज होता जा रहा है। अब अपनी मांगों को लेकर 40 गांव के अन्नदाता अथॉरिटी के खिलाफ उतर आए हैं। किसान पिछले 20 दिन से प्राधिकरण कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरने पर हैं।

रविवार को किसानों का समर्थन करने सीपीआईएम की वरिष्ठ नेता वृंदा करात प्रदर्शन स्थल पर पहुंची हैं। वहीं, आंदोलन में किसानों को विभिन्ना आरडब्ल्यूए, किसान संगठन, राजनीतिक दलों का समर्थन मिला है। किसानों के इस प्रदर्शन से आम लोगों को आने.जानें में खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। किसानों की मांग है कि उन्हें नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत मुआवजा,

10 प्रतिशत आबादी भूखंडए 17.5 प्रतिशत कोटा, लीजबैक, प्राधिकरण की भूखंड परियोजना में, शिफ्टिंग पॉलिसी, रोजगार आदि मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

वहीं, किसानों ने पुलिस व प्रशासन पर किसान नेताओं को घरों में ही नजरबंद करने का आरोप लगाया है। प्रदर्शन की अगुवाई कर रहे किसान सभा के प्रवक्ता डाक्टर रूपेश वर्मा ने बताया कि पुलिस ने किसान नेता सुनील फौजी को घर पर ही नजरबंद कर दिया।

आरोप लगाया कि किसानों के अपने मुद्दों को लेकर जागरूक और गोलबंदी को देखकर प्राधिकरण और प्रशासन सकते में है। अधिकारी घबरा गए हैं। सूबेदार ब्रह्मपाल ने कहा कि क्षेत्र के सभी किसान गिरफ्तारी के लिए तैयार हैं।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ऐ, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यवाहक कार्यकारी संपादक: विजय प्रकाश सिंह , स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, मंगलवार,16 मई, 2023

प्रदूषण स्रोतों का पता लगाएगी मोबाइल वैन

हॉटस्पॉट बिंदुओं पर तैनात होगी, रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी पर विशेषज्ञों के सुझाव से बनेगी कार्ययोजना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पर्यावरण को बेहतर बनाने की एक और पहल शुरू की गई है। शहर में वायु प्रदूषण के स्रोतों की वास्तविक समय में पहचान करने के लिए हुए अध्ययन के नतीजों और दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार लाने की रणनीति बनाने के लिए पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ गोलमेज सम्मेलन किया।

इस राउंड टेबल कांफ्रेंस में रियल टाइम सोर्स अपोरशंमेंट स्टडी के अबतक के डाटा पर चर्चा की गई। जिसमें दिल्ली के 13 हॉटस्पॉट में प्रदूषण के वास्तविक स्रोतों का पता लगाने के लिए एक-एक हफ्ते के लिए मोबाइल वैन तैनात करने के निर्देश दिए गए हैं। इस सम्मेलन में डीपीसीसी, पर्यावरण विभाग, टेरी, यूएनईपी, वर्ल्ड बैंक, आईएमडी, डीआरआईआईवी, सीएसई, एमसीडी आदि विभागों और संस्थाओ के अधिकारी और प्रतिनिधि शामिल रहे।

राजधानी में प्रदूषण मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ गोलमेज सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय।

गोपाल राय ने राउंड टेबल कांफ्रेंस के बाद सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि दिल्ली सरकार वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कड़े कदम उठा रही है। जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण में 30 फीसद की कमी दर्ज की गई है। हर साल गर्मी और सर्दियों के मौसम में होने वाले प्रदूषण से निपटने के लिए समर और विंटर एक्शन प्लान लागू किए जाते हैं। विंटर एक्शन प्लान के हिस्से के रूप में रियल टाइम

13 हॉटस्पॉट पर एक हफ्ते के लिए मोबाइल वैन तैनात करने के निर्देश जारी

सोर्स अपॉर्शन्मन्ट स्टडी को शामिल किया था। इससे प्रदूषण के कारणों का पता चल रहा है। ऐसा करने वाला दिल्ली पहला राज्य बन गया है।

रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी से हर घंटे पता चल रहा है कि कहां, किस वजह से प्रदूषण है और अगले 3 दिन का घंटे के आधार पर फोरकास्ट का भी अनुमान लगाया जा रहा है। इससे सरकार को किसी भी इलाके में वाहन, इंडस्ट्री , बायोमास बर्निंग, धूल आदि की वजह से होने वाले प्रदूषण की सही सही जानकारी प्राप्त हो रही है।

उन्होंने रियल टाइम सोर्स अपोरशंमेंट स्टडी के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि पहले वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले कारको को पता लगाने की प्रक्रिया काफी लंबी और मेहनती होती थी वहीं आज रियल टाइम सोर्स अपोर्शनमेंट स्टडी के कारण अब वायु गुणवत्ता की दैनिक, साप्ताहिक, मासिक और मौसमी विश्लेषण प्राप्त कर सकते है।

इस सुपरसाइट के कारण सरकार को वायु प्रदूषण बढ़ाने में योगदान देने वाले पीएम 2.5, एनओ2, एनओ एक्स , सीओ , एसओ2, ओजोन, सेकेंडरी इनऑर्गेनिक एंड आर्गेनिक ऐरोसोल्स की निगरानी आसान हो गया है। साथ ही मोबाइल एयर क्वालिटी मॉनिटरिंग स्टेशन को 13 हॉटस्पॉट पर एक एक हफ्ते स्थापित करने के निर्देश जारी किये गए है।

कारण बताओ नोटिस के बाद अचानक सचिवालय पहुंचे मोरे

सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने पर जताई सहमति, पहले आप सरकार की ओर से नए सर्विसेज सेक्रेटरी की नियुक्ति को मानने से किया था इनकार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कई दिनों से गायब दिल्ली के सर्विसेज सेक्रेटरी आखिरकार सोमवार को अचानक सामने आ गए और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करने पर सहमत हो गए। सर्विसेज मंत्री सौरभ भारद्वाज द्वारा उनकी अनधिकृत अनुपस्थिति के लिए स्पष्टीकरण की मांग करते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया था।

इसके बाद उनके व्यवहार में अचानक यह बदलाव आया। मंत्री द्वारा आशीष मोरे की जगह नए सर्विसेज सेक्रेटरी की नियुक्ति के आदेश जारी किए गए हैं, जिसकी उन्होंने अवहेलना की थी। निर्देश दिए जाने पर अपने सहयोगियों और परिवार के सदस्यों को छोड़कर आशीष मोरे रहस्यमय तरीके से दिल्ली सचिवालय से गायब हो गए थे। संबंधित अधिकारियों द्वारा संपर्क किए जाने पर उनकी पत्नी ने कहा था कि उन्हें उनके बारे में कोई जानकारी नहीं है।

सिविल सेवा बोर्ड की बैठक आज

दिल्ली सरकार के नौकरशाहों तबादले और तैनाती के निर्देश के अनुसरण में और सर्वोच्च न्यायालय की संविधान पीठ के फैसले के मद्देनजर मुख्य सचिव ने मंगलवार को सिविल सेवा बोर्ड की बैठक बुलाई है। बैठक में अधिकारी इस बात पर चर्चा करेंगे कि वह जीएनसीटीडी को रिपोर्ट करेंगे न कि उपराज्यपाल को उसी पर मंथन होगा।

आदेश नहीं मानने पर अवमानना

दिल्ली सरकार को सेवा मामलों पर नियंत्रण देने वाला उच्चतम न्यायालय का फैसला तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और इसका अनुपालन नहीं करने वाला अधिकारी अदालत की अवमानना के लिए उत्तरदायी होगा। दिल्ली सरकार ने पिछले सप्ताह शीर्ष अदालत के फैसले के बाद सेवा विभाग ने कानून विभाग की राय मांगी थी।

सत्येंद्र जैन की सेल में दो कैदी भेजने पर मचा बवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

धन शोधन मामले में तिहाड़ जेल में बंद आम आदमी पार्टी के नेता और पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। जैन की सेल में दो कैदियों को स्थानांतरित करने को लेकर जेल नंबर सात के अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जेल महानिदेशक संजय बेनीवाल ने अधीक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उनसे स्पष्टीकरण देने को कहा है। इससे पहले जैन की मालिश को लेकर बवाल मचा था।

तिहाड़ जेल के एक अधिकारी ने बताया कि सत्येंद्र जैन ने जेल प्रशासन को एक अर्जी दी थी जिसमें कहा गया था कि वह अकेलापन महसूस कर रहे हैं और

तिहाड़ महानिदेशक संजय बेनीवाल ने अधीक्षक को नोटिस जारी कर मांगा स्पष्टीकरण

अवसाद में हैं अत: उनके साथ दो कैदियों को रखा जाए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अधीक्षक ने इस मामले में प्रशासन को जानकारी दिए बिना अथवा विचार-विमर्श किए बिना कैदियों का स्थानांतरण किया। उन्होंने कहा कि जब जेल प्रशासन को इसकी जानकारी मिली तो संबंधित पुलिस अधिकारी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया, जिन्होंने कैदियों को वापस उनकी सेल में भेज दिया।

बेहतर होगा जैन सरकारी गवाह बन जाए : भाजपा

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेव ने कहा है वह यह जानकर स्तब्ध हैं कि गत दिनों सत्येन्द्र जैन ने अपनी इच्छानुसार कैदी चुनकर अपनी बैरक में सेवा के लिए रखवा लिये। इस एक घटना से स्पष्ट होता है कि तिहाड़ में किस तरह केजरीवाल के पूर्व मंत्रियों के मनमानी का खेल चल रहा है। सचदेव ने दावा किया कि उनकी जानकारी में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी इसी तरह बहुत सी सुविधाएं पा रहे हैं। वीरेद्र ने कहा कि वह नहीं जानते कि जैन ने किन दो कैदियों को अपने साथ रहने के लिए चुना हैं। पर जब उनके पास साथी चुनने की छूट थी ही तो बेहतर होता वे मनीष सिसोदिया और सुकेश चंद्रशेखर को चुन लेते ताकि तीनों साथ बैठकर अपनी पुरानी यादें ताजा करते रहते।

अधिकारी के अनुसार, महानिदेशक संजय बेनीवाल ने तिहाड़ जेल की जेल नंबर सात के अधीक्षक को दिशानिर्देशों का पालन किए बिना दिल्ली के पूर्व मंत्री के सेल में कैदियों को स्थानांतरित करने तथा यह कदम उठाने से पहले जेल प्रशासन को इसकी सूचना नहीं देने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है और उनसे इस पर जनकारी देने को कहा गया है। जैन को प्रवर्तन निदेशालय ने धन शोधन से जुड़े एक मामले में 31 मई 2022 को गिरफ्तार किया था।

डीबीएसई ने पहली बार घोषित किया 10वीं, 12वीं का परिणाम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

शिक्षा मंत्री आतिशी ने पहली बार सोमवार को दिल्ली स्कूल शिक्षा बोर्ड (डीबीएसई) की 10वीं और 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए। मंत्री ने बताया कि 10वीं कक्षा के।,594 विद्यार्थियों में से 1,582 विद्यार्थी दोनों सत्र की परीक्षाओं में उपस्थित हुए और आठ विद्यार्थी उत्तीर्ण होने के लिए आवश्यक तीन ग्रेड अंक हासिल नहीं कर पाए।

शिक्षा मंत्री आतिशी ने सोमवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि जो विद्यार्थी आवश्यक ग्रेड अंक हासिल नहीं कर पाए हैं, उन्हें एक महीने बाद अंकों में सुधार लाने का एक और मौका दिया जाएगा। 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षाओं के लिए कुल 672 छात्रों ने पंजीकरण कराया और 667 छात्र दोनों सत्रों की परीक्षा में उपस्थित हुए। बारहवीं कक्षा के जो पांच छात्र तीन ग्रेड अंक हासिल नहीं कर पाए, उन्हें प्रदर्शन में सुधार लाने का एक अवसर दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पत्रकारिता आत्म विश्लेषण पर संगोष्ठी का आयोजन

नई दिल्ली। बस्ती हजरत निजामुद्दीन स्थित गालिब एकेडमी में 17 वें महफूज उर रहमान मेमोरियल लेक्चर में पत्रकारिता का आत्मविश्लेषण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन युनाइटेड मुस्लिम आफ इंडिया और अवामी एकता कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता इस्लामी विद्वान पद्मश्री प्रो अख्तरुल वासे ने और संचालन डॉ. उमैर मंज़र ने किया। कार्यक्रम में उर्दू के वरिष्ठ पत्रकार जलालुद्दीन असलम की आपबीती औराक ए जिंदगी का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर गणमान्य व्यक्तियों में डा अबू ज़ैद, फरहीन फातमा, मतीन अमरोही, मौलान अब्दुहक फलाही, अशरफ मेवाती, मोहम्मद आरिफ इकबाल, इमरान कन्नौजी, हकीम अताउर्रहमान अजमली, डॉ अभय कुमार मिश्रा, क़ासिम रसूल इलियास, मासूम मुरादाबादी, डॉ सैयद अहमद खान आदि मौजूद थे।

इग्नू ने नए सिरे से शुरू की प्रवेश प्रक्रिया

नई दिल्ली। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) ने सोमवार को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए स्नातक, स्नातकोत्तर और अन्य कार्यक्रमों में नामांकन के लिए नए सिरे से प्रवेश प्रक्रिया शुरू की।विश्वविद्यालय ने बताया कि इग्नू में विभिन्न कार्यक्रमों के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून है। जुलाई 2023 के सभी कार्यक्रमों के लिए नए सिरे से प्रवेश की प्रक्रिया आज से शुरू हुई। आवेदन करने की अंतिम तिथि 30 जून है।

मंदिर को हटाने की कार्रवाई पर रोक से इनकार

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने 55 साल पुराने काली मंदिर को तोड़े जाने के मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसे अनधिकृत पाया गया था और इससे मायापुरी चौक पर यातायात के मुक्त प्रवाह में बाधा उत्पन्न हो रही थी। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह ने पुजारी को मंदिर से मूर्तियों और अन्य धार्मिक वस्तुओं को हटाने और उन्हें अन्य मंदिरों में रखने की अनुमति दी, जैसा कि इस मामले में धार्मिक समिति द्वारा निर्देश दिया गया था। अदालत ने कहा कि 20 मई के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ध्वस्त संबंधी गतिविधि के लिए स्वतंत्र है।

पंखे में फांसी लगा महिला ने दी जान

नई दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली के तिगरी इलाके में सोमवार को 37 वर्षीय एक महिला अपने घर में पंखे से लटकी मिली। मृतका की पहचान लक्ष्मी गुप्ता के रूप में हुई है। पीड़ित परिवार ने लक्ष्मी के पति जितेंद्र गुप्ता और उसके देवर पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक, लक्ष्मी गुप्ता के एक रिश्तेदार ने पंखे से लटकता हुआ शव देखकर पुलिस को इसकी सूचना दी। लक्ष्मी ने अपनी बाईं बांह पर लिखा था, मेरी बेटी को कोई दुख मत देना।

पूर्व प्रेमिका की तस्वीरें भेजने पर युवक गिरफ्तार

नई दिल्ली। पूर्व प्रेमिका से संबंध खत्म होने के बाद उसकी अश्लील तस्वीरें भेजने के आरोप में किशोर को गिरफ्तार किया गया है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (द्वारका) सुरेंद्र चौधरी ने कहा, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के लक्ष्मी विहार का निवासी मानस लाहौरा बीएससी इलेक्ट्रॉनिक्स प्रथम वर्ष का छात्र है। उसे दिल्ली पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि सात अप्रैल को फर्जी जी-मेल अकाउंट बनाने के संबंध में एक शिकायत प्राप्त हुई।

थप्पड़ का बदला लेने के लिए युवक की हत्या, गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

युवक की हत्या के आरोपी को दिल्ली पुलिस ने गुजरात अपराध शाखा के साथ मिलकर हत्या के आरोपी को गुजरात से धर दबोचा है।

आरोपी ने सात मई को थप्पड़ का बदला लेने के लिए युवक की हत्या कर भाग गया था। इसके बाद उसने पिता को मजदूर के नंबर से फोन कॉल की थी। सिर्फ एक कॉल करने पर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान एनएसए कॉलोनी के करण के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार वारदात छह मई को देर रात विश्वास नगर इलाके में हुई थी, जब करन ने सूरज से शराब

एक फोन कॉल से दिल्ली पुलिस ने आरोपी को गुजरात से पकड़ा

की बोतल छीनने की कोशिश। इस बात को लेकर दोनों में कहासुनी होने लगी तभी सूरज का भाई राहुल वहां आ धमका और उसने करन को कई थप्पड़ मारे। पुलिस के मुताबिक बाद में रात करीब साढ़े 11 बजे जब राहुल घर लौट रहा था तब करन ने उसपर चाकू से कई बार हमला किया। राहुल को डॉ. हेडगेवार अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

पहलवान विदेशी ओलम्पियन से जुटाएंगे समर्थन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जंतर मंतर पर विरोध प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को गिरफ्तार नहीं करने की स्थिति में विदेशों के ओलंपिक पदक विजेताओं और खिलाड़ियों से संपर्क करके अपने आंदोलन को वैश्विक मंच पर ले जाने का फैसला किया है। पहलवानों ने सोमवार को कहा कि आंदोलन को लेकर एक बड़ा फैसला 21 मई के बाद लिया जाएगा।

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता विनेश फोगाट सहित देश के चोटी के पहलवान बृजभूषण की गिरफ्तारी की

कनाट प्लेस में अपनी मांगों को लेकर मार्च करते अंतरराष्ट्रीय कुश्ती खिलाड़ी साक्षी मलिक, विनेश फोगाट व अन्य। फोटो : रंजन डिमरी

मांग को लेकर पिछले 23 दिन से जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बृजभूषण पर महिला पहलवानों का कथित रूप से यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया है। इन पहलवानों में एक नाबालिग भी शामिल है। जकार्ता एशियाई खेल 2018 की स्वर्ण पदक विजेता विनेश ने कहा, हम इस प्रदर्शन को विश्व स्तर पर ले जाएंगे। हम अन्य देशों के ओलंपियन और ओलंपिक पदक विजेताओं से संपर्क करेंगे।

पहलवानों ने कहा कि वह उन्हें पत्र लिखकर उनसे समर्थन मांगेंगे। इसके साथ ही आरोप लगाया कि रविवार की रात को कुछ लोगों ने उनके प्रदर्शन की छवि बिगाड़ने की कोशिश की। उन्होंने इसके साथ ही कहा की प्रदर्शन स्थल पर पहलवानों का पीछा किया जा रहा है। विनेश ने कहा, कुछ लोगों ने हमारे प्रदर्शन में बाधा डालने की कोशिश की। पिछली बार ऐसा तब हुआ जब हम विरोध स्थल पर बिस्तर ला रहे थे।

उन्होंने कहा, उनका पीछा किया जा रहा है। लोग रिकॉर्डिंग कर रहे हैं और तस्वीरें ले रहे हैं।

दुर्घटना संभावित इलाकों में सीसीटीवी लगाएं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी की एक निचली अदालत ने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को निर्देश दिया है कि वह दुर्घटना-संभावित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए नागरिक एजेंसी के साथ बैठक करें और उन स्थानों पर आधुनिक कैमरे लगाने के लिए गंभीर प्रयास करें। अदालत ने दिल्ली के शीर्ष पुलिस अधिकारी से उन सड़क दुर्घटनाओं की पृष्ठभूमि में यातायात प्रबंधन पर विस्तृत रिपोर्ट मांगी, जिसके परिणामस्वरूप लोगों की जान गईं और चोटें आईं।

निचली अदालत ने दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा को नागरिक एजेंसी के साथ बैठक करने को कहा

अदालत ने राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच)-आठ, रिंग रोड और धौला कुआं सहित विभिन्न दुर्घटना-संभावित क्षेत्रों का संज्ञान लिया है। मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण की पीठासीन अधिकारी शेफाली बरनाला टंडन एक निरीक्षक विपिन कुमार की उस अर्जी पर सुनवाई कर रही थीं, जिसमें एनएच-आठ, रिंग रोड और धौला कुआं में सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए नागरिक एजेंसी को निर्देश देने की मांग की गई थी।

टंडन ने आठ मई को दिए अपने आदेश में कहा, पुलिस आयुक्त, दिल्ली को एनएच-आठ, रिंग रोड, धौला कुआं आदि स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने के लिए नागरिक एजेंसी यानी एनएचएआई, पीडब्ल्यूडी, दिल्ली छावनी बोर्ड आदि के साथ बैठक कर जल्द से जल्द सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा।

आईपीसीडब्ल्यू में आवंटन में विसंगतियों का आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षकों ने इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वूमन (आईपीसीडब्ल्यू) कॉलेज में आरक्षित श्रेणी में शिक्षक पदों के आवंटन में विसंगतियों का आरोप लगाते हुए कुलपति को पत्र लिखा है।

शिक्षकों ने अरोप लगाया है कि रोस्टर में गड़बड़ी से विभिन्न विभागों में अनुसूचित जनजाति के तीन पद समाप्त हो गए।

शिक्षकों के अनुसार वर्ष 2019 में वाणिज्य विभाग में अनुसूचित जनजाति के लिए एक रिक्ति थी, जो इस वर्ष शून्य हो गई है।

तीन मेट्रो स्टेशन पर एसीएलएस सुविधाओं की संभावना तलाशें

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उच्च न्यायालय ने दिल्ली सरकार और डीएमआरसी को कश्मीरी गेट, राजीव चौक, हौज खास में तीन प्रमुख इंटरचेंज मेट्रो स्टेशनों पर उन्नत कार्डियक लाइफ सपोर्ट (एसीएलएस) सुविधाओं की स्थापना की संभावना तलाशने का निर्देश दिया है।

न्यायमूर्ति मनमोहन और न्यायमूर्ति सौरभ बनर्जी की पीठ ने दिल्ली सरकार और डीएमआरसी से सुनवाई की तारीख से पहले रिपोर्ट दाखिल करने को कहा। डीएमआरसी के वकील ने कहा कि इन तीन इंटरचेंज स्टेशन पर एसीएलएस सुविधाएं स्थापित करने के लिए जगह उपलब्ध है। पीठ ने आठ मई के अपने आदेश में कहा, बयान के मद्देनजर, डीएमआरसी और दिल्ली सरकार के वकील को तीन प्रमुख इंटरचेंज मेट्रो स्टेशन पर एसीएलएस सुविधा की स्थापना की संभावना तलाशने का निर्देश दिया जाता है।

अनजाने ऐतिहासिक स्थलों की सैर करेंगे स्कूली बच्चे

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए दिल्ली पर्यटन विभाग ने शिक्षा विभाग के सामने रखा प्रस्ताव

पर्यटन विभाग स्कूलों में छात्रों के टूर और पिकनिक के लिए करता रहा है स्कूलों की मदद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

-फाइल फोटो

केजरीवाल सरकार अब स्कूली छात्रों को राष्ट्रीय राजधानी की बेहतरीन जगहों की सैर कराएगी। इसके लिए पर्यटन विभाग जल्द ही शिक्षा विभाग से संपर्क करेगा। पर्यटन विभाग छात्रों को उन जगहों पर सैर के लिए ले जाएगा, जिनके बारे में कम ही लोगों को जानकारी है। पहले भी पर्यटन विभाग स्कूलों में छात्रों के लिए होने वाले टूर और पिकनिक के लिए स्कूलों की मदद करता रहा है।

पर्यटन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वह स्कूलों से संपर्क कर इस बात की योजना बना रहे हैं कि क्या वो छात्रों को हमारे साथ ऐसी जगहों पर घूमने के लिए भेज सकते हैं, जहां वे अभी तक नहीं गए। मसलन, मिर्जा गालिब की हवेली, मुगल समय का चोर मीनार, बिजय मंडल, राजाओं की बावली, अधम खान का मकबरा और बड़े और छोटे खान का मकबरा इत्यादि।

अधिकारी ने कहा कि मालचा महल में हान्टेड हेरिटेज वाक भी इसी प्लान का एक हिस्सा है। पर्यटन विभाग राजधानी के व्यंजनों को बढ़ावा देने के लिए गाइटेट टूर की भी व्यवस्था करेगा। देखो मेरी दिल्ली ऐप में व्यंजनों और पर्यटकों की मदद के लिए पर्यटन स्थलों के बारे में बताया है। वह लोगों को दिल्ली के व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए भी जल्द ही गाइड करेंगे।

विभाग पुरातत्व विभाग और कैब प्रदाता कंपनियों से भी संपर्क कर रही है। पर्यटन के लिहाज से दिल्ली के हॉटस्पॉट को दर्शाने वाले मैगजिनों को तरजीह दी जा रही है। इन मैग्जीनों की उपलपब्धता शहर के होटलों में सुनिश्चित किया जा रहा है।

दारा शिकोह पुस्तकालय में संग्रहालय का उद्घाटन 18 को

मुगलकालीन दारा शिकोह पुस्तकालय भवन में स्थित विभाजन संग्रहालय का 18 मई को उद्घाटन किया जाएगा। इस संग्रहालय में 1947 की त्रासदी की कहानियां और सीमा के दोनों ओर लोगों की पीड़ा और आघात का वर्णन किया गया है। ऐतिहासिक टाउन हॉल में स्थित अमृतसर के विभाजन संग्रहालय के बाद यह दूसरा ऐसा संग्रहालय होगा। इसका उद्घाटन अंतराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर होगा। दिल्ली सरकार के कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने आगामी संग्रहालय के बारे में बताते हुए कई ट्वीट किए।

भीषण गर्मी से बुरा हाल, हल्की बारिश के आसार

राजधानी में 19 तारीख तक तेज हवा के साथ बूंदा-बांदी की संभावना, गर्मी से मिलेगी मामूली राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को दिल्ली में तेज हवाओं के साथ-साथ हल्की बारिश या कुछ स्थानों पर बूंदाबांदी का पूर्वानुमान लगाया है। इससे शहर के लोगों को गर्मी से कुछ राहत मिल सकती है।

दिल्ली में सोमवार को अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 41.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस अवधि का सामान्य तापमान है। आर्द्रता का स्तर 27 से 50 प्रतिशत के बीच रहा।

आईएमडी के अनुसार, रात के समय एक या दो स्थानों पर बहुत हल्की बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। दिन में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। एक या दो स्थानों पर दोपहर या शाम को तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश भी हो सकती है। बारिश के बावजूद गर्मी से अधिक राहत नहीं मिलेगी। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमश: 41 डिग्री सेल्सियस और 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। विभाग के अनुसार, 18 मई को राष्ट्रीय राजधानी में दिन के समय तेज हवाएं चल सकती हैं, जबकि 19 मई को बहुत हल्की बारिश या तेज हवाओं के साथ गरज के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

चिंटेल्स पैराडिसो से 15 दिन में फ्लैट खाली नहीं किए तो होगी कानूनी कार्यवाही

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

यहां सेक्टर-109 स्थित चिंटेल्स पेराडिसो के टावर-ई और एफ में रह रहे लोगों को तुरंत प्रभाव से अपने फ्लैट खाली करने के संबंध में धारा 144 लागू करने के आदेश जारी किए गए हैं। आईआईटी की स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट में इन टॉवर्स को असुरक्षित बताया गया था। इसी को लेकर यह निर्णय लिया गया है। जिलाधीश के आदेशों के 15 दिनों के भीतर दोनों टावर में फ्लैट खाली करने होंगे।

जारी आदेशों में कहा गया है कि

रहने के लिए पूरी तरह से असुरक्षित हैं ये टावर

आईआईटी दिल्ली ने चिंटेल्स पेराडिसो ग्रुप हाउसिंग सोसाइटी के टावर-ई और एफ के स्ट्रक्चर ऑडिट रिपोर्ट 29 जनवरी 2023 के तहत टावर-ई और एफ को रहने के हिसाब से असुरक्षित घोषित किया है। रिपोर्ट के आधार पर डीटीपी (ई) ने 15 फरवरी को मैसर्स चिंटेल्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को इन टावर्स को खाली कराने के निर्देश दिए थे। इस संबंध में चिंटेल्स प्रबंधन ने 28

सेक्टर-109 में चिंटेल्स पैराडिसो सोसायटी।

अप्रैल 2023 को जिला प्रशासन को एक ई-मेल के माध्यम से बताया कि कुछ फ्लैट धारकों ने बार-बार प्रयास करने के बाद भी फ्लैट खाली नहीं किया है।

इसी को लेकर अब जिलाधीश ने अपनी शक्तियों का प्रयोग किया है। जिलाधीश एवं उपायुक्त निशांत कुमार यादव ने टावर-ई और एफ के निवासियों के जीवन और संपत्ति के खतरे को देखते हुए नियमों के अनुसार शेष निवासियों को तत्काल फ्लैट खाली करने के आदेश दिए हैं।

आदेशों में यह भी कहा गया है कि टावर-ई व एफ में रहने वाले निवासियों को आदेश जारी होने के 15 दिनों के भीतर अपने संबंधित परिसर को खाली करने और उसी के खाली कब्जे को मैसर्स चिंटल्स इंडिया प्राइवेट को सौंपना होगा। आदेशों की निगरानी के लिए डीटीपी (ई) गुरुग्राम को नोडल अधिकारी और ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है। आदेशों में यह भी कहा गया है कि आदेशों की पालना के लिए पुलिस बल की सहायता भी ली जा सकती है। जारी आदेशों की अवहेलना में यदि कोई दोषी पाया जाता है कि कानूनी प्रावधानों के अनुसार तहत कार्यवाही की जाएगी।

ग्राम पंचायतें अपनी इनकम बढ़ाने को करें प्रयास : मंत्री देवेंद्र बबली

बोले, गांवों में शहरों की तर्ज पर मूलभूत सुविधाएं देने को प्रत्येक गांव का ब्लू प्रिंट तैयार

पंचायत मंत्री ने गांव गुगाना में जनसभा को किया संबोधित

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कार्यक्रम में बोलते मंत्री देवेंद्र सिंह बबली।

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री देवेंद्र सिंह बबली ने कहा कि प्रदेश के प्रत्येक गांव को शहरों की तर्ज पर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरियाणा सरकार मुख्यमंत्री मनोहर लाल के नेतृत्व में पूरी पारदर्शिता व ईमानदारी के साथ काम कर रही है। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायतों से अपनी इनकम बढ़ाने का आह्वान भी किया। वे फरूखनगर खंड के गांव गुगाना में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश के हर एक गांव में पार्क, व्यायामशाला, ई लाइब्रेरी, आउटडोर जिम जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक गांव का ब्लू प्रिंट तैयार किया गया है। पंचायत मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा आज प्रदेश के सभी जिलों में बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ यह सुनिश्चित कर रही है कि गांव के विकास के लिए जो पैसा सरकार द्वारा भेजा जा रहा है वह पूरा का पूरा गांव के विकास पर खर्च हो। उन्होंने कहा कि बतौर सरपंच, ब्लॉक समिति सदस्य व जिला परिषद के सदस्य होने के नाते आप सभी की यह नैतिक जिम्मेदारी बनती है कि सरकार का जो पैसा विकास कार्यों के लिए भेजा जा रहा है वह पूरा का पूरा उसी काम में लिया जाए। उन्होंने कहा चुने हुए प्रतिनिधि एक निगरानी कमेटी बनाकर इस पूरी प्रक्रिया पर अपनी नजर रखें। उन्होंने कहा ग्रामीणों क्षेत्रो में जो भी मूलभूत आवश्यकताएं हैं उनको तय समय में उपलब्ध कराने के विजन का साथ हरियाणा सरकार एक सेवा भाव के साथ आगे बढ़ रही है।

पंचायत मंत्री ने जनसभा में फरूखनगर गोशाला से आए पदाधिकारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि हरियाणा सरकार ने इस वर्ष के बजट में गोशालाओं को मिलने वाले फण्ड में अभूतपूर्व बढ़ोतरी करते हुए इसे 50 करोड़ से बढ़ाकर 450 करोड़ रुपये किया है। उन्होंने कहा कि यह पैसा गौशालाओं के विकास कार्यों पर खर्च किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास हमारी सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। गांवों में शहरों जैसी सुविधाएं विकसित करने के लिए पीआरआई फण्ड के तहत सरकार ने पिछले वित्त वर्ष की आखरी तिमाही में 1100 करोड़ रुपये भेजे थे। इस वित्त वर्ष में ग्रामीण विकास के लिए करीब 4 हजार करोड़ से अधिक का फण्ड उपलब्ध कराया जाएगा।

इस अवसर पर गुगाना की सरपंच सुधा कुमारी, पूर्व सरपंच राजपाल चौहान, अशोक चौहान, जिला पार्षद यशपाल, ब्लॉक समिति सदस्य सीताराम शर्मा, पथरेड़ी के सरपंच अशोक, कारोला के सरपंच रोहतास, फरीदपुर के सरपंच नवल, मेहचाणा के सरपंच प्रदीप, खंडेवला के सरपंच कुलदीप, शेखपुरा माजरी की सरपंच बिल्लो रानी, पालड़ी के सरपंच सुखराम, अजीत सरपंच सहित आसपास के गांव से आए अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

कैनविन आरोग्य धाम उद्घाटन के साक्षी बने गुरुग्रामवासियों का आभार

कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल, सह-संस्थापक नवीन गोयल ने कही यह बात

गुरुग्राम। कैनविन आरोग्य धाम के उद्घाटन समारोह में हजारों की संख्या में पहुंचे, घरों में बैठकर कार्यक्रम को लाइव देख रहे लोगों का कैनविन फाउंडेशन के संस्थापक डा. डीपी गोयल व सह-संस्थापक नवीन गोयल ने आभार जताया है।

उन्होंने कहा कि कैनविन फाउंडेशन हम सबकी साझी संस्था है। सभी के प्रयासों से कैनविन आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जनता की सेहत को सुधारने के साथ सही रखने का भी हमारा प्रयास है। बीमारी के बाद उपचार तो होता ही है, ऐसे प्रयास हों कि हम बीमारियों से ही दूर रहें। इसके लिए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने भी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आह्वान किया। विशेषकर महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर उन्होंने चिंता भी जताई और स्वस्थ रहने के सुझाव दिए। महामंडलेश्वर स्वामी धर्मदेव जी ने भी अपने प्रेरणा स्रोत वचनों से गुरुग्रामवासियों को आध्यात्मिक के साथ सामाजिक ज्ञान का पाठ पढ़ाया।

डा. डीपी गोयल, नवीन गोयल।

इसी मंच से पूर्व सांसद, भाजपा संसदीय बोर्ड सदस्य एवं केंद्रीय चुनाव समिति की सदस्य डा. सुधा यादव ने कैनविन की कार्यप्रणाली को सत्यापित किया। कैनविन की टीम का हौंसला बढ़ाकर गए सभी अतिथियों का उन्होंने हृदय की गहराईयों से आभार जताया।

डा. डीपी गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिट इंडिया मुहिम को आगे बढ़ाते हुए हमें खुद को फिट रखने के लिए भी काम करना चाहिए। रोज योगा, वॉक करनी चाहिए। नवीन गोयल ने कहा कि कैनविन आरोग्य धाम के उद्घाटन कार्यक्रम में अतिथियों द्वारा कही गई बातों पर हमें अमल करना चाहिए। कैनविन का जनसेवा का उद्देश्य कभी बदलेगा नहीं। कैनविन आरोग्य धाम गुरुग्रामवासियों की सेहत सुधारने के लिए अस्तित्व में आया है।

अमेजन की #DitchtheSponge के लिए डिशवॉशर्स पर शानदार पेशकश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भला बर्तन धोना किसे अच्छा लगता है? जितना हम खाने के शोक को बढ़ाते जाते हैं, उसी अनुपात में मेनू भी बढता है, और जब मेनू बढता है तो बर्तनों की संख्या बढना स्वभाविक है और यहीं से खाने का सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हमारी रसोई में बर्तनों का ढेर लग जाता है और इनकी धुलाई हमारे लिए तनावपूर्ण और चुनौतीपूर्ण मसला बना जाता है। कितना अच्छा होगा जब कोई मशीन हमारे इस भारी और बोझिल काम को कर देगी! तकनीक के क्षेत्र में प्रगति ने हमारे जीवन को सुविधाजनक और आसान बना दिया है। अब आप परेशन न हों, पुराने जमाने के स्पंज को भूल जाएं और अमेजन की विस्तृत श्रृंखला जैसे Voltas, Bosch, IFB, Crompton, Godrej और अन्य की आधुनिक डिशवॉशर तकनीक को अपनाएं। कस्टमर लागू क्रेडिट कार्ड ईएमआई ट्रांजेक्शन पर 10 फीसद तत्काल छूट का लाभ उठा सकते हैं।

मुख्यमंत्री के सलाहकार देवेंद्र सिंह ने की सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों की समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में सीएम विंडो की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य के सलाहकार (सिंचाई एवं सीएम विंडो) देवेंद्र सिंह।

हरियाणा के मुख्यमंत्री के सलाहकार (सिंचाई एवं सीएम विंडो) देवेंद्र सिंह ने सोमवार को गुरुग्राम जिला में सीएम विंडो पर लंबित शिकायतों की समीक्षा की। उन्होंने यहां लघु सचिवालय स्थित कांफ्रेंस हॉल में आयोजित समीक्षा बैठक के एजेंडे में शामिल लंबित शिकायतों की सुनवाई की संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने समीक्षा बैठक में एजेंडे में शामिल 10 शिकायतों का सिलसिलेवार विवरण दिया।

देवेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सीएम विंडो के माध्यम के माध्यम से आने वाली शिकायतों का निपटारा करने के लिए विभागाध्यक्षों को गंभीरता से कार्य करना चाहिए। हरियाणा सरकार ने सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों के लिए एमिनेंट पर्सन भी बनाए है। ऐसे में लंबित शिकायतों के निपटारे के लिए एमिनेंट पर्सन को भी शामिल किया जाए। सीएम विंडो से जुड़ी गाइडलाइन का सभी विभागाध्यक्ष पालन करें और अपने एक्शन की रिपोटजू पोटज़्ल पर भी समय रहते अपडेट करें। उन्होंने यह भी कहा कि जिन शिकायतों से जुड़े मामले न्यायालय में भी विचाराधीन है उनकी भी रिपोर्ट उचित तरीक से की जाए। उन्होंने नगर परिषद सोहना क्षेत्र में रिहायशी इलाके के समीप पोल्ट्री फार्म से संबंधित मामले में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व स्थानीय निकाय अधिकारियों की संयुक्त टीम को साइट विजिट करने के निर्देश दिए। इसी तरह निजी रिहायशी सोसायटीज में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट्स में नियमों के उल्लंघन को लेकर एक शिकायत में डीटीपी (ई) व हाइड्रोलॉजिस्ट की टीम को मौके का मुआयना कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। उन्होंने नगर निगम गुरुग्राम, सिंचाई विभाग, जीएमडीए, एचएफडीसी, एचएसवीपी आदि से जुड़े अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करने की रिपोर्ट भी भेजने के निर्देश दिए। एडीसी हितेश कुमार मीणा ने उन्हें बताया कि जिला प्रशासन, गुरुग्राम के पास सीएम विंडो पर अब तक 8429 शिकायतें मिली हैं, जिनमें से 8080 का निपटारा कर दिया गया है। वहीं 163 शिकायतों की एटीआर पोर्टल पर अपलोड है। सीएम विंडो के स्कोर के मामले में गुरुग्राम प्रदेश में पहले स्थान पर है। उन्होंने लंबित शिकायतों का विवरण देते हुए बताया कि सभी अधिकारियों को इस संदर्भ में पहले ही निर्देश जारी कर दिए जा चुके हैं और नियमित आधार पर इन शिकायतों की मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

मांगों को लेकर सफाई कर्मी दो दिन सड़कों पर उतरेंगे

सोहना। नगर परिषद के सफाई कर्मी अपनी मांगों को लेकर बुधवार और गुरुवार को शहर में विरोध प्रदर्शन करेंगे। सफाई कर्मी सड़कों पर उतरते समय राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करेंगे। अपनी मांगों को लेकर समय-समय पर धरना, प्रदर्शन और सड़कों पर रैलियां निकालने वाले नगर परिषद सफाई कर्मी दो दिन तक विरोध प्रदर्शन का फैसला लिया।

नगर पालिका कर्मचारी संघ यूनिट प्रधान विक्रम सिंह ने राज्य सरकार पर वायदा खिलाफी का आरोप लगाते हुए मांगें पूरी न होने तक अभियान जारी रखने की बात कही है। उन्होंने बताया कि परिषद कार्यालय से लेकर नागरिक अस्पताल तक विरोध प्रदर्शन रैलियां निकाली जाएगी। रैली के दौरान काले झंडे लहराए जाने से लेकर सफाई कर्मी अपने कंधा पर काले बिल्ले भी लगा सकते है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार हर बार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करना, सफ ाई कर्मी को समय पर उपकरण उपलब्ध कराना, वेतन में से पीएफ फंड कटवाना आदि मांगें होंगी।

क्रिकेट जगत के महान खिलाड़ी, सचिन तेंदुलकर ने आजाद इंजीनियरिंग में निवेश किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूरी दुनिया में स्वच्छ ऊर्जा, एयरोस्पेस, रक्षा, तेल एवं गैस और SPS जैसे विभिन्न उद्योगों के OEMs को इंजीनियरिंग तथा टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस उपलब्ध कराने वाली अग्रणी कंपनी, आज़ाद इंजीनियरिंग ने आज इस बात को उजागर किया कि देश के महान क्रिकेट खिलाड़ी, सचिन तेंदुलकर ने कंपनी में अघोषित रणनीतिक निवेश किया है।

सचिन तेंदुलकर द्वारा किए गए इस रणनीतिक निवेश से आज़ाद इंजीनियरिंग को भारत सरकार की मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत पहल में योगदान देने के अपने संकल्प को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। सरकार द्वारा शुरू की गई इन पहलों का उद्देश्य पूरी दुनिया में भारत के कद को ऊंचा उठाना तथा भारत में मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर बदलाव लाते हुए अंतर्राष्ट्रीय मानकों को पार करना है।

इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए आजाद इंजीनियरिंग के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक, राकेश चोपदार ने कहा, ''हमें बड़ी प्रसन्नता है कि सचिन तेंदुलकर हमारे निवेशक बने हैं और वाकई यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात है। आज़ाद एक ऐसी कंपनी है जो अत्यधिक जटिल निर्माण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए इरादे पर अटल है, इसलिए हम आगे भी अपने विजन पर विशेष ध्यान देते हुए भारत के लिए विकास और इनोवेशन के ढेरों अवसर सामने लाएंगे।''आजाद इंजीनियरिंग ने बीते 10 सालों में अत्याधुनिक विनिर्माण केंद्रों, प्रोसेस इंजीनियरिंग में महारत, सप्लाई चेन में अपनी बेजोड़ काबिलियत और शानदार इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ जबरदस्त प्रगति का अनुभव किया है, और इन्हीं सुविधाओं की वजह से कंपनी अपने OEM ग्राहकों की मांगों को पूरा करने के मामले में उद्योग जगत के मानकों से कहीं आगे है।

दुनिया भर में कंपनी के बड़े ग्राहकों में बोइंग, जीई, मित्सुबिशी, सीमेंस एनर्जी, हनीवेल, ईटन, जीई एयरोस्पेस, बेकर ह्यूजेस इत्यादि शामिल हैं, जबकि एचएएल, गोदरेज, टाटा, महिंद्रा एयरोस्पेस जैसी दिग्गज कंपनियों का नाम कंपनी के घरेलू ग्राहकों की सूची में शामिल है। कंपनी को 1500 से ज्यादा विशेष कल-पुर्जों के निर्माण में महारत हासिल है, जिनका निर्यात 20 से अधिक देशों में किया जाता है। आज़ाद इंजीनियरिंग के दो नए, विशाल और अत्याधुनिक सुविधाओं वाले विनिर्माण संयंत्र दुनिया में धूम मचाने के लिए तैयार हैं, और ये दोनों ही कंपनी के मौजूदा संयंत्र से दस गुना बड़े हैं। आज़ाद इंजीनियरिंग अब सही मायने में सटीक निर्माण के लिए इनोवेटिव ग्लोबल इकोसिस्टम के बलबूते पर बेमिसाल प्रगति और विकास के अपराजेय युग के लिए तैयार है।

देर रात आई आंधी से बत्ती हुई गुल दो घंटा देरी से हुई पेयजलापूर्ति

गर्मी बढ़ने के साथ ही बिजली आपूर्ति पर कट लगने शुरू, उपभोक्ता परेशान

दिन में दो बार मिलने वाली पेयजल आपूर्ति किसी दिन तो एक बार भी नहीं मिल रही

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

रविवार की मध्यरात्रि आई तेज आंधी ने बिजली आपूर्ति को गुल कर दिया। जिससे शहर के दर्जनभर वार्डों में सोमवार को देर से पेयजल आपूर्ति हुई। इससे पहले भी तीन दिन से बिजली सप्लाई पर लग रहे भारी कट से पेयजल आपूर्ति प्रभावित हो रही थी। गर्मी ने जैसे ही पिछले करीब पांच दिन से अपने रौद्र रूप अपनाया है। वैसे ही बिजली सप्लाई पर कट लगने शुरू हो गए हैं।

पिछले पांच दिन से बिजली सप्लाई पर कट लगना शहर वासियों के लिए चर्चा का विषय बना हैं क्योंकि बिजली कब चली जाए और कब तक गुल रहेगी। इसका किसी भी बिजली उपभोक्ता को अंदाजा नहीं रहता है। बिजली के लगने वाले कटों से शहर में पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हो रही है। शहरवासियों को दिन में दो बार आने वाली पेयजल आपूर्ति किसी दिन तो एक बार भी नहीं मिल रही है। रविवार की मध्यरात्रि आई तेज आंधी ने एक बार फिर बिजली सप्लाई को बाधित कर दिया। जिसके चलते सोमवार की सुबह उपभोक्ताओं को वार्ड-5 की शिव कॉलोनी जनस्वास्थ्य विभाग का बना बूस्टर नंबर दो से पेयजल की आपूर्ति दो घंटे देरी से हुई।

कौन-कौन से वार्डों हुए प्रभावित : सोमवार को पेयजल आपूर्ति वाले बिजली वाले फीडर की केवल टूट जाने से सोमवार की सुबह शहर के वार्ड नंबर-5, 6, 7, 8, 9, 12, 13, 14, 15 और 19 में की आपूर्ति सुबह 6 बजे से न होकर दो घंटा देर 8 बजे से शुरू हुई। इसके अलावा अन्य वार्डों में पेयजल की आपूर्ति नियमित रूप से हुई।

अघोषित कटों से उपभोक्ता परेशान: बिजली सप्लाई के पिछले पांच दिन से लग रहे अघोषित बिजली कटों ने जनजीवन को हिला कर रख दिया है। गर्मी का बढ़ता प्रकोप के दौरान बिजली गुल रहने से नागरिक रात के समय में भी चैन से नहीं सो पा रहे हैं। सरोज का कहना है कि बिजली सप्लाई पर बार-बार लगने वाले कटों से इनर्वटर तक चार्ज नहीं हो पा रहे हैं। ताकि बिजली सप्लाई गुल होने पर इंवेटर से काम चला सके।

बिजली उपभोक्ताओं को सप्लाई में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। शहर में लाइन की केवल बदलने का कार्य चलने के कारण कट लगाने पड़ रहे हैं। लेकिन बहुत ही जल्द बिजली सप्लाई पहले से बेहतर बनेगी।

मुकेश कुमार
(एसडीओ बिजली निगम)

संक्षिप्त समाचार

महिला काव्य मंच गुरुग्राम इकाई ने की मासिक काव्य गोष्ठी

महिला काव्य गोष्ठी में मौजूद कविगण।

गुरुग्राम। महिला काव्य मंच गुरुग्राम इकाई ने संस्था के संस्थापक नरेश नाज के सानिध्य, ग्लोबल प्रेसिडेंट नीतू सिंह राय की अध्यक्षता व मकाम की राष्ट्रीय महासचिव शारदा मित्तल के संयोजन में काव्य गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों द्वारा मां सरस्वती को दीप प्रज्जवलन व शारदा मित्तल द्वारा मां सरस्वती की आराधना के साथ किया गया। गोष्ठी का संचालन गुरुग्राम इकाई की अध्यक्ष रश्मि छिकारा ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ नागरिक काव्य मंच की राष्ट्रीय संरक्षक वीणा अग्रवाल, मकाम सिंगापुर की अध्यक्ष चित्रा गुप्ता, फरीदाबाद से आई वरिष्ठ साहित्यकारा कमल कपूर, गुरुग्राम से वरिष्ठ साहित्यकारा मुक्ता ने शिरकत की। फरीदाबाद से आई अंजू दुआ जैमिनी, सुरेखा जैन, गुरुग्राम से शंकुतला मित्तल, आभा कुलश्रेष्ठ, स्मिता मिश्रा, राजेश्वर वशिष्ठ, राजपाल यादव, कृष्ण लता यादव, नरेंद्र शर्मा खामोश, प्रीति मिश्रा, मोनिका शर्मा, सुशीला यादव, कुसुम यादव, राजेश प्रभाकर कविता भल्ला, ईवांशी ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। सभी साहित्यकारों ने अपनी मनमोहक रचनाओं से गोष्ठी का गौरव बढ़ाया। अंत में शारदा मित्तल ने उपस्थित सभी साहित्यकारों का धन्यवाद किया।

नारायणा ई-टेक्नो स्कूल का 10वीं कक्षा का परिणाम रहा बेहतर

आदित्य सारस्वत। यज्या द्विवेदी।

गुरुग्राम। सेक्टर-77 मानेसर स्थित नारायणा ई-टेक्नो स्कूल के दसवीं कक्षा के विद्यार्थियों का परीक्षा परिणाम बेहरीन रहा है। इस परिणाम पर स्कूल के अध्यक्ष डॉ. पोंगुरु नारायणा, प्रधानाचार्या अपूर्वा खरबंदा ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रधानाचार्या अपूर्वा खरबंदा ने बताया कि हमारे स्कूल के विद्यार्थियों ने विज्ञान, आईटी और अंग्रेजी में 100/100 अंक प्राप्त किए हैं। छात्र आदित्य सारस्वत ने विज्ञान में 100 में से 100 अंक, आईटी में 100 में से 100 अंक हासिल किए हैं। आदित्य के ऑलओवर 98 प्रतिशत अंक आए हैं। छात्रा यज्या द्विवेदी ने 97.8 प्रतिशत (अंग्रेजी में 100/100), श्रेया ने 95.8 प्रतिशत, अदिति ने 95.6 प्रतिशत, यजिका ने 94.6 प्रतिशत, शुभम ने 94.2 प्रतिशत, संस्कृति ने 93.6 प्रतिशत, नक्षत्र ने 93 प्रतिशत, ज्योति ने 92.4 प्रतिशत, तुषार ने 91.8 प्रतिशत अंशिका ने 91 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। यह न केवल स्कूल के लिए बड़ी उपलब्धि है, बल्कि शिक्षकों, अभिभावकों का भी सम्मान बढ़ता है। अध्यक्ष डॉ. पोंगुरु नारायणा ने कहा कि इस परीक्षा परिणाम ने स्कूल के अनुभवी, परिश्रमी स्टाफ सदस्यों का भी मस्तक ऊंचा किया है। उनके द्वारा कराई गई पढ़ाई से बच्चों ने जो सीखा, उसका प्रतिफल यह परिणाम है। प्रधानाचार्या अपूर्वा खरबंदा ने कहा कि हम स्कूल में पढ़ाई के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करते। बच्चों का सर्वांगीण विकास करना भी स्कूल की प्राथमिकताओं में शामिल है। बच्चों के शारीरिक, मानसिक विकास के लिए खेल आदि का भी आयोजन किया जाता है। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष डा. पोंगुरु नारायणा की शिक्षाओं को दृढ़ता से लिया जाता है। उनका मार्गदर्शन सभी में सकारात्मक ऊर्जा पैदा करता है।

83 केंद्रों पर होगी एचसीएस एक्जी. व एलाइड सर्विसेज प्री-परीक्षा

हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षा को लेकर वीडियो कांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों से बात करते मुख्य सचिव संजीव कौशल।

गुरुग्राम। हरियाणा लोक सेवा आयोग (एचपीएससी) द्वारा एचसीएस (एग्जीक्यूटिव बीआर.) व अन्य एलाइड सर्विसेज के लिए आगामी 21 मई को प्रीलिम्स परीक्षा ली जाएगी। गुरुग्राम सहित प्रदेश के छह जिलों अंबाला, फरीदाबाद, करनाल, कुरुक्षेत्र व पंचकूला में दो सत्रों में यह परीक्षा आयोजित होगी। गुरुग्राम जिला में इस परीक्षा के लिए 83 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं और इन केंद्रों पर 22272 परीक्षार्थियों के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने एचपीएससी प्रीलिम्स परीक्षा की तैयारियों को लेकर सोमवार को वीडियो कांफ्रेंस से अधिकारियों की बैठक ली। उनके साथ एचपीएससी के चेयरमैन आलोक वर्मा भी वीसी के दौरान मौजूद रहे। एडीसी हितेश कुमार मीणा जोकि इस परीक्षा के लिए जिला में नोडल अधिकारी भी है, लघु सचिवालय स्थित एनआईसी के वीसी कक्ष से बैठक में शामिल हुए। मुख्य सचिव ने कहा कि एचसीएस (एक्जीक्यूटिव बीआर.) हरियाणा की प्रीमियर सर्विस है। उन्होंने बताया कि यह परीक्षा प्रातः कालीन (समय सुबह 10 से 12 बजे-जनरल स्टडीज) व सांय कालीन (दोपहर तीन से पांच बजे तक-सीएसएटी)दो सत्रों में आयोजित होगी। बैठक् में सीटीएम दर्शन यादव, परीक्षा के लिए जिला की कोऑर्डिनेटर व जिला शिक्षा अधिकारी इंदू बोकन भी उपस्थित रहे।

मुस्कान व चित्रा ने जिले में प्राप्त किया प्रथम स्थान

हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में कॉमर्स से जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा मुस्कान को मिठाई खिलाते हुए परिजन। जिले में साइंस से टॉपर छात्रा चित्रा।

सोहना। हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा आज जारी किया कक्षा 12वीं के परीक्षा परिणाम में विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल दो छात्राओं ने अलग-अलग पाठ्यक्रम में जिले के अंदर पहला स्थान प्राप्त किया। कामर्स की छात्रा मुस्कान ने 98.4 अंक प्राप्त किए है। जबकि इसी स्कूल की साइंस पाठ्यक्रम की छात्रा चित्रा ने 96.8 फीसदी अंक प्राप्त करते हुए जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुस्कान के परिजनों ने उसे मिठाई खिलाते हुए खुशी से झूम उठे हैं। सोमवार को हरियाणा शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी किया कक्षा 12वीं के परिणाम में सोहना खंड के गांव अलीपुर निवासी कॉमर्स की छात्रा मुस्कान ने जिला प्रथम स्थान प्राप्त किया। जबकि साइंस की छात्रा बादशापुर निवासी चित्रा ने 96.8 अंक प्राप्त करके जिले में पहला स्थान प्राप्त करके अपना परिवार, खंड और स्कूल का नाम रोशन किया है। दोनों ही छात्राएं गांव अलीपुर स्थित विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल की छात्राएं हैं। स्कूल के सीए मामराज डागर ने दोनों की छात्राओं के परिजनों के बीच पहुंच मिठाइयां बांटते हुए खुशी साझा की है। कामर्स में जिले के अंदर प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली मुस्कान ने बताया कि उसने दसवीं कक्षा पास करने के बाद से सीए बनने के इरादे से कामर्स पाठ्यक्रम को चुना था। उसने अपने दोनों भाइयों से प्रेरित होते हुए अच्छे अंक लेने ठान ली थी। स्कूल मालिक समेत शिक्षको दिए गए मार्ग दर्शन पर चलने से ही आज उसे यह खुशी मिली है। मुस्कान के पिता वर्तमान में गांव महेन्द्रवाड़ा के सरपंच है। माता कविता घरेलू महिला है। साइंस पाठ्यक्रम से जिला में पहला स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा चित्रा ने बताया कि प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त करते हुए बीएससी करना उसका लक्ष्य है। उसके बाद ही भविष्य को बनाना है। आज की खुशी के लिए चित्रा ने अपने परिजनों के साथ-साथ स्कूल में शिक्षक और मालिक द्वारा समय पर समय पर बढ़ाया जाने वाला हौसला को श्रेय दिया है।

रिवाजपुर में 15 महीने के लिए ही डंपिंग यार्ड बनाया जाएगा : जितेंद्र दहिया

कहा, 13 मई को गांव के मौजिज लोगों की कमेटी की सभी शंकाओं का किया गया था समाधान

बैठक को संबोधित करते निगम कमिश्नर जितेंद्र दहिया। मौजूद अन्य अधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

नगर निगम आयुक्त जितेंद्र दहिया ने बताया कि शहर से प्रतिदिन निकलने वाले करीब 800 मीट्रिक कूड़े के अस्थाई तौर पर निस्तारण के लिए चार अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। उन्होंने बताया कि रिवाजपुर गांव में बनाए जाने वाले अस्थाई डंपिंग यार्ड के लिए गांव के मौजिज लोगों की कमेटी के साथ 13 मई को मीटिंग आयोजित की गई थी। मीटिंग में अतिरिक्त उपायुक्त अपराजिता, डीसीपी सेंट्रल पूजा वशिष्ठ, डीसीपी क्राइम मुकेश मल्होत्रा, संयुक्त आयुक्त शिखा आंतिल व नगर निगम के अधिकारी मौजूद थे।

गांव रिवाजपुर से नाहर सिंह चौहान, माला चौहान, हरि दत्त, गाव नाचोली से पारस भारद्वाज, गांव टिकावली से हरी किशोर, गांव महावतपुर से कंवर सिंह सरपंच, गांव बादशाहपुर से वैभव, गांव देहा से रामकुमार यादव, गांव पलवली से रामकुमार, गांव शेरपुर से जनक, गांव ददसिया से कुलदीप त्यागी, गांव बादशाहपुर से रोहतास नागर, गांव को भूपानी से कुसुम, गांव पलवली से परमार्थि, गांव महावतपुर से रवि चौहान, गांव टिकावली से कृष्ण पाल, गांव शेरपुर से राहुल डागर, गांव महावतपुर से हेमंत, सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

उन्होंने बताया कि इस मीटिंग से पहले 11 व 12 मई को एसीपी स्तर के अधिकारियों की पुलिस व निगम के अधिकारियों की संयुक्त सात टीमें बनाकर आस-पास के गांवों में लोगों के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया था। इसके बाद ग्रामीणों की सहमति पर 13 मई को नगर निगम कार्यालय में मीटिंग का आयोजन किया गया। उन्होंने बताया कि 13 मई की मीटिंग में सभी ग्रामीणों से अनुरोध किया गया कि यह डंपिंग साईट सिर्फ 15 महीने के लिए अस्थाई तौर पर शिफ्ट की जा रही है। जब तक बंधवाड़ी में वेस्ट एनर्जी प्लांट नहीं लग जाता, जोकि एनजीटी के आदेश की पालना में एक साल के अंदर लग जाएगा और गीले कूड़े का निस्तारण सात दिन में ही कर दिया जाएगा। वेस्ट और सूखा कूड़ा छंटनी के बाद बंधवाड़ी वेस्ट एनर्जी प्लांट के लिए भेज दिया जाएगा। बंधवाड़ी का कूड़ा किसी भी रूप में रिवाजपुर नहीं आएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों को यह स्पष्ट किया गया था कि यहां सिर्फ एक जोन अर्थात 200 मीट्रिक टन ही कूड़ा आएगा। मीटिंग के दौरान गांव के निवासी व सेव फरीदाबाद फाउंडेशन के सदस्य पारस भारद्वाज ने कहा कि कूड़ा डलने से वायु व जल प्रदूषण होगा। इस पर निगमायुक्त ने बताया कि यहां प्लांट सिर्फ 15 महीने के लिए लगेगा। इस कूड़े का सही ढंग से डिस्पोजल किया जाएगा। इसके लिए पक्का प्लेटफार्म बनेगा और यहां से निकलने वाले गंदे पानी को वाटर टैंकर के जरिए एसटीपी तक ले जाया जाएगा। इस पानी को ट्रीट (शोधन) करने की व्यवस्था भी होगी। इसके साथ ही आस-पास पौधारोपण किया जाएगा और डंपिंग साईट की डबल दीवार की जाएगी। इस पर ग्रामीणों ने सहमति भी जताई थी। गांव के निवासी व कमेटी के सदस्य रोहताश ने यहां स्कूल या पार्क बनाने की मांग रखी। इस पर निगमायुक्त ने कहा कि यह जमीन गांव की भलाई के लिए है और 15 माह बाद यहां जो ग्रामीण चाहेंगे, वहीं किया जाएगा। इसके साथ ही 10 करोड़ रुपये की राशि भी उन्होंने विकास कार्यों के लिए नगर निगम की तरफ से मंजूर करने का आश्वासन दिया। इसके अलावा ग्रामीणों ने वहां मच्छरों की समस्या पैदा होने की बात कही। इस पर निगमायुक्त ने कहा कि नगर निगम फॉगिंग मशीनें खरीद रही है। इन सभी गांव में अलग से फॉगिंग मशीनें दी जाएंगी। इसके लिए ग्रामीणों व नगर निगम की एक कमेटी बनाई जाएगी। इसके बाद ग्रामीणों ने बताया कि डंपिंग यार्ड तक जाने वाली सड़क गांव के बीच से गुजरती है। इस पर निगमायुक्त ने दूसरे रास्ते के विकल्प के बारे में जानकारी मांगी। इस पर ग्रामीणों ने कहा कि गांव के साईड से दूसरा रास्ता है, अगर उस पर एक किलोमीटर की सड़क बनाई जाए तो कूड़े के डंपरों को गांव के बीच से नहीं आना पड़ेगा। इस पर निगमायुक्त ने कहा कि इसी रास्ते को बनाकर डंपिंग यार्ड के डंपरों के लिए प्रयोग किया जाएगा। गांव के बीच से कोई भी ट्रक नहीं गुजरेगा। इसके साथ ही आस-पास के तीन किलोमीटर में पड़ने वाले प्रत्येक गांव में दो करोड़ रुपये के विकास कार्य भी करवाने के लिए निगमायुक्त ने सहमति दी।

पंच प्रण 2047 के विकसित भारत के प्रमुख स्तंभ : गुर्जर

फरीदाबाद। नेहरू युवा केंद्र फरीदाबाद द्वारा जज्बा फाउंडेशन के सहयोग से आजादी के अमृत महोत्सव श्रृंखला के तहत प्रधानमंत्री द्वारा दिए अमृत काल के पंच प्रण की 2047 के भारत की संकल्पना पर आधारित युवा उत्सव कार्यक्रम का आयोजन राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नेहरू युवा केंद्र की जिला युवा अधिकारी प्रियंका मालिक द्वारा की गई। वहीं कार्यक्रम में मुख्य रूप एसडीएम परमजीत सिंह चहल व खेड़ी गुजरान महाविद्यालय की प्राचार्य सुनीता मालिक का सहयोग रहा। इस अवसर पर प्रियंका मालिक ने बताया कि कार्यक्रम में पंच प्रण पर आधरित भाषण, काव्य लेखन, पेंटिंग, मोबाइल फोटोग्राफी, सामूहिक लोक नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके साथ-साथ जिला रेडक्रॉस सोसाइटी, कृषि विज्ञान केंद्र, पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट व स्टार्ट-अप इन्क्यूबेशन सेंटर सहित अन्य विभागों द्वारा स्टाल लगाकर विभागों से जुड़ी जानकारी सांझा की गई व सभी अतिथिगण, आगंतुकों और प्रतिभागियों ने उत्पादों की खरीदारी भी की।

कृष्णपाल गुर्जर ने बताया कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए अमृत काल के पंच प्रण हो भारत को आगामी 25 सालों में नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं। जिस प्रकार से हमारी शक्ति बढ़ रही है, आज पूरा विश्व भारत की ओर बड़ी उम्मीद से देख रहा है। अब आने वाले दो दशक में हम विश्व की सबसे बड़ी शक्ति बनने की ओर अग्रसर है। साथ ही उन्होंने नेहरू युवा केंद्र फरीदाबाद को बधाई देते हुए कहा कि केंद्र युवाओं के सर्वांगीण विकास में अपनी अहम भूमिका अदा कर रहा है। जज्बा फाउंडेशन के चेयरमैन हिमांशु भट्ट ने बताया कि जिला युवा उत्सव 2023 के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें 200 युवा प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर सुजाता, काव्य लेखन में प्रथम स्थान पर किरपान, चित्रकला में प्रथम स्थान पर रोहित नागर, फोटोग्राफी में कोमल एवं सामूहिक नृत्य में प्रथम स्थान पर राजकीय महाविद्यालय खेड़ी गुजरान की टीम रही।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को हर क्षेत्र में बेहतर बनाना ही मुख्य लक्ष्य

पलवल। नीति आयोग द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में एनजीएफ डिग्री कॉलेज के विद्यार्थियों का परचम लहराया। दिल्ली एनसीआर के सभी स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिता, जो वायु प्रदूषण और मिशन लाइफ पर आधारित थी, सभी स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। जिसमें शहर के एनजीएफ डिग्री कॉलेज का प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा। जिसमें वायु प्रदूषण पर छात्र शुभम ने अच्छा प्रदर्शन कर प्रथम स्थान प्राप्त किया भावना ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। रागिनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा मिशन लाइफ थीम पर आधारित प्रतियोगिता में भोजराज ने बहुत ही सुंदर चित्रकारी कर सभी दर्शकों का मन मोह लिया और प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा टीना बीए की छात्रा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा मोनिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कॉलेज में विद्यार्थियों को शैक्षणिक गतिविधियां के अलावा अन्य रचनात्मक प्रतियोगिताओं में आगे बढ़ाना ही मुख्य लक्ष्य होता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता राघवेंद्र राय चेयरपर्सन हरियाणा राज्य एयर पोलूशन कंट्रोल बोर्ड ने की। मुख्य अतिथि के रूप में चेयरपर्सन एमएम कुट्टी कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट उपस्थित थे। दिल्ली एनसीआर के सभी उद्यमियों ने विद्यार्थियों को बहुत शुभकामनाएं दी तथा विद्यार्थियों को बधाई दी।

संसार में ईश्वर का दूसरा स्वरूप है मां : राजीव जेटली

फरीदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली ने कहा कि संसार में मां ईश्वर का दूसरा स्वरूप है। हर मां अपने बच्चों को अपनी जान से ज्यादा प्यार करती है और मां ही बच्चे की सबसे अच्छी दोस्त व उसकी हमदर्द होती है। हमें हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि हर बच्चे के लिए उनके माता-पिता न केवल आदर्श होते हैं, बल्कि उनकी शक्ति भी होते हैं। राजीव जेटली मदर्स डे पर सेक्टर-9-10 डिवाइडिंग रोड स्थित हाई होप्स प्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विशेष तौर पर उद्योगपति संजय शर्मा, मॉडल व अभिनेत्री ईशा मदान, स्वावलंबन ट्रस्ट की संचालिका मेघना श्रीवास्तव, शत्रुघ्न सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी अतिथियों का स्कूल की प्रिंसिपल ऋचा मेहता ने स्वागत किया। राजीव जेटली ने मातृ दिवस पर कार्यक्रम में शामिल हुई माताओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया, ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे और हमारी आने वाले पीढ़ी स्वस्थ्य जीवन यापन कर पाए। इस दौरान स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिन्हें उपस्थितजनों ने खूब सराहा। इसके उपरांत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में उनकी उपलब्धि के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिए गए। स्कूल की प्रिंसिपल ऋचा मेहता ने मडर्स डे पर आयोजित कार्यक्रम में शिरकत करने वाले सभी लोगों का आभार जताया और बच्चों की प्रस्तुति के लिए उनकी जमकर प्रशंसा की।

इतिहास विभाग द्वारा एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

फरीदाबाद। अग्रवाल महाविद्यालय बल्लभगढ़ के इतिहास विभाग द्वारा भारतीय समाज में समग्र संस्कृति की ऐतिहासिकता विषय पर एक-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन प्राचार्य डॉ. कृष्णकांत गुप्ता के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इस संगोष्ठी को निदेशक उच्च शिक्षा हरियाणा द्वारा अनुमोदित किया गया था। कार्यक्रम का प्रारंभ दीपशिखा प्रज्ज्वलन एवं पौधा भेंटकर अतिथियों के सत्कार के साथ हुआ। प्राचार्य कहा कि यह संगोष्ठी एक मंच प्रदान करेगी और इतिहासविदों, शोधकर्ताओं व छात्रों के बीच बातचीत समक्ष करेगी। संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की महत्वता और चुनौतियों पर गंभीर मंथन व चिंतन कर इसके विभिन्न पक्षों व धाराओं पर चर्चा कर भविष्य में आने वाली बाधाओं से सुरक्षित करना रहा। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय इतिहास विभाग से सेवानिवृत्त प्रोफेसर केएल टूटेजा रहे। उन्होंने कहा कि समकालीन समय में इतिहास, भारतीय संस्कृति की प्रासंगिकता और हमें इतिहास का अध्ययन क्यों और कैसे करना चाहिए। वीज वक्ता डॉ. प्रियतोष शर्मा, अध्यक्ष इतिहास विभाग पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ ने ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने हिंदुस्तान के निर्माण में सामाजिक-सांस्कृतिक प्रतिमान एक अवलोकन विषय पर ऑनलाइन मोड में बात की। जिसमें उन्होंने ऐतिहासिक कालखंडों और हर चीज पर सवाल उठाने के विचार का पता लगाया और यह भी कहा कि ईश्वर की अंतिमता तय नहीं थी। मंच संचालन संगोष्ठी की आयोजन सचिव डॉ. सुप्रिया ढांडा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रीय गान के साथ हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में संगोष्ठी के सहायक संयोजक डॉ. रामचंद्र, डॉ. नरेश कामरा, पूजा, सुभाष व लवकेश का विशेष योगदान रहा। सम्मेलन में लगभग 97 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एचपीएससी के 89 और यूपीएससी के 59 बनाए गए हैं परीक्षा केंद

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि फरीदाबाद में आयोजित होने वाली संघ लोक सेवा आयोग और हरियाणा लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं की तैयारियों को लेकर प्रशासन व पुलिस मुस्तैद रहे। उन्होंने परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए आयोजन के लिए फरीदाबाद और गुरुग्राम के तथा एचपीएससी के लिए फरीदाबाद सहित अन्य छह जिलों के डीसी और संबंधित अधिकारियों को परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए टिप्स देकर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार दिशा निर्देश भी दिए। डीसी विक्रम सिंह ने फरीदाबाद जिला के परीक्षा केंद्रों में तैयारियों की जानकारी देते हुए बताया कि जिला में एचपीएससी के 89 और यूपीएससी के 59 बनाए परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। डीसी विक्रम ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि यह काफी संवेदनशील कार्य है।

नेहरू कॉलेज के छात्रों ने प्रशिक्षण में सीखा डाटा संग्रह

फरीदाबाद। नेहरू कॉलेज के समाजशास्त्र के छात्रों ने राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में भाग लिया। प्राचार्य डॉ. एमके गुप्ता के निर्देशन में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन समाजशास्त्र विभाग एवं प्रथम फाउंडेशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। जिला स्तर पर समाजशास्त्र विभाग के छात्रों ने प्राथमिक डेटा संग्रह में उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्हें प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुए। पूरी गतिविधि समाजशास्त्र विभाग के डॉ. अंशु भट्ट और संजीव कुमार संकाय सदस्य की देखरेख में आयोजित की गई थी।

सीट अलाट न करने के विवाद पर वकीलों ने की हड़ताल शुरू

बल्लभगढ़ लघु सचिवालय पर प्रदर्शन करते वकील व अर्जीनवीस।

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

बल्लभगढ़ बार में वकीलों ने सीट अलाट न होने के विवाद के चलते हड़ताल शुरू कर दी है। उनके मुताबिक बल्लभगढ़ के नवनिर्मित लघु सचिवालय में पुरानी तहसील कार्यालय को खत्म करने के बाद वहां बैठे हुए पुराने वकीलों और वासिका नवीस को नए निर्मित लघु सचिवालय में बैठने के लिए जगह दी गई थी। लेकिन देर शाम सभी वकीलों और वासिका नविस को दी गई जगह पर बने हुए टीन शेड को तोड़ दिया।

बल्लभगढ़ बार के प्रधान कुलदीप रावत ने बताया कि हमें सीट अलाट की गई थी। जहां एक महीना काम करते हुए हो गया। हमारे कुछ वकील साथी रह गए थे। उन्होंने अलग से यहां सीट डाल दी। जिनके करण हमें बिना सूचना दिए सीट तोड़ दी गई। सवाल है कि जब हमें पहले सीट अलॉट की गई थी और अब क्यों तोड़ दी गई। हमारे लाख रुपए बर्बाद हो गए, हमें नहीं पता कि हमारी सीटें क्यों तोड़ी गई हैं। बार के पूर्व प्रधान सवर्ण सिंह ने बताया कि प्रशासन के माध्यम से ये जगह अलाट की थी। प्रशासन की तरफ से 47 सीटें दी गई थी। लेकिन जो वकील पुराने समय से बल्लभगढ़ तहसील में बैठे थे, उन्हें सीटें नहीं मिल पाई। जबकि आधी सीटें नए वकीलों को दे दी गई। बताया जा रहा है कि बाद में कुछ नए वकीलों ने गलत तरीके से जगह कब्जाते हुए अपने शेड डाल दिए थे। यही विवाद का कारण बना। जिसके बाद प्रशासन हरकत में आया और देर रात सभी शेड को तोड़ दिया गया। इसके बाद वकील और वासिकानवीस ने रोष प्रकट करते हुए कार्यालय के बाहर धरने पर बैठ गए हैं। हालांकि प्रशासन की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है।

संसार में ईश्वर का दूसरा स्वरूप है मां

फरीदाबाद। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता राजीव जेटली ने कहा कि संसार में मां ईश्वर का दूसरा स्वरूप है। हर मां अपने बच्चों को अपनी जान से ज्यादा प्यार करती है और मां ही बच्चे की सबसे अच्छी दोस्त व उसकी हमदर्द होती है। हमें हमेशा अपने माता-पिता का सम्मान करना चाहिए, क्योंकि हर बच्चे के लिए उनके माता-पिता न केवल आदर्श होते हैं, बल्कि उनकी शक्ति भी होते हैं। राजीव जेटली मदर्स डे पर सेक्टर-9-10 डिवाइडिंग रोड स्थित हाई होप्स प्री स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे।

कार्यक्रम में विशेष तौर पर उद्योगपति संजय शर्मा, मॉडल व अभिनेत्री ईशा मदान, स्वावलंबन ट्रस्ट की संचालिका मेघना श्रीवास्तव, शत्रुघ्न सिंह आदि मौजूद थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर सभी अतिथियों का स्कूल की प्रिंसिपल ऋचा मेहता ने स्वागत किया। राजीव जेटली ने मातृ दिवस पर कार्यक्रम में शामिल हुई माताओं से अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया, ताकि हमारा पर्यावरण शुद्ध रहे और हमारी आने वाले पीढ़ी स्वस्थ्य जीवन यापन कर पाए। इस दौरान स्कूल के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिन्हें उपस्थितजनों ने खूब सराहा। इसके उपरांत बच्चों को विभिन्न गतिविधियों में उनकी उपलब्धि के लिए पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी दिए गए।

नगर पालिका कर्मियों ने मांगों को लेकर किया प्रदर्शन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कहा, 17-18 मई को सभी विधायकों, सांसदों एवं मंत्रियों के घरों पर सुबह जाकर थाली व ताली बजाकर कुंभकर्णी नींद से जगाने का काम करेंगे

नगरपालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए सरकार को कर्मचारी विरोधी बताते हुए 29 अक्टूबर 2022 व 5 अप्रैल 2023 के समझौतों में मानी गई मांगों को लागू न करने का भी आरोप लगाया। सरकार की वादाखिलाफी से कर्मचारी 17-18 मई को सभी विधायकों सांसदों एवं मंत्रियों के घरों पर सुबह जाकर थाली व ताली बजाकर कुंभकरण की नींद से जगाने का काम करेंगे।

शास्त्री ने निगम प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा हरियाणा सरकार के आदेशों के बाद भी सफाई कर्मचारियों व सीवरमैनों को नियमित भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नियमित नियुक्ति करने, वर्दी देने, एलटीसी देने, हरियाणा कौशल रोजगार निगम पर कर्मचारियों के अनुभव दर्ज करने की मांग को लेकर नगर निगम कर्मचारियों ने जिला सचिव नानक चंद खेरालिया की अध्यक्षता में बैठक कर प्रदर्शन किया। संचालन कृष्ण चंडालिया ने किया।

संघ के राज्य प्रधान नरेश कुमार शास्त्री व जिला प्रधान दलीप बोहत, सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान गुरचरण खांडिया ने कहा कि निगम प्रशासन कर्मचारियों की मांगों को लेकर गंभीर नहीं। सरकार छह जनवरी को रिक्त पदों पर नियमित भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अनुबंधित सफाई कर्मचारी एवं सीवरमैनों को भर्ती करने का पत्र जारी कर दिया था, लेकिन निगम अधिकारी सरकार के आदेशों को लागू न करके कर्मचारियों को आंदोलन के लिए भड़का रहे हैं। निगमायुक्त से तीन दौर की हुई वार्ताओं में मांगों पर सहमति बन चुकी है, लेकिन आज तक इन मांगों का समाधान निगम प्रशासन द्वारा नहीं किया गया है।

एमवीएन में स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के योगदान पर चर्चा

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

एमवीएन विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि डॉक्टर रंजीत बर्शिकर, सीईओ क्यूबीडी इंटरनेशनल, यूनाइटेड नेशंस एडवाइजर, जेनेवा, डॉक्टर राहुल तनेजा, वैज्ञानिक डायरेक्टरेट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, पंचकुला, डॉक्टर राजीव रतन, प्रोफेसर और रजिस्ट्रार एमवीएन विश्वविद्यालय, डॉक्टर सचिन गुप्ता, डीन एकेडमिक और डीन रिसर्च, एमवीएन विश्वद्यालय रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उपकुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन ने दीप जलाकर किया। रंजीत बर्शिकर ने स्वास्थ्य क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वता पर प्रकाश डाला। डॉक्टर राहुल तनेजा ने पेटेंट, कॉपीराइट और ट्रेडमार्क की प्रकिया के बारे में अवगत कराया। डॉक्टर राजीव रतन ने स्वास्थ्य क्षेत्र में प्रौद्योगिकी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आधुनिक प्रौद्योगिकी के कारण आयु संभाविता में बढ़ोतरी हुई है। डॉक्टर सचिन गुप्ता ने भी आज के समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते हुए महत्व पर ध्यान केंद्रित किया। बताया कि किस प्रकार प्रौद्योगिकी की स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वता बढ़ती जा रही है। फार्मेसी विभाग के डीन डॉक्टर तरुण विरमानी ने कहा कि इस दिवस की आरंभ 1998 में भूतपूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपई द्वारा वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, प्रौद्योगिकीविदों को सम्मानित करने के लिए की गई थी। उन्होंने बताया कि हर बार इस दिवस की एक मुख्य थीम रहती है और इस बार की थीम स्कूल टू स्टार्टअप्स इग्नाइटिंग यंग माइंड्स टू इनोवेट है। इसके अनुसार विधार्थियों को स्कूल स्तर से ही कुछ नया करने के लिए प्रेरित करना चाहिए, ताकि बड़े होकर वे देश की तरक्की में अपना योगदान दे सकें। इस दौरान विधार्थियों को कुछ नए सुझाव देने के लिए प्रेरित करने के लिए हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी हेकेथन, हेल्थकेयर टेक्नोलॉजी एक्सपो और ओरल प्रेजेंटेशन प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया व प्रथम, द्वितीय, और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए इनाम दिए गए। विश्वविद्यालय के प्रबंधक संचालक कांता शर्मा, अध्यक्ष वरुण शर्मा, कुलाधिपति संतोष शर्मा, कुलपति डॉक्टर अरुण गर्ग, उपकुलपति डॉक्टर एनपी सिंह, कुलसचिव डॉक्टर राजीव रतन ने इसकी सराहना की।

गरीब व जरूरतमंदों के लिए वरदान से कम नहीं नि:शुल्क जांच शिविर

फरीदाबाद। गोल्डन वे पीस फाउंडेशन सौजन्य एवं भाटिया सेवक समाज के संयोजन में एसी नगर के आदर्श भवन में विशाल नि:शुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद आपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर में आए अनेक मरीजों के नेत्रों की जांच की गई और जिन्हें मोतियाबिंद था, उन्हें चिन्हित किया गया। जिनके आप्रेशन आने वाले समय में किए जाएंगे। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में फरीदाबाद युवा कांग्रेस के जिलाध्यक्ष नितिन सिंगला ने शिरकत करके आयोजन की प्रशंसा की। सिंगला ने कहा कि इस प्रकार के नि:शुल्क जांच शिविर गरीब व जरूरतमंद लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होते। जो लोग साधनों के अभाव में अपनी आंखों की जांच अथवा मोतियाबिंद के आप्रेशन नहीं करवा पाते, उन्हें यहां आकर नि:शुल्क आप्रेशन व जांच करवाने का अवसर मिलता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए गोल्डन वे पीस फाउंडेशन व भाटिया सेवक समाज की भी जमकर तारीफ की।

मानव रचना के साहित्यिक उत्सव में एनसीआर के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

फरीदाबाद। मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज स्थित मंडाला ऑडिटोरियम में अंग्रेजी विभाग व मीडिया अध्ययन और मानविकी संकाय की ओर से तीन दिवसीय वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय साहित्यिक उत्सव लिट दीया 2023 हुआ। इस वार्षिक कार्यक्रम के जरिए छात्रों को साहित्य की शैक्षिक, मनोरंजक और कौशल कलाओं से रूबरू कराया गया।

कार्यक्रम का आयोजन एफएमईएच निदेशक व अंग्रेजी विभाग की एचओडी डॉ. शिवानी वशिष्ठ और एफएमईएच डीन डॉ. मैथिली की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सभी अतिथियों ने दीप जलाकर की। इसके बाद में बीए (ऑनर्स) अंग्रेजी की छात्रा मनप्रीत कौर ने गणेश वंदना पेश की। डॉ. शिवानी वशिष्ठ ने सभी अतिथियों और छात्रों का फेस्टिवल में स्वागत किया। वहीं डॉ. मैथिली ने साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 2022 जीतने वाले मिहिर वत्स को सम्मानित किया।

इस दौरान ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, लिंग्याज, एमिटी यूनिवर्सिटी, केएम पब्लिक स्कूल, मानव रचना स्कूल सहित कई संस्थानों ने भाग लिया। मौके पर छात्रों के लिए स्पेलेथॉन, कविता पाठ, पेंटिंग, ट्रेजर हंट, लिट दीया आइकॉन और फैशन शो आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें छात्रों ने खूब प्रतिभा दिखाई। जिसमें बतौर पैनलिस्ट गुरु गोविंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय दिल्ली से प्रो. विवेक सचदेवा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से डॉ. नंदिनी साहू, देशबंधु कॉलेज डीयू से प्रो. कृष्णन उन्नी पी व पूर्व यूजीसी एमेरिटस फेलो जेएनयू प्रो. हरीश नारंग ने विचार रखे।

कर्नाटक परिणाम

क्षेत्रीय नेतृत्व महत्वपूर्ण

कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की विजय हुई है, पर इसका 2024 के आम चुनाव पर प्रभाव पड़ने की आशा नहीं है। कर्नाटक में भाजपा की पराजय से महत्वपूर्ण सबक यही मिलता है कि विधानसभा चुनावों में मजबूत राज्य नेतृत्व बहुत जरूरी है। हालांकि, भाजपा ने अतीत में बिना मुख्यमंत्री के चेहरे के भी चुनाव जीते हैं, पर इसका यह अर्थ नहीं कि हर बार ऐसा हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृह मंत्री की विजेता जोड़ी ने व्यापक स्तर पर कर्नाटक में चुनाव प्रचार किया, लेकिन मोदी-शाह व अन्य केन्द्रीय नेताओं का चुनाव प्रचार केवल सहायक भूमिका अदा करता है। इससे भी महत्वपूर्ण बात है कि भाजपा विभिन्न राज्यों में अपने राज्य नेतृत्व की संरचना भी लगातार बदलने का प्रयास करती रहती है, ताकि नेतृत्व में नए लोगों को अवसर मिले। भाजपा ने अपने सबसे कद्दावर नेता बी.एस. येदियुरप्पा को इसीलिए पद छोड़ने के लिए तैयार किया जो प्रदेश में भाजपा के उभार के लिए जिम्मेदार थे। येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय से हैं जिसकी जनसंख्या राज्य में लगभग 17 प्रतिशत है और वे हमेशा से भाजपा के पक्ष में झुके रहे हैं। लिंगायत समाज के कुछ नेता टिकट न मिलने से नाराज थे जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टर तथा पूर्व उप-मुख्यमंत्री लक्ष्मण सावदी शामिल हैं। शेट्टर विद्रोह कर कांग्रेस में शामिल हो गए। हालांकि, वे चुनाव हार गए, पर शायद इस घटनाक्रम को लिंगायत समुदाय ने पसंद नहीं किया। कहा जाता है कि इस समुदाय का 78 विधानसभा क्षेत्रों में अच्छा प्रभाव है जिनमें से कांग्रेस को 54 पर विजय मिली है।

कर्नाटक चुनाव में अपनाई गई रणनीति का भी गहन विश्लेषण करने की जरूरत है जिसमें हिंदुत्व व पिछड़े वर्गों का आरक्षण शामिल हैं। कहा जाता है कि कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बासवराज बोम्मई ने 'हिंदुत्व' पहचान मजबूत करने के लिए हिजाब, हलाल मीट, लव जिहाद, भूमि जिहाद, आदि मुद्दों पर ज्यादा जोर दिया। भाजपा को लगा था कि कांग्रेस द्वारा अपने घोषणापत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध का मुद्दा उसके लिए सहायक सिद्ध होगा, पर शायद यह इतना सफल नहीं हुआ। यह तथ्य भी महत्वपूर्ण है कि 'भावनात्मक मुद्दों' के साथ ही सुशासन भी चुनाव जिताने के लिए जरूरी है। कर्नाटक की भाजपा सरकार को केवल साढ़े तीन साल काम करने का समय मिला जिसमें से दो साल से अधिक समय उसे कोरोनावायरस वैश्विक महामारी व उसके दुष्प्रभावों से निपटने में लगा। हालांकि, भाजपा सरकार ने विकास के अनेक काम किए, पर वह शायद मतदाताओं तक इनका समुचित प्रचार नहीं कर पाई। कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे जिनका समुचित जवाब वह जनता के बीच आकर नहीं दे पाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जनता को याद दिलाया कि कांग्रेस राज में जब एक रुपया केन्द्र से खर्च होता था तो उसका केवल 15 पैसा ही जनता के पास पहुंचता था, पर शायद यह जनता को भाजपा के पक्ष में लामबंद करने के लिए काफी नहीं सिद्ध हुआ। हालांकि, कर्नाटक चुनाव के सबक कांग्रेस समेत अन्य पार्टियों के लिए भी हैं। 'आलाकमान संस्कृति', बड़बोले बयान, बेलगाम लोकरंजकता तथा सामाजिक न्याय के नाम पर विभाजन न केवल पार्टियों व उनके नेताओं, बल्कि पूरे देश के लिए हानिकारक हो सकता है। भाजपा-विरोधी कर्नाटक में भाजपा की पराजय से बहुत प्रसन्न हैं, पर इससे मोदी सरकार पर ज्यादा असर पड़ने वाला नहीं है। एक राज्य में पराजय से भाजपा की चुनाव मशीनरी पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। उम्मीद है कि भाजपा कर्नाटक पराजय से सबक लेकर अपने संगठन व रणनीति में उपयुक्त परिवर्तन करेगी। अब सबकी नजरें कर्नाटक सरकार के कामकाज पर रहेंगी। मजबूत विपक्ष के रूप में भाजपा अपनी भूमिका अच्छी तरह निभाएगी।

पाकिस्तान के समक्ष अनेक चुनौतियां

सेना से इमरान खान का टकराव उनके राजनीतिक कॅरियर व जीवन पर खतरा है। वैसे भी पाकिस्तान के समक्ष अनेक चुनौतियां मौजूद हैं।

केएस तोमर
(लेखक, राजनीति विश्लेषक हैं।)

पाकिस्तान अनेक स्तरों पर टकरावों का सामना कर रहा है। इसमें सर्वोच्च न्यायालय व राष्ट्रपति के स्तर पर चुनौतियों के साथ ही आरिफ अलवी बनाम शहबाज शरीफ सरकार तथा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का शक्तिशाली सेना के साथ टकराव शामिल हैं। इसके कारण गृहयुद्ध जैसी स्थितियां बनी हैं जिनसे आपातकाल या सेना द्वारा सत्ता पर कब्जे जैसी हालत बन सकती है। पाकिस्तान अराजकता और गृहयुद्ध जैसी स्थितियों की ओर बढ़ रहा है जिसका कारण पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान व सेना के बीच टकराव है, जबकि सेना अधिकारियों को आदेश देने तथा उनको बनाने या बिगाड़ने की क्षमता के कारण देश में किसी राजनेता या सरकार का भविष्य तय करती है। इमरान के समर्थक तोड़फोड़ पर आमादा हो गए और पुलिस कुछ नहीं कर सकी। इससे सेना को सामने आ कर हिंसा पर नियंत्रण के कदम उठाने पड़े। ऐसे में सवाल है कि भारत पर इस घटनाक्रम का क्या प्रभाव पड़ेगा? पाकिस्तान में वर्तमान उथलपुथल भारत पर अत्यधिक प्रभाव डालती है क्योंकि इससे उन आतंकवादी समूहों को शह मिलती है जिनको शरीफ सरकार व सेना ने शरण दे रखी है। पाकिस्तान में अराजकता से कश्मीर और चीन में आतंकी गतिविधियों को बढ़ावा मिल सकता है जिससे वे भारत को नुकसान पहुंचाने के लिए इस स्थिति का प्रयोग करने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

सेना ऐसी स्थिति में अपनी खोई हुई गरिमा वापस लाने का प्रयास कर सकती है। पाकिस्तान के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब इमरान खान ने सेना के अधिकार को चुनौती दी है। इससे उनका राजनीतिक कॅरियर समाप्त होने के साथ ही उनके जीवन पर भी खतरा मंडरा रहा है। सेना प्रमुख असीम मुनीर सुरक्षित ढंग से काम कर रहे हैं, हालांकि वर्तमान प्रधानमंत्री को सेना का पूरा समर्थन मिला है। सिविल प्रशासन विफल रहने पर सेना को बुलाया जा सकता है। सेना आतंकी हमलों का भी सामना कर रही है जो बढ़ गए हैं और जनता स्वयं को असुरक्षित मान रही है। यह एक तथ्य है कि आतंकी हमलों के कारण जनता में सेना के प्रति विश्वास भी घट रहा है। सेना पर इमरान खान का हमला निर्णय की गलती है क्योंकि भविष्य में उनको अनेक प्रकार की बदले की कार्रवाइयों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसी कार्रवाइयों में शहबाज शरीफ सरकार को पृष्ठभूमि में रखा जा सकता है। इमरान खान ने आईएसआई पर भी हमला बोला है जो आंतरिक सुरक्षा की जिम्मेदार है तथा वह अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों को कुचलने के लिए भी कुख्यात है।

इमरान खान ने शक्तिशाली सेना का महत्व कम आंक कर भयानक राजनीतिक गलती की है। इमरान ने आरोप लगाया कि सेना उनकी हत्या की योजना बना रही है। उनकी इस बयानबाजी के कारण ही सेना के निर्देश पर अदालत से इमरान को गिरफ्तार करने के लिए बड़ी संख्या में रेजर्स ने हमला बोला, जबकि उन पर जमीनों के अवैध लेनदेन में अरबों डालर कमाने और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। भ्रष्टाचार-विरोधी संस्था, राष्ट्रीय जवाबदेही ने इमरान खान को रेजर्स की मदद से गिरफ्तार कराया। इसके कारण इमरान खान की पार्टी तहरीके इन्साफ पार्टी-पीटीआई के समर्थकों ने भारी हिंसा की। देश के कई भागों में कई दिन तक तोड़फोड़ की घटनायें जारी रहीं। इन घटनाओं के कारण इमरान खान का भविष्य पूर्णत: अनिश्चित हो गया है। विश्लेषकों का मानना है कि सेना इमरान के राजनीतिक कॅरियर को खतरे में डाल सकती है और इसके लिए आम चुनावों के समय उनके खिलाफ सुनवाई कर उनको जेल में डाला जा सकता है। इस कारण इमरान खान की हालत नवाज शरीफ जैसी हो सकती है। इससे उनकी पार्टी तहरीके इन्साफ पार्टी-पीटीआई में खाली स्थान पैदा होगा जिसे भरने के लिए नए नेतृत्व की आवश्यकता होगी। ऐसा लगता है कि शहबाज शरीफ इमरान खान की बढ़ती लोकप्रियता से परेशान हैं। इमरान को सेना की सहायता से पिछले साल प्रधानमंत्री के पद से हटाया गया था। इमरान खान यह भूल गए कि पाकिस्तान में सेना ही सत्ता का संचालन करती है। इसके बावजूद उन्होंने सेना अधिकारियों व आईएसआई की निन्दा करने की हिम्मत की। ये शक्तियां संसद के चुनाव में उनकी पराजय और बाद में उनकी हत्या का षडयंत्र कर सकती हैं।

इमरान खान ने अमेरिका पर भी आरोप लगाया कि वह उनसे सत्ता छीनने में शहबाज की सहायता कर रहा था। उन्होंने सेना को भी यह कह कर नाराज कर दिया कि वह अमेरिकी प्रशासन से संपर्क में है। इमरान खान सेना की ही 'निर्मिति' हैं और पूर्व सेना प्रमुख कमर जावेद बाजवा ने उनको प्रधानमंत्री बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री बाजवा के खिलाफ हो गए और उन्होंने सेना की पदोन्नतियों में हस्तक्षेप का प्रयास किया। यह सेना को अस्वीकार्य था और इसी कारण उनको प्रधानमंत्री पद से हाथ धोने पड़े। इमरान खान ने पंजाब में चुनाव कराने की मांग की थी और सर्वोच्च न्यायालय ने चुनाव के लिए 15 मई की तारीख भी तय कर दी थी, पर शहबाज सरकार ने यह फैसला मानने से इनकार कर दिया जिससे खुले टकराव की स्थिति बनी। इमरान खान लगभग 100 मुकदमों का सामना कर रहे हैं। इनमें तोशाखाना से करोड़ों रुपये के महंगे उपहार हड़पने के साथ ही अगस्त, 2022 में दर्ज एक और मामला शामिल है। इसके अलावा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने 21 अक्टूबर, 2022 को भ्रष्ट व्यवहारों के आरोप में चुनाव लड़ने के अयोग्य ठहरा दिया है।

लेकिन पाकिस्तान की समस्यायें इतनी ही नहीं हैं। पाकिस्तान की आम जनता अपने जीवन के लिए संघर्ष कर रही है क्योंकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छू रही हैं। बीस किलो आटा 2100-2599 रुपये में तथा दूध 120-130 रुपये लीटर बिक रहा है। लेकिन शहबाज शरीफ सरकार तथा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के नेतृत्व में मुख्य विपक्ष एक-दूसरे के खून का प्यासा है क्योंकि एक कुर्सी पर बना रहना चाहता है, जबकि दूसरा उससे कुर्सी छीनना चाहता है। इसके कारण श्रीलंका की तरह जनता सड़कों पर उतरने को मजबूर हो सकती है। इस प्रकार पाकिस्तान गंभीर खतरे का सामना कर रहा है जहां लोकतंत्र का अस्तित्व ही खतरे में पड़ गया है। राष्ट्रपति आरिफ अली व प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सरकार के बीच टकराव के साथ ही कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच भी टकराव जारी है। इससे देशवासियों का भविष्य ही दांव पर लग गया है। दीवालिया व आर्थिक बदहाली के शिकार पाकिस्तान की सहायता करने के साथ ही आईएमएफ ने उस पर कुछ और शर्तें लगा दी हैं। इससे शहबाज शरीफ सरकार को 15 करोड़ से अधिक आमदनी वाली फर्मों पर 1 प्रतिशत संपत्ति कर, 20 करोड़ से अधिक आमदनी वालों पर 2 प्रतिशत, 25 करोड़ से अधिक आमदनी वालों पर 3 प्रतिशत तथा 30 करोड़ व उससे अधिक आमदनी पर 4 प्रतिशत कर लगाने को मजबूर होना पड़ा है। सरकार ने अपने बजट में केवल 30 करोड़ या उससे अधिक आमदनी वालों पर 2 प्रतिशत संपत्ति कर का प्राविधान किया था। लेकिन वित्त मंत्री मिफात इस्माइल के नेतृत्व में बातचीत करने वाली पाकिस्तानी टीम को इन शर्तों पर सहमत होना पड़ा। इस प्रकार अधिकारियों ने 2022-23 के बजट से ज्यादा टैक्स लगा कर 43,600 करोड़ रुपये एकत्र करने की प्रतिबद्धता प्रकट करनी पड़ी। मूडीज़ निवेश सेवा ने पाकिस्तान की कर्ज साख घटा कर स्थिर से नकारात्मक कर दी है जिसका कारण डूबती अर्थव्यवस्था तथा संसाधन जुटाने में कमी है।

आईएमएफ ने 6.5 बिलियन डालर कर्ज देने पर पाकिस्तान के साथ समझौते पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिए हैं जो नवंबर, 2022 से लंबित है। इससे पाकिस्तान का आर्थिक पुनर्जीवन संकट में फंस गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि पाकिस्तान गहरे संकट में है तथा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के समर्थकों द्वारा आगजनी व लूट की घटनाओं से देश अराजकता की स्थिति में पहुंच सकता है। यह स्थिति पूरे क्षेत्र के लिए अच्छी नहीं है। ऐसे में सब कुछ सेना की भूमिका पर निर्भर है कि वह संयम बरते तथा इस देश में लोकतंत्र की रक्षा करे।

वैराग्य का महत्व

मनुष्यों को अपनी कमजोरियों पर लगाम लगा कर वैराग्य को महत्व देना चाहिए।

रवि वल्लूरी
(लेखक, सेवानिवृत्त अधिकारी हैं।)

सैकड़ों साल पहले किसी ने भगवान बुद्ध से एक सवाल पूछा। सवाल यह था कि आखिरकार उनके शिष्य और अनुयायी सादा जीवन जीते हैं, सरल व्यवहार करते हैं, रोज केवल एक बार भोजन करते हैं, पर वे हमेशा आनन्द व ऊर्जा से कैसे भरे रहते हैं।

बुद्ध ने थोड़ा ठहर कर जवाब दिया, 'वे अतीत पर दु:ख नहीं करते, न भविष्य की चिन्ता करते हैं। वे केवल वर्तमान में जीवित रहते हैं। इसी कारण वे प्रसन्न हैं। भविष्य की चिन्ता या अतीत पर दु:ख कर मूर्ख उन हरी पत्तियों की तरह सूख जाते हैं जिनको काट कर धूम में डाल दिया गया हो।'

जिनके विचार अतीत की घटनाओं से व्यथित रहते हैं या जो भविष्य के बारे में ही सोचते रहते हैं, वे बेचैनी से भर जाते हैं तथा दु:खों के दुष्चक्र में फंस जाते हैं। 'क्या था' और 'क्या होगा' के बीच बहुत बड़ा स्पेस है जिसे 'वर्तमान' कहा जा सकता है। यह हमारा ऐसा आधिकारिक क्षेत्र है जहां हम शांति के साथ मौन होकर रह सकते हैं।

अधिकांश लोग नहीं जानते कि वर्तमान में कैसे रहा जाए और वे इसे खो देते हैं। इस कारण वर्तमान अतीत हो जाता है और भविष्य वर्तमान में आ जाता है। वर्तमान में न रहने के कारण ऐसे लोग अतीत में या भविष्य में रहते हैं। आमतौर से मानव मस्तिष्क में रोज 60 से 70 विचार आते हैं जिनमें से बहुसंख्य नकारात्मक होते हैं।

हमें एक पिरामिड की कल्पना कर कांच की नकली दीवाले तोड़ने के प्रयास करने चाहिए। हर आने वाला कल वर्तमान से निर्देशित होता है। ऐसे में साधना का कठोर अभ्यास कर अतीत या भविष्य के वर्चस्व से मुक्ति पानी चाहिए। हमें वर्तमान में रहने का अनन्त आर्शीवाद प्राप्त करना चाहिए। यह परमानन्द की स्थिति है।

हमें जीवन की घटनाओं में लिप्त नहीं होना चाहिए। इस दृष्टिकोण से हमारे जीवन में दैवत्व व दैवी ऊर्जा का संचार होगा। जीवन का यथार्थ वर्तमान क्षण में

जीवित रहना तथा अतीत की स्मृतियों से बचना चाहिए क्योंकि वे मृत तथा बीत चुकी हैं। वर्तमान में जीवित रहने वाला व्यक्ति उसमें लिप्त नहीं होता है और वह सबसे सुखी व्यक्ति होता है। यह उस सांस की तरह है जिसे हमने बाहर निकाल दिया है या नदी के उस पानी की तरह है जिसे हम पार कर चुके हैं तथा अब नदी के किनारे बैठे हैं। हमें वर्तमान पर ध्यान केन्द्रित कर वास्तविक सत्य का अनुसरण करना चाहिए जो समय और स्पेस से अलग है।

इस ग्रह पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों को समझना चाहिए कि हम क्षणभंगुर हैं। हमें अपनी भूमिका निभाने के लिए यहां भेजा गया है, फिर चाहे वह आनन्ददायक हो या त्रासद। हमें उसे स्वीकार करना चाहिए। ग्रह, नक्षत्र, पेड़, जानवर और मनुष्य आदि सभी इस मंच पर अभिनेता हैं और अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

केवल कुछ ही लोग इसे समझते हैं। कुछ ही लोग दुनिया के प्रति अपना दायित्व समझते हैं। वे पानी में मक्खन की तरह तैरते रहते हैं, दूध की तरह आसानी से घुलते नहीं हैं। मनुष्यों के क्षणभंगुर होने के कारण उनकी सीमायें होती हैं। ऐसे में जीवन का एकमात्र उद्देश्य इस भौतिक दुनिया से विरक्ति है। मनुष्यों को इस दुनिया में आत्म-नियंत्रण बनाए रख कर स्वयं को बुराइयों से दूर रखना चाहिए। हमें हमेशा पूरा ध्यान देकर अपने छोटे-छोटे दायित्व पूरे करने चाहिए तथा याद रखना चाहिए कि सर्वशक्तिमान ईश्वर हमें निर्देशित व संचालित कर रहा है।

आप की बात

नतीजों से सबक

कर्नाटक चुनावों की विजय ने कांग्रेस के मरणासन्न शरीर में प्राण फूंक दिए हैं। हालांकि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव में कथित तर्क और विचारों में भिन्नता रहती है। प्रदेश में दिए गए वोट प्रत्याशी की इमेज और प्रादेशिक समस्याओं पर केंद्रित रहते हैं, जबकि लोकसभा चुनाव राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय समस्याओं व जरूरतों के मुताबिक वोटरों की मानसिकता बनाते हैं! इसमें फ़िलहाल मोदी मैजिक बरकरार है। हालांकि, हिमाचल प्रदेश और उसके बाद कर्नाटक के हाथों से निकल जाने के बाद बीजेपी को भी अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है। प्रदेशों व केन्द्र में भाजपा के कुछ नेताओं की जनता और आम कार्यकर्ताओं से दूरियां बढ़ने लगी हैं। कहा जाता है कि आम कार्यकर्ताओं को इनसे मिलने के लिए समय तक नहीं मिलता, जबकि चुनाव के वक्त यह आम कार्यकर्ता ही पार्टी का मजबूत आधार स्तंभ होते हैं। अब बचे हुए शेष महीनों में सभी उच्च पदासीन नेताओं को सीधे जमीनी कार्यकर्ताओं से जुड़ना होगा, उनके परिश्रम की कीमत समझन होगी और राजसिंहासन से नीचे उतर कर जनता से सतत संपर्क बनाए रखना होगा। बीजेपी नेताओं कोअपने कार्यों का विवरण जन-जन तक पहुंचाना ही होगा।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

उत्साहित कांग्रेस

कर्नाटक में कांग्रेस की जीत के बाद विपक्ष को एकजुट करने की पहल तेज होती दिख रही है। कर्नाटक के चुनाव परिणामों से कांग्रेस का उत्साहित होना समझ आता है लेकिन उससे अधिक उत्साह क्षेत्रीय दल दिखा रहे हैं। विपक्षी एकता का एकमात्र लक्ष्य है भाजपा को हराना। लेकिन जनता के सामने यह स्पष्ट करना भी आवश्यक है कि प्रधानमंत्री पद का दावेदार कौन होगा। कर्नाटक चुनाव को हमेशा की तरह छद्म पंथनिरपेक्षता वादी धड़ा सांप्रदायिकता व ध्रुवीकरण की राजनीति पर एकता एवं भाईचारे की जीत करार दे रहा है। वास्तव में मुस्लिम समुदाय का 90 प्रतिशत वोट कांग्रेस को मिला जो उसकी जीत का मुख्य कारण है। कांग्रेस को बताना चाहिए कि बजरंग दल पर बैन और हिज़ाब के पक्ष मे दिये गये उनके बयान क्या आगामी चुनावों तक विस्तारित होंगे। उसे यह भी बताना चाहिए कि क्या अपने खैरात के वादे पूरे करने के लिए वह राज्य का खजाना खाली कर देगी अथवा ये केवल चुनाव जीतने का माध्यम थे। कहीं ऐसा न हो कि कर्नाटक का खजाना कांग्रेस आलाकमान के लिए एटीएम का काम ही न करने लगे।

– **परमवीर केसरी,** मेरठ

जेलेन्स्की की हिम्मत

यूक्रेन पिछले 15 महीने से रुसी अतिवाद एवं आक्रमण को झेलने में सफल रहा है। उसके पीछे राष्ट्रपति ज़ेलेन्स्की का हौसला एवं जुझारूपन तो है ही, साथ में पश्चिमी देशों का सैन्य साजों सामानों की मदद। कुछ क्रेमलिन समर्थक देश एवं बुद्धिजीवी आरोप लगाते हैं कि पश्चिम की हथियार सप्लाई के कारण ही यह युद्ध और भड़क रहा है। मैं इस सोच को सिरे से खारिज करता हूँ। दुनिया में हर किसी को अच्छाई का साथ देना चाहिए। ऐसा नहीं है कि ज़ेलेन्स्की शांति नहीं चाहते। वे भी इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करना चाहते हैं। तभी तो उन्होंने चीन के राष्ट्रपति सी जिनपिंग से बात की तथा 13 मई को वेटिकन सिटी जाकर रोमन कैथोलिक धर्मगुरु पोप फ्रांसिस से मिले। रुस समर्थक चाहते हैं कि मास्को बिना किसी बाधा के पूरे यूक्रेन पर कब्जा करके अपना परचम लहराए। क्या यह सोच न्यायोचित एवं तर्कसंगत है? शायद रूस के नापाक इरादों को पछाड़ने के वास्ते ही यूक्रेन के राष्ट्रपति यूरोपीय देशों की यात्रा कर रहे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त होना पूरी मानवजाति तथा दुनिया में लोकतंत्र के लिए जरूरी हो गया है।

–**जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

भाजपा की विजय

उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में भाजपा की 17 नगर निगम के चुनाव में ऐतिहासिक जीत ने यकीनन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कद बढ़ा दिया है। इस जीत के बड़े मायने हैं क्योंकि उत्तर प्रदेश में जैसे-जैसे योगी मजबूत होंगे भाजपा में उनका प्रभाव बढ़ेगा तथा राष्ट्रीय स्तर पर पहचान व स्वीकार्यता भी बढ़ेगी। चुनाव परिणामों के बाद योगी आदित्यनाथ जिंदाबाद के नारों से उत्तर प्रदेश गूंज उठा है। यह भाजपा के लिए एक संकेत है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, भाजपा में दबी जुबान से चर्चा है कि 24 में देश के प्रधानमंत्री पद के लिए क्या योगी आदित्यनाथ का नाम आगे किया जाना चाहिए। देश में उत्तर प्रदेश की राजनीति का बड़ा महत्व है यही कारण है कि गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री ने वाराणसी को अपना लोकसभा चुनाव क्षेत्र चुना था जिसका परिणाम भी सामने है कि देश के सबसे लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साबित हुए हैं। क्या योगी आदित्यनाथ को राष्ट्रीय राजनीति में आगे बढ़ा कर उनको सीधे देश के प्रधानमंत्री पद के लिए स्वीकार किया जाएगा?

– **वीरेंद्र कुमार जाटव,** दिल्ली

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

भावानुसार मिलता है श्रीमद्भागवत कथा श्रवण का रस: योगी

● गोरखनाथ मंदिर में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ में शामिल हुए मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीमद्भागवत महापुराण की कथा पांच हजार वर्षों से मानव के उद्धार व मुक्ति की कथा बनकर सनातन संस्कृति को अनुप्राणित कर रही है। इस कथा का श्रवण जिस भाव से किया जाता है, सुनने वाले को उसी के अनुसार रस प्राप्त होता है। यह हमें गौरवशाली अतीत का एहसास कराने वाली कथा भी है। श्रीमद्भागवत की कथा के श्रवण का सौभाग्य प्राप्त होना दुर्लभ क्षण होता है।

सीएम योगी सोमवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन में सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण कथा ज्ञानयज्ञ के शुभारंभ पर कथाव्यास व अन्य संतजनों का स्वागत करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। 21 मई तक चलने वाली इस कथा का आयोजन मंदिर परिसर में बने नौ नवीन मंदिरों में देव विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में किया जा रहा है। प्रथम दिन की कथा प्रारंभ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने व्यासपीठ की पूजा करने के बाद कहा कि वेद, पुराण, उपनिषद हमारी हजारों वर्षों की धाती को समेटे हुए हैं। ये पवित्र ग्रंथ जीवन के यथार्थ का ज्ञान कराते हुए हमें सदमार्ग की ओर ले जाते हैं। श्रीमद्भागवत की कथा से आनंद प्राप्ति के साथ ज्ञानवर्धन भी होता है। इस अवसर पर उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान गोरखनाथ की कृपा सब पर बनी रहे।

भगवान श्रीकृष्ण का शब्दमय विग्रह है श्रीमद्भागवत: स्वामी राघवाचार्य

इस अवसर पर अयोध्या से आए जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य ने कहा कि श्रीमद्भागवत ग्रंथ भगवान श्रीकृष्ण का शब्दमय विग्रह है। उन्होंने अपनी दिव्यदृष्टि को श्रीमद्भागवत में प्रतिष्ठित कर दिया है। स्वामी राघवाचार्य ने कहा कि सही अर्थों में जो माया का मर्दन कर दे, वह श्रीमद्भागवत महापुराण है। अयोध्या से ही आए बड़े भक्तमाल के महंत अवधेशदास ने सनातन धर्म व संस्कृति के उत्थान में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। उन्होंने कहा कि आज गोरक्षपीठ का नाम पूरे विश्व में जाना जाता है। श्रीमद्भागवत कथा का विधिवत रसपान कराने से पूर्व कथाव्यास, वृंदावन से पधारे डॉ श्याम सुंदर पाराशर ने कहा कि मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आज प्रदेश में धर्म-अध्यात्म, संस्कृति और राजसत्ता, दोनों ही क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य हो रहे हैं। अब तो अन्य प्रांतों के नागरिक भी अपने प्रांत में योगी जैसा नेतृत्व चाहते हैं।

मंदिर के गर्भगृह से निकाली गई भव्य शोभायात्रा- श्रीमद्भागवत महापुराण कथा शुभारंभ के अवसर पर गुरु गोरखनाथ मंदिर के गर्भगृह से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। गर्भगृह में मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने विधि विधान से श्रीनाथ, अखंड ज्योति एवं पोथी (श्रीमद्भागवत महापुराण ग्रंथ) पूजन का अनुष्ठान संपन्न किया। तत्पश्चात शंख, घंटा-घड़ियाल, तुरही, नागफनी आदि वाद्य यंत्रों की गूंज एवं बैंड बाजे के बीच शोभायात्रा कथा स्थल महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन पहुंची। यहां वैदिक मंत्रोच्चार के बीच व्यासपीठ के समक्ष अखंड ज्योति व श्रीमद्भागवत महापुराण ग्रंथ को प्रतिष्ठित किया गया। मुख्यमंत्री, संतों व यजमानगण ने व्यासपीठ का पूजन व कथाव्यास का अभिनंदन किया। भक्ति भाव से निकाली गई शोभायात्रा में मुख्य रूप से कथा व्यास श्रीधाम वृंदावन के डॉ श्याम सुंदर पाराशर, अयोध्या से पधारे जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी राघवाचार्य, बड़े भक्तमाल अयोध्या के महंत अवधेशदास, कटक (ओडिशा) से आए महंत शिवनाथ, गोरखनाथ मंदिर के प्रधान पुजारी योगी कमलनाथ, काशी से आए महामंडलेश्वर संतोष दास सतुआ बाबा, देवीपाटन के महंत योगी मिथलेशनाथ, कालीबाड़ी के महंत रविंद्रदास, चचाईराम मठ के महंत पंचानन पुरी, श्रीरामजानकी हनुमान मंदिर गोरखनाथ के महंत रामदास, नवनिर्वाचित महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव आदि सम्मिलित रहे।

बाल श्रद्धालु को देख रुक गए सीएम, प्रसाद देकर पूछा हालचाल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/गोरखपुर

व्यस्तता कितनी भी हो, कार्य राजकीय हो या फिर धार्मिक-आध्यात्मिक, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बच्चों को अपने स्नेह से अभिसिंचित करने के लिए, उनका हालचाल जानने के लिए समय निकाल ही लेते हैं। आनुष्ठानिक कार्यक्रमों की उनकी व्यस्तता के बीच सोमवार को गोरखनाथ मंदिर के ऐसा ही एक नजारा देखने को मिला। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ गोरखनाथ मंदिर में वृहद धार्मिक-आध्यात्मिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में सोमवार पूर्वाह्न मंदिर की यज्ञशाला में कलश स्थापना व पंचांग पूजन करने के बाद गुरु गोरखनाथ का दर्शन करने मुख्य मंदिर की तरफ जा रहे थे। थोड़ी दूर बढ़ते ही उनकी नजर धूप में खड़ी एक नन्ही बच्ची पर पड़ गई। वह तुरंत बालिका के पास ही रुक गए। मुख्यमंत्री का संकेत पाते ही साथ में मौजूद मंदिर के कार्यकर्ता अमित सिंह मोनू ने धूप से बचाने के लिए बालिका को उठा लिया। मुख्यमंत्री ने बालिका से उसका हालचाल पूछा, दुलारा और अपने हाथों से प्रसाद देकर खूब आशीर्वाद दिया। सीएम के यह पूछने पर कि धूप में क्यों खड़ी थी? बालिका ने मासूमियत से कहा, आपको देखने के लिए। इस पर मुख्यमंत्री हंस पड़े, साथ ही प्यार से समझाया कि बच्चों को तेज धूप से बचना चाहिए।

उद्यमी मित्रों का सेलेक्शन प्रोसीजर पूरा, रिजल्ट जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● निवेश में आ रही समस्याओं के निस्तारण में उद्यमी मित्र निभाएंगे प्रमुख भूमिका

देश और विदेश के उद्यमियों की समस्याओं और उनके समाधान के लिए प्रदेश सरकार उद्यमी मित्रों की नियुक्ति कर रही है। इन उद्यमी मित्रों की चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद 105 उद्यमी मित्रों का रिजल्ट जारी कर दिया गया है। यह रिजल्ट इन्वेस्ट यूपी की वेबसाइट पर जाकर उद्यमी मित्र के सेक्शन पर क्लिक करके एक पेज ओपेन होगा, जिस पर रिजल्ट को डाउनलोड किया जा सकता है।

उद्यमी मित्रों का सेलेक्शन लिखित परीक्षा और साक्षात्कार के आधार पर किया गया है। जल्द ही सभी 105 उद्यमी मित्रों को जनपदों और इन्वेस्ट यूपी कार्यालय एवं मुख्यालय पर नियुक्ति दे दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि सीएम योगी ने यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश में हुए 35 लाख करोड़ रुपए के एमओयू को धरातल पर उतारने और उद्यमियों की सहायता के लिए उद्यमी मित्र नियुक्त करने का निर्णय लिया था।

अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के अधीन नोडल संस्था इन्वेस्ट यूपी द्वारा इन उद्यमी मित्रों की नियुक्ति की प्रक्रिया को पूरा किया गया है। मालूम हो कि प्राप्त आवेदनों को वरिष्ठ अधिकारियों की स्क्रीनिंग कमेटी द्वारा वेरिफिकेशन के बाद उद्यमी मित्रों के लिए लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया था। सफलतापूर्वक परीक्षा संपन्न होने के बाद 16 अप्रैल को इसके परिणाम घोषित किए गए थे, जिसमें 350 अभ्यर्थी चयनित हुए थे। वहीं 18 अप्रैल से सेलेक्टेड कैंडीडेट्स के लिए इंटरव्यू की प्रक्रिया शुरू की गई, जो 8 मई तक चली।

साक्षात्कार एवं कंप्यूटर टेस्ट के लिए भी एसओपी बनाई गई थी, जिसमें रिक्तियों की संख्या के तीन गुणा अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया गया था। साक्षात्कार के लिए 25 अंक व कंप्यूटर टेस्ट के लिए 10 अंक निर्धारित किए गए थे। वहीं आईआईटी कानपुर, आईआईएम लखनऊ या एकेटीयू लखनऊ जैसे प्रदेश के प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों द्वारा प्रश्न पत्र तैयार करके कंप्यूटर टेस्ट की परीक्षा ली गयी थी। उद्देश्य कथन (स्टेटमेंट ऑफ पर्पज) को साक्षात्कार में मूल्यांकित किया गया। साक्षात्कार के समय ही अभ्यर्थियों द्वारा अपने समस्त शैक्षणिक एवं अनुभव प्रमाण पत्रों को मूल रूप में प्रस्तुत किया गया।

बेसिक व माध्यमिक विद्यालयों में चलेगा स्पोर्ट्स फार स्कूल कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बेसिक और माध्यमिक शिक्षा के अधीन संचालित विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को शारीरिक गतिविधियों से जोड़ने व खेलों को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने स्पोर्ट्स फार स्कूल शुरू करने के निर्देश दिए हैं। इस बाबत अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने सभी जिलाधिकारियों को आदेश जारी कर दिया है।

अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार के स्तर से जारी आदेश में कहा गया है कि खेल संस्कृति को विकसित करने के लिए छात्रों को शारीरिक गतिविधियों एवं खेलों से जोड़ने के साथ ही बालिकाओं को खेलों में प्रतिभाग के अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जाय। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए शारीरिक रूप से स्वस्थ और सक्रिय शिक्षक को खेलकूद तथा शारीरिक शिक्षा की गतिविधियों के आयोजन हेतु नोडल शिक्षक नॉमित किया जाय। जबकि जिला स्तर पर जिला विद्यालय निरीक्षक, बीएसए और स्तर पर रिपोर्टिंग और मॉनीटरिंग के लिए मण्डलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक को नोडल ऑफिसर नॉमित किया जाय।

मुख्य सचिव ने मेधावी छात्रों को किया सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सोमवार को एक समारोह में मेधावी छात्रों को सम्मानित किया।

इस अवसर पर अपने संबोधन में मिश्र ने मेधावी छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आपने अपने परिश्रम व लगन से सर्वश्रेष्ठ परीक्षाफल देकर न सिर्फ अपने माता-पिता, शिक्षकों व विद्यालय का गौरव बढ़ाया है अपितु लखनऊ व प्रदेश का नाम भी रोशन किया है।

उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए इस समारोह का विशेष महत्व है क्योंकि यह आज सम्मानित होने वाले छात्रों को जीवन में और आगे बढ़ने व जीवन की दिशा तय करने का अवसर प्रदान करता है, साथ ही अन्य छात्रों को भी प्रेरणा देता है। उत्तर प्रदेश में लगभग साढ़े 35 लाख करोड़ रुपए का इन्वेस्टमेंट प्रस्तावित है और जल्द ही एक नया उत्तर प्रदेश नजर आएगा। स्कूली बच्चों को मूलमंत्र देते हुए कहा कि अब आपको सही दिशा तय करना होगा, जीतता वही है, जो सोच ले कि जीतना है। उन्होंने कहा कि पढ़ाई के साथ-साथ विद्यार्थियों को अन्य गतिविधियों में बढ़चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

ऑनलाइन ग्रामीण शिक्षा 'पहल' कार्यक्रम का शुभारंभ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने ऑनलाइन ग्रामीण शिक्षा 'पहल' कार्यक्रम का सरोजनीनगर स्थित राजकीय यूपी सैनिक इंटर कॉलेज से शुभारंभ किया। यह कार्यक्रम माध्यमिक शिक्षा द्वारा आईआईटी कानपुर के सहयोग से तैयार किया गया है। इस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 10 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में निशुल्क ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जाएगी।

इस मौके पर मुख्य सचिव ने कहा कि ऑनलाइन ग्रामीण शिक्षा 'पहल' एक नई और अच्छी शुरुआत है। इन कक्षाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी विज्ञान एवं गणित से सम्बन्धित नवीनतम जानकारियां प्राप्त कर सकेंगे। आने वाले समय में उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनने वाला है, इस ग्रोथ इंजन को ताकत प्रदेश के बच्चे देंगे। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि सरकारी स्कूली बच्चों को ऐसी शिक्षा दी जाए, जिससे छात्र एक स्तम्भ के रूप में देश की अर्थव्यवस्था को तेजी से बढ़ाने में अपना योगदान दे सकें। टेक्नोलॉजी के माध्यम से आज उत्तर प्रदेश में 10 सरकारी स्कूलों में व्यवस्था शुरू की गई, आगामी दिनों में 40 हजार स्कूलों में यह व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने ट्रिपल एस (स्किल, स्केल और स्पीड) का मंत्र दिया था, पहले आप सीखिए, स्केल-अप करिए और फिर स्पीड के माध्यम से सभी लोगों तक लाभ पहुंचाइए। यह तभी संभव होगा जब हम टेक्नोलॉजी का प्रयोग करेंगे। कोविड महामारी के दौरान डिजिटल टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया गया। बच्चों ने डिजिटल टेक्नोलॉजी के माध्यम से घर बैठकर पढ़ाई की। वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति लागू की गई, नई शिक्षा नीति में आमूलचूल परिवर्तन हुआ। उन्होंने कहा कि नवीन तकनीक व निपुण कार्यक्रम के माध्यम से प्राइमरी स्कूल की तस्वीर बदल गई है। प्राइमरी स्कूल में बच्चों को अध्यापकों द्वारा प्रैक्टिकल के माध्यम शिक्षा से दी जा रही है, जिससे अब बच्चे रटने के स्थान पर विषय को समझकर अंगीकार कर लेते हैं। कायाकल्प कार्यक्रम के तहत सभी प्राइमरी विद्यालयों में प्राइवेट स्कूल की भांति सुविधायें उपलब्ध करायी जा रही हैं। आज सभी प्राइमरी स्कूल में बैठने के लिये सीट, स्मार्ट बोर्ड, शौचालय और तमाम सारी चीजें प्रदर्शित हैं, जो उन्हें जानना चाहिए। इसी प्रकार मिशन अलंकार के माध्यम से इण्टरमीडिएट कॉलेजों का पूरा-पूरा कायाकल्प हो रहा है। इस मौके पर मुख्य सचिव ने स्मार्ट क्लास का अवलोकन किया।

प्रचंड जीत के बाद भाजपा क्षेत्रीय स्तर पर करेगी बैठकें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राधा मोहन सिंह सहित अन्य केंद्रीय पार्टी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा

निकाय चुनाव में मिली प्रचंड जीत के बाद भारतीय जनता पार्टी अपने आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों के लेकर क्षेत्र स्तर पर बैठके करेगी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह की उपस्थिति में आगामी 17, 18 व 19 मई को क्षेत्र स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रदेश प्रभारी राधा मोहन सिंह सहित अन्य केंद्रीय पार्टी पदाधिकारियों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। पार्टी के प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला ने बताया कि भाजपा द्वारा संगठनात्मक दृष्टि से बनाए गए सभी 6 क्षेत्रों अवध, काशी, गोरखपुर, कानपुर बुंदेलखंड, ब्रज, पश्चिम में 17, 18 व 19 मई को क्षेत्रीय बैठकें आयोजित की गई हैं। उन्होंने बताया कि 17 मई को पश्चिम व काशी क्षेत्र की बैठक होगी। जबकि 18 मई को ब्रज व गोरखपुर क्षेत्र की बैठक होगी। कानपुर व अवध क्षेत्र की बैठक 19 मई को होगी। गोविन्द नारायण शुक्ला ने बताया कि क्षेत्रीय बैठकों में पार्टी के क्षेत्र प्रभारी, क्षेत्रीय समन्वयक, क्षेत्रीय अध्यक्ष, क्षेत्रीय पदाधिकारी, उस क्षेत्र में रहने वाले प्रदेश पदाधिकारी व प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य, जिला प्रभारी जिलाध्यक्ष, सांसद, विधायक, नवनिर्वाचित महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष सहित अन्य वरिष्ठ पार्टी पदाधिकारी सम्मिलित होंगे।

भाजपा सरकार ने अधिकारियों का राजनीतिकरण कर दिया: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार ने अधिकारियों का राजनीतिकरण कर दिया है। बड़ी संख्या में अधिकारी भाजपा कार्यकर्ता बन कर काम कर रहे हैं। अधिकारियों ने वोटर लिस्ट से लेकर मतगणना तक में हस्तक्षेप किया। अखिलेश ने कहा कि मैनपुरी और बेवर ही नहीं पूरे उत्तर प्रदेश में सीडीओ व अन्य अधिकारियों द्वारा चुनाव नतीजे बदले जाने की खबर से जनाक्रोश है। इसका तुरन्त संज्ञान लिया जाय। ऐसे भ्रष्ट अधिकारियों का निलम्बन किया जाय। साथ ही फास्ट ट्रैक जांच कर नौकरी से बाहर किया जाए। समाजवादी पार्टी इन भ्रष्ट अधिकारियों की फोटो और नाम की लिस्ट देगी। अखिलेश ने कहा कि भाजपा सरकार की बेईमानी और मनमानी के खिलाफ समाजवादी पार्टी ईमानदार अधिकारियों के साथ है। उन्होंने कहा कि भाजपा की केन्द्र में नौ साल से सरकार हैए जनता के बुनियादी मुद्दे महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं और बढ़ गई। भाजपा सरकार में महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार चरम पर है। किसानों के गेहूं की खरीद नहीं हुई।

पेराई सत्र 2023-24 के लिए गन्ना सट्टा व आपूर्ति नीति जारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● 60 की जगह अब 72 कुंतल के सट्टाधारक माने जायेगें छोटे किसान

● उपज के दृष्टिगत प्रति हेक्टेयर सट्टे की सीमा में की गई बढ़ोत्तरी

प्रदेश के गन्ना एवं चीनी आयुक्त संजय आर भूसरेड्डी द्वारा पेराई सत्र 2023-24 के लिए गन्ने के सट्टे एवं आपूर्ति नीति जारी कर दी गई है। गन्ना आपूर्ति नीति के आधार पर ही प्रदेश के गन्ना कृषकों को गन्ने की पर्चियों के निर्गमन सहित आपूर्ति हेतु विस्तृत निर्देश चीनी मिलों को दिये हैं। सट्टा एवं आपूर्ति नीति के संबंध में विस्तृत जानकारी देते हुए भूसरेड्डी ने बताया कि प्रदेश की चीनी मिलों की पेराई क्षमता, गन्ना उत्पादन तथा चीनी मिलों को गन्ने की उपलब्धता में संतुलन बनाये जाने की आवश्यकता है, जिससे चीनी मिलों को उनकी आवश्यकता के अनुरूप पेराई हेतु गन्ना उपलब्ध हो सके। इन्हीं सब तथ्यों का संज्ञान लेते हुए गन्ना विकास विभाग द्वारा जारी पेराई सत्र 2023-24 के लिये सट्टा एवं आपूर्ति नीति में कृषक हितों के दृष्टिगत कई बदलाव किये गये हैं, जिनमें मुख्य रूप से गन्ना कृषकों की बढ़ रही उपज के दृष्टिगत प्रति हेक्टेयर सट्टे की सीमा में सार्थक बढ़ोत्तरी की गई है। इस वर्ष की आपूर्ति नीति में प्रति कृषक गन्ना सट्टे की सीमा सीमान्त कृषक (1 हेक्टेयर तक) के लिए अधिकतम 850 कु. से बढ़ाकर 900 कु., लघु कृषक (2 हेक्टेयर तक) के लिये 1700 कु.से बढ़ाकर 1800 कु. तथा सामान्य कृषक (5 हेक्टेयर तक) के लिये 4250 कु. से बढ़ाकर 4500 कु.की गई एवं उपज बढ़ोत्तरी की दशा में सट्टे की अधिकतम सीमा सीमान्त, लघु एवं सामान्य कृषक हेतु क्रमश: 1350 कु. से बढ़ाकर 1400 कु., 2700 कु. से बढ़ाकर 2800 कु. तथा 6750 कु. से बढ़ाकर 7000 कु. निर्धारित की गई है। गन्ना किसानों की बहुप्रतीक्षित मांग पर सम्यक विचारोंपरान्त गन्ना आयुक्त ने छोटे किसानों को बड़ी राहत देते हुए अब 60 कुन्टल की जगह 72 कुन्टल तक के सट्टा धारक गन्ना किसानों को छोटे कृषक की श्रेणी में शामिल कर दिया है। इससे इन सट्टा धारकों को 45 दिन के अन्दर गन्ना आपूर्ति की सुविधा मिल सकेगी। इस वर्ष की सट्टा आपूर्ति में भूमि क्रय.विक्रय के प्रकरणों में बेसिक कोटा हस्तान्तरणए ड्रिप विधि से सिंचाई करने वाले कृषकों को सट्टे में प्राथमिकताए सैनिकोंए अर्द्धसैनिक बलोंए भूतपूर्व सैनिकों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों तथा उनकेविधिक उत्तराधिकारियों को गन्ना आपूर्ति में प्राथमिकताए उत्तम गन्ना कृषकों को उपज बढ़ोत्तरी हेतु नि:शुल्क प्रार्थना.पत्र देने की सुविधा एवं सट्टाधारक सदस्य कृषक की मृत्यु पेराई सत्र के दौरान होने पर सट्टा चालू रखे जाने सम्बन्धी अन्य प्राविधानभी प्रमुख हैं। गन्ना विकास विभाग द्वारा आपूर्तिकर्ता कृषकों की अधिकतम गन्ना आपूर्ति सुनिश्चित कराने के लिए गत दो वर्षए तीन वर्ष एवं पांच वर्ष की औसत गन्ना आपूर्ति में से अधिकतम औसत गन्ना आपूर्ति को पेराई सत्र 2023-24 के लिए बेसिक कोटा माने जाने के निर्देश दिये गये हैं। इससे न केवल कृषकों की गन्ना आपूर्ति में बढ़ोत्तरी होगी बल्कि चीनी मिलों को भी अधिक गन्ना प्राप्त हो सकेगा। उक्त के साथ ही जो कृषक पेराई सत्र 2022-23 में नये सदस्य बने हैंए तथा एक वर्ष ही गन्ना आपूर्ति किए हैं, उनके एक वर्ष की गन्ना आपूर्ति को ही बेसिक कोटा माना जायेगा। गन्ना एवं चीनी आयुक्त द्वारा बताया गया कि ड्रिप इरीगेशन पद्धति अपनाने वाले कृषकों को उन्हें अतिरिक्त सट्टे में प्राथमिकता दी जाएगी तथा अतिरिक्त सट्टे में अस्वीकृत गन्ना प्रजातियों को सम्मिलित नहीं किया जाएगा। अतिरिक्त सट्टे हेतु किसी गन्ना कृषक से प्रशासनिक शुल्क के रूप में धनराशि की कटौती नहीं की जाएगी। ट्रेंच विधि से बुआईए सहफसली खेती एवं ड्रिप के प्रयोग एक ही खेत पर शुरू करने वाले चयनित 'उत्तम गन्ना कृषकों'से उपज बढोत्तरी के प्रार्थना.पत्र नि:शुल्क प्राप्त किये जाएगें।

जन समस्याओं का त्वरित गति से किया जाए निदान : केशव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अपने 7.कालीदास मार्ग स्थित आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में विभिन्न जनपदों से आये लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया।

उन्होने जनसुनवाई के दौरान एक.एक व्यक्ति की समस्या को पूरी गम्भीरता से सुना तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सम्बंधित अधिकारियों को निर्देश दिए।

उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि समस्याओं का निराकरण इस प्रकार किया जाय कि समस्याग्रस्त व्यक्ति पूरी तरह से संतुष्ट रहें और उन्हें दुबारा कहीं भटकना न पड़े और बार.बार चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने महिलाओंए दिव्यांगोंए बुजुर्गों की समस्याओं व शिकायतों को सुना और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर संबंधित अधिकारियों को त्वरित गति से निदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जनता दर्शन में भूमि विवाद, दुर्घटनाओं से संबंधित, अवैध कब्जे, शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास आवंटन, स्कूल निर्माण, भूमि पट्टा, कब्जा दिलाने, अतिक्रमण हटाने, सड़क बनवाने, विजली, अभियुक्तों की गिरफ्तारी कराने, आदि से संबंधित विभिन्न समस्याएं प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों ने रखी।

जनता दर्शन में प्रतापगढ़, प्रयागराज, लखीमपुर खीरी, जौनपुर, गोंडा, मिर्जापुर, झांसी, कासगंज सहित लगभग ढाई दर्जन से अधिक ज़िलों से कई सैकड़ा लोगों ने आकर अपनी समस्याएं रखी। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने समस्याओं के निस्तारण के बावत प्रतापगढ़, अम्बेडकरनगर सहित अन्य कई जिलाधिकारियों, पुलिस अधीक्षक कन्नौजए अन्य सम्बंधित उच्चाधिकारियों व शासन के उच्चाधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता भी की।

प्रदेश में चुनी गईं बीजेपी की आधा दर्जन महिला महापौर

● राजनीति में आधी आबादी का सपना साकार कर रही योगी सरकार

● सर्वाधिक वोट लखनऊ की सुषमा को तो सबसे बड़ी जीत गाजियाबाद की सुनीता के नाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार का मिशन शक्ति अभियान न सिर्फ समाज बल्कि राजनीति में भी आधी आबादी का पूरा सपना सच कर रहा है। विधानसभा चुनाव हो या निकाय चुनाव, हर चुनावों में महिलाओं को पूरी शक्ति देकर योगी सरकार ने नेतृत्व करने का गौरव प्रदान किया। यूपी के निकाय चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने महापौर पद पर छह प्रत्याशियों को मैदान में उतारा था। इन सभी ने जीत हासिल कर पहला नागरिक बनने का गौरव हासिल किया। परीक्षा परिणामों की तरह ही महापौर चुनाव में भी सबसे अधिक वोट पाने वाली और सबसे अधिक वोटों से जीतने वाली भी महिला ही रहीं। वहीं नगर पालिका के 44 व 90 नगर पंचायतों की कमान भी महिलाओं के हाथ रही। मुख्यमंत्री के शहर गोरखपुर में भारतीय जनता पार्टी से उम्मीदवार बनाई गई अल्पसंख्यक वर्ग की हकीकुन निशा ने बाबा गंभीर नाथ वॉर्ड से 2227 वोट पाकर विजय पताका फहरा दी। भारतीय जनता पार्टी ने इस चुनाव में महापौर की 17 में से छह सीटों पर महिलाओं को चुनाव मैदान में उतारा। इन सभी छह सीटों पर भाजपा को जीत मिली। इन सभी सीटों पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रचार किया था। राजधानी लखनऊ से सुषमा खर्कवाल, आगरा से हेमलता दिवाकर, फिरोजाबाद से कामिनी राठौर, कानपुर से प्रमिला पांडेय, गाजियाबाद से सुनीता दयाल व शाहजहांपुर से अर्चना वर्मा को पहला नागरिक बनने का गौरव हासिल हुआ।

गाजियाबाद की सुनीता दयाल सबसे अधिक वोटों से महापौर बनीं। सुनीता ने 2.87 लाख से अधिक वोटों से बसपा प्रत्याशी को शिकस्त दी। लखनऊ की सुषमा खर्कवाल को पांच लाख से अधिक वोट मिले।

आगरा से अब तक की सबसे बड़ी जीत भी महिला महापौर हेमलता दिवाकर के नाम रही। उन्होंने बसपा को 1.08 लाख से अधिक वोटों से हराया। कानपुर की प्रमिला पांडेय ने 1.77 लाख से अधिक वोटों से जीत हासिल की। शाहजहांपुर की अर्चना वर्मा ने 30 हजार व फिरोजाबाद की कामिनी राठौर भी 26 हजार से अधिक वोटों से जीत का स्वाद चखा।

भाजपा की 44 महिलाओं के हाथ नगर पालिका की कमान

नगर पालिका परिषद की 199 सीटों में से 198 का परिणाम आ गया। इसमें से 88 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने जीत हासिल की। 88 में से 44 सीटों की कमान महिला अध्यक्षों के हाथ में आई। सीएम योगी की अपील रंग लाई। अमेठी, अमरोहा, उन्नाव, कन्नौज, कुशीनगर, कानपुर देहात, कासगंज, कौशांबी, गाजीपुर, गोंडा, नोएडा, जालौन, जौनपुर, झांसी, देवरिया, फ तेहपुर, बलरामपुर, बहराइच, बागपत, मुजफ्फरनगर, मैनपुरी, रामपुर, ललितपुरए बिजनौर, सोनभद्र व हाथरस की एक-एक, एटा, पीलीभीत, फिरोजाबाद, बरेली, सीतापुर, बांदा की दो-दो, बदायूं, बुलंदशहर की तीन-तीन नगर पालिका परिषद अध्यक्ष की सीटों पर भाजपा की तरफ से महिलाओं ने जीत हासिल की।

भाजपा की 90 महिलाएं बनीं नगर पंचायत अध्यक्ष

इसी तरह भारतीय जनता पार्टी ने नगर पंचायत अध्यक्षों के चुनाव में भी महिलाओं पर दांव लगाया। नगर पंचायत की 544 में से 543 सीटों पर चुनाव परिणाम आए। इनमें से 191 सीटों पर कमल खिला तो 90 पर महिलाएं जीतने में कामयाब रहीं। अमेठी, अमरोहा, अयोध्या, आजमगढ़, औरैया, कन्नौज, कानपुर नगर, कौशांबी, पीलीभीत, बरेली, लखीमपुरी खीरी, संतकबीर नगर, वाराणसी, सिद्धार्थनगर, सोनभद्र, गाजीपुर, नोएडा, चंदौली, बांदा, बाराबंकी, भदोही, फर्रुखाबाद, मेरठ, हरदोई, हाथरस, महराजगंज जिले में एक-एक, मुरादाबाद, हमीरपुर, कानपुर देहात, कासगंज, जौनपुर, शाहजहांपुर, गोंडा, संभल, सहारनपुर में दो-दो, आगरा, गोरखपुर, जालौन, अलीगढ़, देवरिया, फतेहपुर, बलिया, बस्ती, मैनपुरी, रायबरेली, फिरोजाबाद में तीन-तीन कुशीनगर-प्रतापगढ़ में चार, बदायूं में पांच सीटों पर भाजपा की ओर से महिलाओं ने जीत हासिल की।

स्कूल की बच्चियों के साथ स्कूल में यौन शोषण का मामला

पुलिस ने कंप्यूटर टीचर को किया गिरफ्तार

अन्य आरोपियों की तलाश जारी

संवाददाता। शाहजहांपुर

स्कूल की बच्चियों के साथ स्कूल में यौन शोषण का मामला में पुलिस ने कंप्यूटर टीचरको गिरफ्तार कर लिया इसके साथ ही सभी 15 बच्चियों को मेडिकल के लिए भेजा मामला तिलहर थाना क्षेत्र के जूनियर हाई स्कूल का है। पुलिस ने प्रधानाचार्य समेत 3 आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया एसएसपी शाहजहांपुर एस. आनंद ने बताया कि आरोपी कंप्यूटर टीचर मोहम्मद अली पर 10 से 12 साल की बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न का आरोप है। यह बच्चियां अलग-अलग क्लास में पढ़ती हैं। मंगलवार को बच्चियों के बयान दर्ज किए जाएंगे। वहीं, परिजनों ने आरोप लगाया कि बच्चियों के साथ गलत काम करने के बाद मोहम्मद अली उन्हें धमकाता भी था। किसी से कुछ भी बताने पर मारने की धमकी देता था। अध्यापिका ने बच्चियों के पैरेंट्स को मामले की सूचना दी। इसके बाद बच्चियों ने भी अपने माता-पिता को बताया। अध्यापिका ने शनिवार को परिजनों को स्कूल बुलाकर आरोपी टीचर मोहम्मद अली को पकड़वाया। सहायक अध्यापिका ने आरोप लगाया कि कंप्यूटर टीचर आए दिन बच्चियों के साथ ऐसी हरकत करता है। इस मामले में एक अन्य टीचर में परिजनों को सूचित किया जिसके बाद परिजनों की शिकायत पर बेसिक शिक्षा अधिकारी ने जाँच कर संविदा पर पढ़ा रहे टीचर सहायक अध्यापिका शाजिया खान और प्रधानाचार्य अनिल कुमार के खिलाफ मामला दर्ज कराया बेसिक शिक्षा अधिकारी कुमार गौरव ने बताया, प्रधानाचार्य और सहायक अध्यापिका को सस्पेंड कर दिया गया है। टीचर की सेवा समाप्त करने की कार्रवाई की जा रही है।पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी कंप्यूटर टीचर मोहम्मद अली, सहायक अध्यापिक शाजिया खान और प्रधानाचार्य

डीएम के निर्देश पर कड़ी कार्यवाही कंप्यूटर अनुदेशक की संविदा समाप्त

माध्यमिक विद्यालय रायपुर खुर्द ददरौल शाहजहांपुर में छात्राओं के साथ कंप्यूटर अनुदेशक द्वारा अभद्रता किए जाने के प्रकरण में जिलाधिकारी के निर्देश पर कड़ी कार्यवाही की गयी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि प्रभारी अध्यापक अनिल कुमार और सहायक अध्यापिका श्रीमती शाजिया को मामले को संज्ञान में ना लाने और तथ्यों को छिपाने के आरोप में निलंबित किया गया। कंप्यूटर अनुदेशक मोहम्मद अली की संविदा समाप्त कर दी गयी है। उक्त तीनों लोगो के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोपियो को पुलिस द्वारा गिरफ्तार भी किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी ददरौल को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। विद्यालय एवं ग्राम में स्थिति सामान्य है।

अनिल कुमार के खिलाफधारा 354, पॉक्सो एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया गया पुलिस ने सोमवार को आरोपी कंप्यूटर टीचर को गिरफ्तार कर लिया।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सदस्य ने किया बाल विद्यालय का निरीक्षण, जानी हकीकत

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी ने डीपीओ संजय कुमार निगम के साथ सोमवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय राजापुर का औचक निरीक्षण कर जमीनी हकीकत जानी। उन्होंने वहां की न केवल मूलभूत आवश्यकताओं की पड़ताल की बल्कि शैक्षिक गुणवत्ता परखी। सदस्य द्वारा पूंछे गए सवालों का बालिकाओं ने बेबाकी के साथ जवाब दिया। उन्होंने शैक्षिक गतिविधियोंए भोजन आदि की व्यवस्थाओं का भली.भांति जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने शिक्षिकाओं को निर्देश दिया कि बालिकाओं को रचनात्मक व सुरुचिपूर्ण ढंग से पढ़ाए। उन्होंने बालिकाओं सिर्फ कई प्रश्न करके उनकी शैक्षिक गुणवत्ता जांची। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की उपस्थिति स्टॉक सहित विभिन्न पंजिकाओ का अवलोकन करके संबंधित को जरूरी निर्देश दिए।उन्होंने निर्देश दिए कि बालिकाओं को गुणवत्ता वाला पौष्टिक भोजन परोसा जाए। बालिकाओं की सभी मूलभूत आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखा जाए। आयोग के सदस्य ने बीएसए को निर्देश दिया कि विद्यालय का भवन छोटा और सकरा है। इसके लिए अतिरिक्त कक्ष की व्यवस्था की जाएए ताकि बालिकाओं को किसी प्रकार की असुविधा ना हो। सोमवार को उप्र राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग सदस्य श्याम त्रिपाठी ने जिला चिकित्सालय ओयल में व्यवस्थाओं को देखा। मरीजों से संवाद करते हुए स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद आयोग के सदस्य जिला अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचे। उन्होंने इमरजेंसी में स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी ली। इसके बाद ओपीडी में डॉक्टरों और स्टाफ की मौजूदगी को परखा। यह भी देखा कि स्वास्थ्य विभाग मरीजों के इलाज को लेकर कितना गंभीर है। कई मरीजों से इलाज और दवा की उपलब्धता के बारे में पूछा। मरीजों ने जवाब हां में दिया तो आगे बढ़ गए।आयोग के सदस्य ने सीएमएस से स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में जानकारी ली एवं जरूरी निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ जिला प्रोवेशन अधिकारी संजय कुमार निगम मौजूद रहे।

सम्भावित बाढ़ के मद्देनजर तैयार करें कारगर और प्रभावी कार्य योजना: डीएम

बाढ़-सूखा से निपटने को लेकर जिलाधिकारी ने की बैठक, दिए निर्देश

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

खीरी में संभावित बाढ़ए सूखा की स्थिति से निपटने के लिए डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने अफसरों के साथ सोमवार को सम्बन्धित विभागों द्वारा की जाने वाली तैयारियों के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट में बैठक ली। डीएम ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाढ़ से सम्बन्धित अपने.अपने विभाग की कार्ययोजना बना ले। जिससे संभावित बाढ़ के दौरान राहतए बचाव कार्यों के प्रभावी संचालन हेतु कार्ययोजना को अन्तिम रूप दिया जाए। जिले में संभावित बाढ़ की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए डीएम ने सभी सम्बन्धित एसडीएम को निर्देश दिया कि बाढ़ चौकियोंए बाढ़ राहत केन्द्रोंए बाढ़ शरणालयोंए लंगर स्थलों के चयनए तहसील अन्तर्गत उपलब्ध सरकारी व गैर सरकारी नावोंए मल्लाहोंए गोताखोरो की उपलब्धता का जायजा लेकर प्रभावी कार्ययोजना तैयार की जाए। पुलिस विभाग को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ के दौरान कानूनए शान्ति व्यवस्था के दृष्टिगत प्रभावी पेट्रोलिंग के साथ.साथ आपातिक स्थिति में एनडीआरएफ व फ्लड पीएसी से समन्वय के लिए कार्ययोजना तैयार कर लें। बाढ़ राहत सामग्री के टेंडर की प्रगति जानी, जरूरी निर्देश दिए। बैठक में डीएम ने राहत कैंप की स्थापना व संचालन, बाढ़ चौकियों की व्यवस्था, नियंत्रण कक्ष, संचार व्यवस्था, बांधो के अनुरक्षण, मरम्मत, रखरखाव एवं बाढ़ सुरक्षा समितियों के गठन, नावों की व्यवस्था, वाहनों का अधिग्रहण, रपटो पर निर्मित गाइड पोस्ट की मरम्मत, पेंटिंग करवाना, ईटभट्ठा के गड्ढों पर चेतावनी बोर्ड लगवाना, घाटों पर नाव व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, चिकित्सा व्यवस्था, पशु चिकित्सा समेत आपदा मित्र एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से ली जाने वाली सहायता पर मंथन किया। बाढ़ से पूर्व प्रभावित क्षेत्रों में लोगों के उपचार, टीकाकरण, फागिंग, एण्टीलार्वा का छिड़काव, बाढ़ के दौरान, बाढ़ के उपरान्त संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक दवाओं, एण्टी स्नेकवेनम तथा अन्य लॉजिस्टिक हेतु समय से कार्ययोजना तैयार के लिए सीएमओ को निर्देशित किया। बैठक में एडीएम को निर्देश दिया कि संभावित बाढ़ के दौरान राहत सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कारगर एवं प्रभावी कार्ययोजना तैयार करें। बाढ़ के दौरान प्रभावित क्षेत्रों स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था के लिए जलनिगम, बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों के लिए स्वच्छ शौचालय की व्यवस्था हेतु डीपीआरओ, बाढ़ से पूर्व प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं का टीकाकरण तथा उपचार हेतु स्वास्थ्य कैम्पों का आयोजन तथा दौरान-ए-बाढ़ पशुओं के लिए चारा-भूसा की उपलब्धता हेतु सीवीओ को प्रभावी कार्ययोजना तैयार किये जाने के निर्देश दिए। अधिशासी अधिकारी बाढ़ खंड राजीव कुमार ने बांधो के अनुरक्षण, मरम्मत, रखरखाव एवं बाढ़ सुरक्षा पर पीपीटी प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। बैठक में डीएफओ सुंदरेशा, एडीएम संजय कुमार सिंह, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता, एसडीएम, तहसीलदार, ईई (बाढ़ खंड) राजीव कुमार, ईई (सिंचाई) राम बहादुर, डीपीआरओ, सीवीओ, नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारी सहित सभी संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

आरटीई के अन्तर्गत निजी विद्यालयों में चयनित बच्चों को 5 दिन के भीतर प्रवेश दें

जिलाधिकारी ने किया निर्देशित

संवाददाता। शाहजहाँपुर

डीएम उमेश प्रताप सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में निःशुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में डीएम ने आरटीई के अन्तर्गत निजी विद्यालयों में चयनित बच्चों के प्रवेश दिये जाने की प्रगति की समीक्षा की। निर्देश दिये कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सभी चयनित बच्चों की सूची सम्बन्धित विद्यालयों को तत्काल उपलब्ध करा दी जाये। सभी निजी विद्यालयों के प्रधानध्यापकों / प्रबन्धकों को डीएम ने कड़े निर्देश दिये कि चयनित बच्चों के अभिभावकों से तत्काल सम्पर्क स्थापित करते हुये 05 कार्यदिवस के भीतर बच्चों का प्रवेश कराना सुनिश्चित करें। कहा कि जिन बच्चों के अभिभावकों द्वारा प्रवेश कराने से मना किया जाये उनसे लिखित रूप में इस आशय का घोषणा पत्र अवश्य प्राप्त कर लिया जाये, जिससे रिक्त स्थानों के सापेक्ष अन्य गरीब बच्चों को लॉटरी के माध्यम से चयनित किया जा सके। उन्होने कहा कि चयनित छात्रों को प्रवेश प्राप्त करने में कोई असुविधा न हो यह सुनश्चित किया जाये। डीएम ने कहा कि यह सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना है जो गरीब बच्चों को बेहतर शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित की जा रही है, इसलिये इसमें सभी अपना सहयोग करें तथा समाज को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे। उन्होंने चेतावनी देते हुये कहा कि शिकायत प्राप्त होने पर सम्बन्धित को नोटिस जारी करते हुये सुधार न होने की दशा में कड़ी विधिक कार्यवाही की जा सकती है। बैठक के दौरान डीएम ने समस्त प्रधानध्यापकों / प्रबन्धकों को निर्देश दिये कि विद्यालय में बच्चों के परिवहन हेतु लगायी गयी बसों का फिटनेस जांच अवश्य करा लें तथा असुरक्षित वाहनों को कदापि प्रयोग न करें। उन्होंने यह भी चेताया कि यदि विद्यालय प्रबन्धन की लापरवाही के कारण कोई दुर्घटना घटित होती है तो दोषियों के विरूद्ध कड़ी विधिक कार्यवाही की जायेगी। उन्होने विद्यालय कर्मचारियों पर नियमित रूप से निगरानी रखने के निर्देश दिये। विद्यालयों में सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने हेतु भी निर्देशित किया। बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकरी श्याम बहादुर सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कुमार गौरव सहित सम्बन्धित अधिकारी एवं निजी विद्यालयों के प्रधानाचार्यध्प्रबन्धक उपस्थित रहे।

क्विक न्यूज

बाल संरक्षण आयोग के सदस्य ने ली अफसरों की बैठक

लखीमपुर खीरी। उप्र राज्य बाल संरक्षण आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी ने अपने एक दिवसीय जनपद भ्रमण कार्यक्रम के दौरान सोमवार शाम कलेक्ट्रेट में अफसरों की बैठक लीए संबंधित को जरूरी निर्देश निर्देश दिए। बैठक की अध्यक्षता करते हुए आयोग के सदस्य श्याम त्रिपाठी ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ दिलाए जाने के लिये सम्बन्धित अधिकारियों से योजनाओं के बारे में विस्तृत चर्चा की। आयोग के सदस्य के पूछने पर डीपीओ संजय निगम ने बताया कि सीएम बाल सेवा योजना के तहत 102 लाभार्थियों को चार हजार की मासिक पेंशन दी जा रही। वही 32 लाभार्थी बच्चों को लैपटॉप वितरित किए। सीएम बाल सेवा योजना सामान्य के तहत 803 लाभार्थी बच्चों को 2500 प्रति माह उनके खाते में अंतरित की जा रही है। एक युद्ध नशे के विरुद्ध अभियान के तहत 2031 पहरी क्लब का गठन किया गया। बीएसए ने शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत प्रथम चरण में 185ए द्वितीय चरण में 188 बच्चों को विभिन्न निजी स्कूलों में निशुल्क शिक्षा के लिए प्रवेश दिलाया गया। नशीली दवाओं की मानिटरिंग के साथ.साथ रोकथाम के लिए मेडिकल स्टोर्स पर 442 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए। कोटपा एक्ट के प्रचार प्रसार के लिए होल्डिंग्स भी लगाई गई।

गाड़ी के अन्दर धूम्रपान न करने, पायदान एवं छत पर यात्रा न करने का दिया संदेश

बरेली। पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर मंडल के संरक्षा विभाग के तत्वावधान में कासगंज स्टेशन परिसर एवं समपार पर जनजागरुकता अभियान के तहत भारत स्काउट एवं गाइड के पटेल स्काउट ग्रुपध्कासगंज द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से रेल यात्रियों एवं जनसाधारण को यात्रा के दौरान ज्वलनशील पदार्थ न ले जाने, गाड़ी के अन्दर धूमपान न करनें, ट्रेन के पायदान एवं छत पर यात्रा न करने, स्टेशन पर प्लेटफार्म बदलते समय फुट ओवर ब्रिज का प्रयोग करने, बन्द समपारों को अनाधिकृत रुप से पार न करने, रेलवे ट्रैक के किनारे मवेशियों को न चराने के सम्बन्ध में जागरुक किया गया। इस सम्बन्ध में वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी नीतू ने बताया कि संरक्षा विभाग द्वारा मंडल में इस प्रकार के कार्यक्रम अन्य स्टेशनों पर भी निरन्तर चलाये जाते रहेंगे।

बेसहारा पशु कर रहे फसलें बर्बाद, कार्रवाई की मांग

मोहम्मदी खीरी। क्षेत्र में बेसहारा घूम रहे जानवरों के द्वारा किसानों की तमाम फसलें बर्बाद की जा रही हैं। जिससे परेशान होकर अधिवक्ता ने जिलाधिकारी को पत्र के माध्यम से कार्रवाई करने की मांग की है। अधिवक्ता मनमोहन शुक्ला ने जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती पत्र में कहा है कि गांव में इस समय लगभग 800 छुट्टा जानवर है। जिससे गन्नाए गेहूं आदि की फसलें नष्ट हो रही हैं। आरोप है कि कई बार तहसील दिवस पर भी प्रार्थना पत्र दिए लेकिन कोई भी अधिकारी इस संबंध में ध्यान नहीं दे रहा है। इन जानवरों ने उनकी लगभग एक एकड़ गन्ने की फसल भी नष्ट कर दी है। मांग है कि खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया जावे कि शीघ्र इन जानवरों को गौशालाओं में भिजजाने का आदेश पारित कर कार्रवाई को अमल में लाया जाए।

मातृ सम्मेलन का किया गया आयोजन

मोहम्मदी-खीरी। अस्तल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज मे मातृ सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मातृभारती की अध्यक्ष पूनम रस्तोगी व उपाध्यक्ष निशी शुक्ला तथा विद्यालय के प्रधानाचार्य पवन कुमार वर्मा ने मां सरस्वती की वंदना के पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। जिसमें भैया बहनों ने अनेकों कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा मदर्स डे के अवसर पर भैया बहनों ने अपनी माताओं के साथ फरूट चाट की कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें सभी भैया बहनों ने हर्षोल्लास के साथ कार्यक्रम मे भाग लिया। इस अवसर पर शिशु वाटिका प्रमुख सिमरनए संचालिका गीतांजलिए सौरभ तथा विद्यालय के समस्त आचार्य बहने व आचार्य बंधु उपस्थित रहे। विद्यालय के प्रबंधक गुलशन कुमार मसीन ने कार्यक्रम में आई हुई बहनों का आभार व्यक्त किया।

टॉपरों ने नाम किया रोशन

अयोध्या। आकाश बायजूसए ने अयोध्या से कक्षा 10वीं के 4 छात्रों और 12वीं के 2 छात्रों की असाधारण शैक्षणिक उपलब्धि की घोषणा की है। इन छात्रों ने कक्षा 10 और बारहवीं में कुल मिलाकर 90 प्रतिशत और उससे अधिक अंक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ;सीबीएसईद्ध परीक्षा 2023। में प्राप्त किए हैं। 10वीं कक्षा के सम्यक यादवए प्रियांशु श्रीवास्तव और रिचा यादव ने क्रमशरू 95, 93.4 और 92.6 प्रतिशत अंक हासिल किए जबकि 12वीं कक्षा की अनुज्ञा सिंहए गार्गी मिश्रा और आदित्य राज पांडे ने क्रमशरू 93.6 और 92.8 प्रतिशत अंक हासिल किए। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों की समृद्ध सलाह और मार्गदर्शन को दिया है। आकाश बायजूस के डॉ एचआर राव क्षेत्रीय निदेशक ने छात्रों को उनकी उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए बधाई दी।

अब अनुभव करेंगे साझा

लखनऊ। एक्सपीरियंस अबू धाबी ने डेस्टिनेशन ब्रांड एंबेसडर के रूप में रणवीर सिंह के साथ ऑफिशियल तौर पर साझेदारी की घोषणा की है। यह विज़िटर्स को विभिन्न प्रकार के अनुभवों का लुफ्त उठाने के लिए प्रेरित करेगा। इस दो साल की साझेदारी के दौरान रणवीर न सिर्फ अपनी छुट्टियों के हाइलाइट्स साझा करेंगे, बल्कि यात्रियों को अबू धाबी में विभिन्न प्रकार के अनुभवों और आईएमए अबू धाबी ग्रैंड प्रिक्स व अबू धाबी एनबीए गेम्स सहित इवेंट्स के एक्शन से भरपूर कैलेंडर से डेस्टिनेशन की हर एक पेशकश का आनंद लेने के लिए आमंत्रित करेंगे।

स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय में दो दिवसीय वेबिनार

शाहजहाँपुर। स्वामी शुकदेवानन्द विधि महाविद्यालय, शाहजहाँपुर के द्वारा दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय वेबिनार ''उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशोंकी नियुक्ति की कोलेजियम प्रणाली की युक्तिसंगतता'' पर आयोजित किया गया। जिसमें समापन के मुख्य वक्ता प्रो0 ऐ0 के0 अवस्थी, ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद 124(2) के अन्तर्गत प्रावधान एवं न्यायिक निर्णयों एस0पी0 गुप्ता बनाम भारत संघ, 1981 सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट आन रिकार्ड 1993 और इन0री0 कोर्ट विल 1998 के आलोक में राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग 2014 एवं 99वें संविधान संशोधन की विस्तार पूर्वक विवेचना की। उन्होंने यह विचार व्यक्त किया कि न्याय पालिका की निष्पक्षता तभी सम्भव है जब न्यायाधीशों की नियुक्ति पारदर्शी तरीके से की जाये। जिसके लिए आवश्यक है कि राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग विभिन्न कारकों से प्रभावित न हो। विशिष्ट वक्ता डॉक्टर विकेश राम त्रिपाठी, असि0 प्रो0 विधि संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ने 99वां संविधान संशोधन एवं राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग के संदर्भ में प्रकाष डालते हुए कहा कि न्यायाधीशों नियुक्ति के संदर्भ में जो आयोग 2014 में लाया गया था उसके कुछ प्रावधानों को असवैधानिक घोषित नहीं किया जाना चाहिए।

डॉग स्क्वायड वन विभाग व एसएसबी ने की रूटीन गश्त

संवाददाता। बेलरायां-खीरी

उत्तर निघासन रेंज बेलरायां व सशस्त्र सीमा सुरक्षा बल तृतीय वाहिनी के जवानों ने आज संयुक्त पेट्रोलिंग की जिससे अराजक तत्वों व वन माफियाओं में हड़कंप मचा रहा इसके साथ ही ग्रामीणों को वन संपदा का मानव जीवन में महत्व को समझाया वन संपदा को नुकसान न पहुंचाने की हिदायत दी। दुधवा टाइगर रिजर्व बफरजोन उत्तर निघासन रेंज के क्षेत्रीय वनाधिकारी बलवन्त बहादुर सिंह के कुशल दिशा निर्देश में आज वन रक्षक श्याम सिंह की अगुआई में दीपनगर वन ब्लाक तीन से किशन नगर वन ब्लाक तीन तक एसएसबी के जवानों व डॉग स्क्वायड की टीम के साथ पैदल सयुंक्त पेट्रोलिंग की इस मौके पर वन टीम में वन रक्षक श्याम सिंहएसत्येन्द्रए संदीप सहित एसएसबी के जवान एसआई टीसी रोजा कांस्टेबल मदन कुमारए दीपक प्रधानएशुधाबनी अरुणएबी सन्तोषए कोया रमन व डाक स्कॉयड टीम मौजूद रही। वहीं रेंजर बलवन्त बहादुर सिंह ने बताया कि वन संपदा को नुकसान पहुंचाने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नही जाएगा।

उरूज आलम ने सभासदी में दी मोहम्मद अफजल को शिकस्त

निकाय चुनाव में दोनो पूर्व अध्यक्षों ने एक ही वार्ड से अपनी-अपनी पत्नियों को अध्यक्ष पद के लिए मैदान में उतारा

संवाददाता। सीतापुर

सत्ता का मोह ऐसा होता है की अपने अपनों के खिलाफ चुनावी मैदान में दो-दो हाथ ही नहीं होते हैं बल्कि चेयरमैन पद का स्वाद चखने के बाद भी सभासद पद का चुनाव लड़ने से गुरेज नहीं किया जाता। कुछ ऐसा ही हाल सीतापुर की सबसे छोटी निकाय नगर पंचायत पैंतेपुर से सामने आया है। बताते चलें कि नगर पंचायत पैंतेपुर उरूज आलम और मो. अफजल दोनों लोग एक- एक बार चेयरमैन रह चुके हैं फिर से दोनो कुर्सी की जंग लड़ने की तैयारी किए हुए थे कि इसी बीच आए आरक्षण ने जब इनकी चुनाव लड़ने की राह रोक दी तो दोनो लोग अपनी-अपनी पत्नियों को मैदान में ले आए। उरूज आलम ने जहां अपनी पत्नी जैनब जहां को मैदान में उतारा तो मो. अफजल ने अपनी फिरदौस जहां को मुकाबले में उतारने में देर नहीं की। धुआंधार मुकाबला शुरू हुआ, इसमें रोचकता तब आयी जब दोनो पूर्व चेयरमैन एक ही वार्ड बरातीपुर से सभासद पद के लिए आमने-सामने के मुकाबले का दावा ठोक दिया। अब कुर्सी की जंग देखिए दोनो चेयरमैन की पत्नी बड़ी कुर्सी की जंग में आमने- सामने हो गयी तो दोनो के शौहर छोटी कुर्सी यानि सभासद के लिए आमने-सामने थे। केवल 11 वार्डों वाली इस नगर पंचायत में 10 हजार 980 मतदाता दर्ज थे। जिसमें से 7108 मतदाताओं ने मतदान किया। अभी 13 मई को नतीजे आए तो पूर्व चेयरमैन उरूज आलम बरातीपुर से सभासद बन गए। जबकि उनकी पत्नी जैनब जहां को जनता ने अपना चेयरमैन चुन लिया है। उधर मोहम्मद अहमद और उनकी पत्नी फिरदौस जहां दोनों को हार मिली है। लिहाजा उनका हाल खुद ही मिला न बिसाले सनम वाला बनकर रह गया है। यहां बताते चलें कि नगर पंचायत पैंतेपुर में इस बार अध्यक्ष पद की सीट ओबीसी महिला के लिए आरक्षित हो गयी तो पूर्व चेयरमैन उरूज आलम कि पत्नी जैनब जहां को भाजपा ने अपना सिंबल दिया था लेकिन जैनब जहां ने अपना नामांकन पत्र बीजेपी के सिम्बल पर न जमा कर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया था।

डीओ धौरहरा ने निरीक्षण में खामियां मिलने पर लगाई ग्रामनिधि खाता पर रोक

संवाददाता। धौरहरा.खीरी

खंड विकास अधिकारी धौरहरा और पशु चिकित्साधिकारी ने गोशाला का औचक निरीक्षण किया। तमाम खामियां पाई गई साफ सफाई का ध्यान नहीं रखा गया ।चारो तरफ गंदगी पाई गई । दैनिक रजिस्टर को अपडेट नही किया गया। बीडीओ ने सचिव और प्रधान को संख्त हिदायत दी कि सभी गायों को सुबह 9 बजे और शाम को चन्नी मे भूषा हरे चारे के साथ दिया जाये। और पंचायत सहायक बबुरी को मौके पर बुलाकर निर्देशित किया गया कि प्रतिदिन गोशाला जाकर 9बजे सुबह एवं शाम 4बजे की फोटो जिओ टैग के साथ अधोहस्ताक्षरी एवं सचिव तथा पशु चिकित्सा अधिकारी को प्रत्येक दिवस दिखाकर उबलब्ध करायेंगे। इसमे किसी प्रकार की शिथिलता बरदाश्त नहीं की जायेगी।और पंचायत सचिव को निर्देशित किया कि दूसरे दिन गोशाला का औचक निरीक्षण करते हुए कड़ाई से पालन करे। और मौके पर स्टाक रजिस्टर तथा गोबर खाद की बिक्री के बारे जानकारी चाही तो तो खाद बिक्री की जानकारी उपलब्ध नहीं कि कितनी गोबर खाद बिक्री की गई ।जिसकी सूचना तुरंत उपलब्ध कराने को निर्देश दिये गये।सभी सूचना को ब्लाक एकाऊटेंट तथा सहायक अधिकारी पंचायत को उपलब्ध कराई जाये। जबतक ये अभिलेख अद्तन करके उपलब्ध नही कराये जाते है तबतक ग्राम पंचायत बबुरी के ग्राम निधि के खाते पर रोक लगाई जाती है। समस्त ग्राम पंचायत बबुरी के मजरे का सत्यापनण् किया गया ।जिसमें गोशाला बबुरी से 67 गायें जो सुपुर्द की गई थी उसमे 10 गायें ही उपस्थित मिली। इससे यह प्रतीत होता है कि जिन गायों की सुपुर्दगी दी गई है।या तो छोड दिया गया है।सभी संबंधित व्यक्तियों को नोटिस जारी करते हुए कहा की यदि सरकारी धन का दुरुपयोग किया गया है तो वसूली हेतु वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिये गये और प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अन्तर्गत कुछ आवासो का रेंडम आधार पर निरीक्षण किया गया। जिसमे कुल 4आवासों मे दो आवासो की छत नहीं पडी और प्लास्टर भी नही किया गया है। सचिव को तत्काल इस विसेष ध्यान देते हुए आवासों को पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है।

राहगीर से हुई लूट का पुलिस ने किया खुलासा

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

थाना कोतवाली सदर क्षेत्र के ग्राम रवि कॉलोनी शारदा नहर पर बाइक सवार राहगीर के साथ लूट हुई थी। लूट का कोतवाली सदर पुलिस द्वारा घटना के 2 दिन बाद सोमवार को खुलासा कर दिया गया है। बदमाशों के पास से लूटे गए 6 हजार रुपए, 2 एंड्राइड फोन व घटना में उपयोग की गई बाइक भी बरामद की है। 13 मई की शाम लगभग 4:30 बजे विदुर वर्मा निवासी तंबौर जिला सीतापुर लखीमपुर से वापस तंबौर बाइक से जा रहे थे। विदुर वर्मा की बाइक को रोककर उनसे बदमाशों ने 6 हजार रुपए 2 एंड्राइड फोन 3 बदमाशों ने मिलकर चाकू व तमंचे के बल पर लूट लिए। घटना की जानकारी पीड़ित ने कोतवाली लखीमपुर सदर पहुंचकर दे दी। विदुर वर्मा पीड़ित की तहरीर पर लूट का मुकदमा कोतवाली लखीमपुर में दर्ज किया गया कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। मोबाइल लोकेशन की मदद से कोतवाली पुलिस ने 3 बदमाशों को लूट के मोबाइल व नगदी के साथ गिरफ्तार कर लिया है। कोतवाल सदर ने बताया 13 मई को शारदा नहर के पास लूट की घटना को अंजाम दिया गया। पीड़ित की तहरीर पर 14 मई को मुकदमा लूट का दर्ज कर लिया गया। बदमाशों ने अपना नाम पुष्प कुमार उर्फ पुष्पू पुत्र त्रिभुवन वर्मा निवासी ग्राम रूखिया थाना खीरी, लवकुश शुक्ला पुत्र राम भूखन निवासी कुरैया धारा थाना सदरए मनीष गौड़ पुत्र सतीश गौड़ निवासी उपरोक्त बताया है।

दिव्यांग बच्चों ने राज्यपाल और कुलपति को भेंट कीं स्केच पेंटिंग एवं धार्मिक पुस्तकें

संवाददाता। बरेली

दिशा इंटर कालेज, मुड़िया अहमद नगर जो कि दिव्यांग बच्चों का विद्यालय है। मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल उत्तर प्रदेश आनंदीबेन पटेल एवं विशिष्ट अतिथि एम जे पी आर यू के कुलपति के पी सिंह उपस्थित रहे। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष पुष्पलता गुप्ता द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल महोदया और विशिष्ट अतिथि एम जे पी आर यू के कुलपति को दिव्यांग बच्चों द्वारा स्केच पेंटिंग एवं धार्मिक पुस्तकें दी गई। इस अवसर पर राडन्ड टेबिल बरेली के सदस्यों द्वारा राज्यपाल महोदया को मोमेंटो भेंट किया गया। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि द्वारा बच्चों को आर्शीवचन दिये गये।इस अवसर पर अध्यक्ष पुष्पा गुप्ता, सचिव डॉ रजनी अग्रवाल, कोषाध्यक्ष भरत अग्रवाल, समिति के सदस्य एवं राउण्ड टेबिल के सदस्य, विद्यालय के प्रधानाचार्य राहत हुसैन एवं समस्त स्टाफ उपस्थित रहे।

दोआबा की धरती पर बनेगा विश्व का सबसे ऊंचा गंगा मंदिर

- डिप्टी सीएम समेत कई कैबिनेट मंत्रियों ने भूमि पूजन कर किया शिलान्यास
- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से 110 देशों को दी वैक्सीन: बृजेश पाठक

संवाददाता। फतेहपुर

दोआबा की धरती पर भृगु ऋषि की तपोभूमि में संकल्प सिद्धि धाम महर्षि भृगु ज्योतिष शोध पीठ भिटौरा में विश्व के सर्वाधिक ऊंचे गंगा मन्दिर उत्तर वाहिनी गंगा घाट भिटौरा में मंदिर निर्माण के लिए वैदिक रीति रिवाज से भूमि पूजन कर फावड़ा से खुदाई एवं शिलान्यास की आधारशिला उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक, केंद्रीय कैबिनेट मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय, कैबिनेट मंत्री जल शक्ति, आपदा प्रबंधन, नमामि गंगे स्वतंत्र देव सिंह, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री भारत सरकार साध्वी निरंजन ज्योति, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक खागा कृष्णा पासवान, विधायक जहानाबाद राजेन्द्र सिंह पटेल, विधायक बिन्दकी जय कुमार जैकी, भाजपा जिलाध्यक्ष आशीष मिश्रा, स्वामी अखिलेश्वर दास जी महाराज सहित अन्य पदाधिकारियों, अधिकारियों की उपस्थिति में रखी गयी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित करके किया। कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत सांसद/केन्द्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने रुद्राक्ष की माला पहनाकर व तुलसी का पौधा, बुके, अंगवस्त्र देकर किया। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि यह धरती वीर योद्धा ठा0 दरियाव सिंह, जोधा सिंह अटैया, गणेश शंकर विद्यार्थी, सोहन लाल द्विवेदी की पुण्य जन्मस्थली में संकल्प सिद्धि धाम का निर्माण हो रहा है, यह संस्कार और सेवाओं का केन्द्र बनेगा, कुछ देश अपनी सभ्यता को बनाये रखे है। जिसमे भारत देश का नाम अपनी सभ्यता को अनवरत बनाये रखने की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश में सेवा व सुशासन का मॉडल बन चुका है। वर्ष 14 के बाद से देश में श्रीराम मन्दिर, बाबा विश्वनाथ काशी कॉरिडोर, माँ विंध्यवासिनी आदि को विकसित किया गया है। जो धर्म और संस्कार का परिचय देते है। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि हमारी संस्कृति के साथ सभ्यता से जुड़ी है, भागीरथी ने अपने पूर्वजों को तारने के लिए माँ गंगा को धरती पर लाये है, भगवान शिव ने माँ गंगा की गति को संभाला। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में कोरोनकाल में वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से एक सौ दस देशों को वैक्सीन दिया। यह संकल्प सिद्धि धाम संस्कार के केन्द्र के रूप में उभरेगा और एक मनोरम स्थल बनेगा। सांसद/केंद्रीय ग्रामीण विकास राज्यमंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने कहा कि संकल्प से सिद्धि की ओर जाना हमारे प्रधानमंत्री का जो सपना है वह पूरा होगा। फतेहपुर की तपोभूमि में यह संस्कार की पूँजी इस धाम के माध्यम से विकसित होगी और फतेहपुर का नाम पूरे विश्व में विकसित होगा। कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि यह आस्था व विश्वास का केंद्र रहेगा, जो युगों-युगों तक नागरिको को संस्कार व सभ्यता का परिचय देगा। हमारी सरकार ने स्वच्छता अभियान चलाया। जिसमे प्रधानमंत्री ने स्वच्छता के नायक, सफाईकर्मी का पैर धोकर अपने संस्कार का परिचय दिया। जाति, धर्म, भेदभाव, वंशवाद को त्यागकर योग्यता के आधार पर चयन होता है। देश का उत्थान हमारे संस्कार से ही होता है। स्वामी अखिलेश्वर दास महाराज व ऑनलाइन के माध्यम से जुड़कर चिदानंद सरस्वती जी महाराज (ऋषिकेश), मुख्य सचिव दुर्गा शंकर ने भी इस संबंध में अपने-अपने विचार व्यक्त किये। अंत मे रेवांताचल ट्रस्ट के एमडी डा0 मनोरमा पाण्डेय ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित कर साधुवाद दिया। इस अवसर पर पूर्व राज्यमंत्री रणवेन्द्र प्रताप उर्फ धुन्नी सिंह, पूर्व विधायक विक्रम सिंह, जिलाधिकारी श्रुति, मुख्य विकास अधिकारी सूरज पटेल, अपर जिलाधिकारी विनय कुमार पाठक, अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, ब्लॉक प्रमुख भिटौरा अमित तिवारी उपस्थित रहे।

यहां जल है पर नल में नहीं

- जल जीवन मिशन योजनाः टोटिंयों में नहीं आ रहा पानी

संवाददाता। चित्रकूट

मानिकपुर ब्लाक के कई गांवों में जल जीवन मिशन योजना के शुरूवाती दौर में ही गड़बड़घोटाला नजर आने लगा है। मानिकपुर ब्लाक के कई गांवों में कार्य पूर्ण होने के बाद भी जल नल तक नहीं पहुंच रहा हैं। कई जगह पर टोटियों की बजाय सीधे टंकी से ही पानी बह रहा है। सोमवार को मानिकपुर ब्लाक के कई गांवों में जल नल योजना में भ्रष्टाचार दिखाई दिया। कई गांवों में गुणवत्ताहीन निर्माण का खामियाजा ग्रामीण भुगतेंगे। पारदर्शिता के नाम पर टीएल बैठक में केवल बेहतर निर्माण के निर्देश की औपचारिकता अधिकारी गण निभा रहे हैं। निर्देशों का कोई असर नहीं हो रहा है। जल जीवन मिशन के तहत घरों तक पानी पहुंचने का सपना अधूरा नजर आ रहा है। शुद्ध पेयजल सुलभ कराने को केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जिले में सम्बन्धित विभाग (पीएचई) के अफसरों की लापरवाही एवं ठेकेदारों की मनमानी की भेंट चढ़ गई है। इससे यहां के ग्रामीणों को जलापूर्ति नहीं हो पा रही है। गांवों में जल जीवन मिशन योजना के तहत जिस पानी टंकी का निर्माण हुआ था, वह गुणवत्ता के अनुरूप नहीं है। इसका खामियाजा ब्लाक के गांवों में एक बूंद भी पानी जल जीवन मिशन योजना के नल से नही आ रहा हैं। ग्रामीणों ने बताया कि भ्रष्टाचार के चलते गांव का विकास नहीं हो पा रहा है। सरकार की कोई योजना धरातल में नहीं उतर रही, क्योंकि सभी गांवों में भ्रष्टाचार हो रहा हैं। इसके चलते गांव का विकास नहीं हो पा रहा है।

हज यात्रियों को टीका लगा कर किया गया प्रतिरक्षित

संवाददाता। फर्रुखाबाद

जिले के अंगूरी बाग स्थित ग्रीन गार्डन में स्वास्थ्य विभाग द्वारामुख्यचिकित्साअधिकारी डॉ अवनींद्र कुमार के दिशा निर्देशन में सोमवार को स्वास्थ्य शिविर लगाकर हज यात्रा पर जाने वाले 95 हज यात्रियों का टीकाकरण जिला मिल्ली खुदामुल हुज्जाज कमेटी के सहयोग से किया गया। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ प्रभात वर्मा ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार हज को जाने वाले सभी यात्रियों को मेनिंजाईटिस सीजनल इंफ्लुएंजा का टीका लगाया गया, साथ ही पोलियो की खुराक पिलाई गइ। इसके अलावा यात्रा के दौरान कई जरूरी जानकारी के लिए प्रशिक्षण भी दिया गया। सिविल अस्पताल लिंजीगंज से चिकित्सक डॉ नवनीत गुप्ता ने कहा कि इस टीकाकरण शिविर में जिले भर से हज यात्री शामिल हुए। हज पर जानेवालेतीर्थयात्रियों को टीका लगाया गया और चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रमाण पत्र दिया गयाए डॉ नवनीत ने बताया कि 101 हज यात्रियों के टीके लगने थे जिसमें से 95 लोगो के टीके लगे शेष लोग शिविर में नहीं आएएवह सिविल अस्पताल लिंजीगंज आकर अपने टीका जरूर लगवा लें। हज ट्रेनर अता हुसैन ने बताया कि इस्लाम के 5 स्तंभों में हज यात्रा भी शामिल है। हज यात्रा उस व्यक्ति पर अनिवार्य है जिसके पास साधन होएजीवन में कम से कम एक बार इस जगह की यात्रा अवश्य करेंएउन्होंने कहा कि जो लोग इस बार हज पर जा रहे हैंए वे धन्य हैं। उन्होंने कहा कि हज यात्रा के दौरान अपने देश भारत में शांति और प्रेम कायम रहे इसके लिए विशेष प्रार्थना की जानी चाहिए।इस दौरान डवग्रान के रहने वाले हज यात्री 30 वर्षीय अब्दुल कलाम ने बताया कि हज करने से शवाव मिलता है। जीवन में एक बार तो सभी को हज यात्रा पर जाना चाहिए। मछली टोला की रहने वाली 49 वर्षीय हज यात्री रूखसाना ने बताया कि हज करने से जन्नत नसीब होती ह। साथ ही यह सीख भी मिलती है हमें गलत कामों से बचना चाहिए।इस मौके पर नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र साहवगंज की प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अंजुला गोस्वामी, आईओ अक्षय सेंगर, यूएनडीपी से मानव शर्मा,एएनएम आरती सैनी, किरनए स्टॉफनर्स शीतल,वंदनाए सुमन, रागिनी,फार्मासिस्ट रत्नेश, भगवान सिंहए डॉ मोहसिन और कमेटी के सदस्य नईम मौजूद रहे।

मां के प्रति छात्राओं ने अनूठे ढंग से किया प्रेम का इजहार

संवाददाता। जालौन

आनंदी बाई की छात्राओं ने अनोखे रूप में मातृ दिवस मनाया। छात्राओं ने मानव श्रृंखला बनाकर मां शब्द लिखा और मां के प्रति अपने प्रेम का इजहार किया। नगर में स्थित आनंदीबाई हर्षे बालिका इंटर कॉलेज की छात्राओं और शिक्षिकाओं ने ने मातृ शक्ति को नमन करके मानव श्रंखला के द्वारा मां शब्द लिखकर मां के प्रति अपने प्रेम को प्रदर्शित किया। इस अनोखी पहल को वहां मौजूद लोगों ने जमकर सराहा। प्रधानाचार्या सुनीता शर्मा ने कहा कि मां वह है जो हमें जन्म देती है, यही कारण है कि संसार में हर जीवनदायनी वस्तु को मां की संज्ञा दी गई है। यदि हमारे जीवन के शुरुआती समय में कोई हमारे सुख-दुख में हमारा साथी होता है तो वह हमारी मां ही होती है। मां हमें कभी इस बात का एहसास नही होने देती की संकट के घड़ी में हम अकेले हैं। इसी कारणवश हमारे जीवन में मां के महत्व को नकारा नहीं जा सकता है। प्रबंधिका संध्या हर्षे ने कहा कि मां शब्द में ही पूरी सृष्टि समाई है। हालांकि मां के लिए कोई एक दिन नहीं होता हर दिन मां का दिन है। लेकिन इस विशेष दिन को मां के प्रति प्रेम प्रदर्शित करना गौरवांवित कर देता है। उन्होंने अपने जीवन में सफलता पूरा श्रेय अपनी मां को दिया।

शराब कारोबारी चढ़ा पुलिस के हत्थे 40 लीटर महुआ शराब बरामद

संवाददाता। चित्रकूट।

पुलिस अधीक्षक वृंदा शुक्ला के निर्देश पर अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री की रोकथाम को जारी अभियान में पुलिस ने दो लोगों के कब्जे से 25 क्वार्टर देशी व 40 लीटर महुआ शराब व शराब बनाने के उपकरण तथा 40 किलो लहन बरामद किया है। सोमवार को सरधुआ थाने के दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी की टीम ने राजकरन पुत्र धनराज, खेरीपुरवा मजरा अरछा बरेठी को 40 लीटर महुआ शराब, शराब बनाने के उपकरण एवं 40 किलो लहन समेत गिरफ्तार किया है। बरामद लहन को मौके पर नष्ट किया गया। उसके खिलाफ थाने में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। टीम में दरोगा सत्यमपति त्रिपाठी, सिपाही दिनेश सिंह, महिला सिपाही रचना प्रजापति शामिल रहे। इसी क्रम में सीतापुर चौकी के दरोगा शौकत खां की टीम ने धर्मेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र विजय प्रसाद निवासी राघवपुरी के कब्जे से 25 क्वार्टर देशी शराब समेत गिरफ्तार किया है। उसके खिलाफ कोतवाली कर्वी में आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। टीम में दरोगा शौकत खां, सिपाही सुभम शर्मा, सिपाही सोमदेव शामिल रहे।

क्विक न्यूज

मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत में तीन घायल

पहाड़ी (चित्रकूट)। मोटरसाइकिल की आमने-सामने भिड़ंत में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये।जिन्हे पुलिस के सहयोग से इलाल के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया। मिली जानकारी के अनुसार थाना सरधुवा अन्तर्गत ग्राम बरेठी निवासी अनिल पुत्र बाबूलाल मोटरसाइकिल से अपनी पुत्री पूजा उम्र 15 वर्ष को छोडने ननिहाल सिकरिया गांव जा रहा था। तभी गेडुवा श्रमदान के पास नांदी गांव की ओर से शराब के नशे में चूर तीव्र गति से बाइक चलाकर आ रहे संतोष पुत्र बडेलाल निवासी रगौली कोतवाली कर्वी ने सामने से जोरदार टक्कर मार दी। जिससे तीनों लोग गिर पड़े व चुटहिल हो गये। घटना की सूचना पर प्रभारी निरीक्षक पहाड़ी नागेन्द्र कुमार नागर,उपनिरीक्षक राहुल पांडेय आदि तत्काल मौके पर पहुंच घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहाड़ी में इलाज के लिए भर्ती कराया।वहीं घायल अनिल की हालत ज्यादा गंभीर होने के चलते जिला चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया है।

तीन तलाक बोलकर घर से निकाल देने का आरोप

फतेहपुर। खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लाखीपुर नटडेरा में तीन तलाक का एक मामला सामने आया है। पीड़िता ने पति पर तीन तलाक बोलकर घर से निकाल देने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। एसपी को भेजे गये शिकायती पत्र में लाखीपुर नटडेरा गांव निवासी भोदल पुत्री शहीद ने बताया कि उसकी शादी सन 22 में गांव में ही कल्लू पुत्र नईम के साथ हुई थी। शादी के कुछ माह बाद उसका पति शराब पीकर मारपीट करने लगा और जुआं खेलने के लिए जबरन रूपये मांगता था। मना करने पर उसको मारता-पीटकर तलाक देने की धमकी देता था। पति की गैरमौजूदगी में जेठ उसके साथ छेड़छाड़ करता था। जब उसने पति से यह बात बताई को पति ने कहा कि जैसा उसका भाई करना चाहता है वैसा करो। सास सलीकुन, ससुर नईम पुत्र टिन्ना, ननंद गोल्ही, मौसी विमला को बताया कि उसको चुप रहने की धमकी दते हुए कहा कि किसी को कुछ बताओगी तो लड़के से कहकर तलाक दिला देंगे। किसी तरह अपने पड़ोसी के मोबाइल से पिता को फोन कर आपबीती बताई। जब पति को यह बात पता चली तो उसके साथ मारपीट करते हुए तीन तलाक देकर घर से निकाल दिया। वह पने पिता के घर चली गई। 13 अप्रैल 23 को खागा कोतवाली में शिकायती पत्र दिया लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ससुरालीजनों ने बुलेट गाड़ी व दो लाख रूपये दहेज लेकर आने की बात कही है।

रक्त की कमी को पूरा कर रहे सर्व फॉर ह्यूमैनिटी के सदस्य

फतेहपुर। जिला अस्पताल में भर्ती आफरीन पत्नी मो. अजहर निवासी ज्वालागंज की डिलीवरी हुई। डिलीवरी के दौरान रक्त की कमी के चलते मरीज को बी पॉजिटिव रक्त की आवश्यकता थी। जिले में रक्त की कमी के चलते मरीज के तीमारदार मो. अजहर परेशान थे। मो. अजहर ने सर्व फार ह्यूमैनिटी से सम्पर्क किया। सर्व फार ह्यूमैनिटी ग्रुप में केस डालते ही टीम के सदस्य गंगानगर निवासी राहुल कुमार जिला अस्पताल पहुंचे और अठाइसवा रक्तदान किया। वहीं दूसरे केस में अर्जुन मिश्रा पुत्र राम निरंजन मिश्रा जिले के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती हैं। मरीज को पीलिया व टायफाइड के कारण रक्त की कमी हो गयी। जिस पर मरीज के तीमारदार ने सर्व फार ह्यूमैनिटी से सम्पर्क किया। सर्व फार ह्यूमैनिटी टीम के सदस्य संदीप निवासी ज्वालागंज, श्याम रक्तकेन्द्र पहुंचे और रक्तदान किया। इस अवसर पर टीम से गुरमीत सिंह, अखिलेश चौहान, कपिल गुप्ता, नवनीत सिंह व रक्तकेन्द्रों से संतोष, नरेंद्र, प्रवीण प्रसून व जितेंद्र यादव उपस्थित रहे।

हज पर जाने वाले हज यात्रियों को प्रशिक्षण व टीकाकरण

कानपुर देहात। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी कानपुर देहात डा0 प्रियंका अवस्थी ने बताया कि जनपद कानपुर देहात से हज पर जाने वाले हज यात्रियों को प्रशिक्षण व टीकाकरण हेतु दिनांक 16ण05ण2023 को प्रशिक्षण केन्द्र अन्जुमन मदरसा जीनतुल इस्लाम अमरौधाए कानपुर देहात में प्रातः 09रू00 बजे से प्रशिक्षण व टीकाकरण कराना निश्चित किया गया है। अतः आप सभी हज यात्रियों से अनुरोध है कि प्रशिक्षण केन्द्र अन्जुमन मदरसा जीनतुल इस्लामाए अमरौधाए कानपुर देहात में उक्त तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर प्रशिक्षण व टीकाकरण कराने का कष्ट करें। उक्त के सम्बन्ध में किसी असुविधा हेतु हज प्रशिक्षक फहीम अहमद, स0अ0 मो0 9936106512 से वार्ता कर समस्या का समाधान कर सकते है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष को गाली गलौज करने पर मुकदमा

फतेहपुर। भाजपा के उत्तरी मंडल उपाध्यक्ष को सोशल साइट्स पर गाली गलौज करने के मामले में पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफरिपोर्ट दर्ज की है। सदर कोतवाली क्षेत्र के दक्षिणी मुराईन टोला निवासी अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि उसके फेसबुक अकाउंट पर साजिद यस खान नाम के युवक ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए गाली गलौज की। जिससे उसके सामाजिक प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है। भाजपा नेता ने मामले की शिकायत कोतवाली में की।

नवनिर्वाचित सभासदों व प्रतिनिधियों को पूर्व विधायक ने किया सम्मानित

संवाददाता। फतेहपुर

नगर निकाय चुनाव में अपने अपने वार्डों में भगवा लहराने वाले भाजपा सभासदों को पूर्व सदर विधायक विक्रम सिंह ने माला पहनाकर व मुंह मीठा कराकर सम्मानित किया। इस दौरान नवनिर्वाचित सभासदों से वार्डो की समस्याओ को दूर करने के लिये कार्य करने का आह्वान किया गया। सोमवार को जेल रोड स्थित पूर्व सदर विधायक विक्रम सिंह के कैम्प कार्यालय में नगर निकाय चुनाव में भाजपा के नव निर्वाचित सभासदों के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। नव निर्वाचित सभासदों में आवास विकास वार्ड से सभासद दीपक मौर्या, खम्भापुर से सभासद प्रतिनिधि दीपक नगर, हरिहरगंज वार्ड से सभासद अतीश पासवान, झाऊपुर से सुनीता लोधी, आबूनगर से सभासद प्रतिनिधि गुड्डू यादव, अस्ती से सभासद प्रतिनिधि पुष्पराज पटेल, सिविल लाइन से विनय तिवारी, मुराइन टोला ऋतिक पाल, शादीपुर से आशुतोष सिंह, देवीगंज से सभासद प्रतिनिधि दिनेश तिवारी, कलक्टरगंज से अवशेष जायसवाल, चंदियाना से संजय लाला श्रीवास्तव, ईसाइनपुरवा सुनील कुमार गुप्ता का माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके में अभिषेक शुक्ला, नीटू मिश्रा, वंदना द्विवेदी, नीतू सिंह, शैलेन्द्र रघुवंशी, रणधीर सिंह, मनोज द्विवेदी, मृत्युंजय सिंह, केपी सिंह, विशिष्ट दीक्षित, ऋषभ गुप्ता, हरीराम लोधी, बलकेश मिश्रा, अखिलेश चौहान, सुनील पासवान, अंकित मिश्रा कप्तान सिंह, सोनू सिंह प्रधान हरानापुर, राहुल मिश्रा, अभिषेक गौतम आदि मौजूद रहे।

हिस्ट्रीशीटर ने दारोगा को मारी गोली पुलिस मुठभेड़ में घायल, गिरफ्तार

संवाददाता। हमीरपुर

जिले में कुरारा क्षेत्र में कल देर रात हिस्ट्रीशीटर बदमाश ने दारोगा को गोली मारकर घायल कर दिया पुलिस ने सोमवार को मुठभेढ़ में बदमाश को गिरफ्तार कर लिया बदमाश के दोनो पैरो में गोली लगी है। जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के पतारा चौकी इंचार्ज सुरेंद्र सिंह दो सिपाहियो के साथ पतारा गांव में कल देर रात हिस्ट्रीशीटर बदमशा शंभू कुशवाहा के यहा दविश देने गये थे। शंभू सिंह गांव मे आतंक फैलाये था एक सप्ताह पहले तमंचे के बल पर एक दुकानदार को धमकाने का मामले सोशल मीडिया में चला था। कल वह परिवारिक शादी में शामिल होने आया था जैसे ही दारोगा गांव बदमाश को पकडने पहुचे तभी बदमाश में घात लगाकर दारोगा पर अवैध तमंचे से फायर झोक दिया जिससे गोली उनके दाहिने हाथ पर लगी जिससे वह बुरी तरह जख्मी हो गये यह देखकर पुलिस टीम में भगदड़ मच गयी। गंभीर हालत में उन्हे आज सुवह कानपुर इलाज के लिये रिफर कर दिया गया है वही आज पुलिस ने कुरारा नैठी के जंगल में काम्बिंग कर रही थी तभी बदमाश ने पुलिस दल पर फायरिंग शुरु कर दी जवाब मे पुलिस ने फायरिंग की जिसमे बदमाश के दोनो पैर में गोलीलगी और वह जख्मी हो गया पुलिस ने उसे जिला अस्पताल में इलाज के लिये भर्ती कराया है मौके पर पुलिस ने पांच जिंदा कारतूस व एक 315 बोर का तमंचा बरामद किया है। इसके खिलाफ थाना कुरारा, जलालपुर, ललपुरा में एक दर्जन मुकदमे दर्ज है। बदमाश को पुलिस रिमांड में लेने की तैयारी कर रही है।

भाजपा समर्थक पर जानलेवा हमला करने वाला गिरफ्तार

संवाददाता। फर्रुखाबाद

भाजपा सभासद प्रत्याशी कीनगर निकाय चुनाव में मदद करने वाले समर्थक कार्यकर्ता की चुनाव जीतने वाले सभासद ने अगवा करवाकर जानलेवा हमला करवा दिया। भाजपा समर्थक पर जानलेवा हमला करने वाला आरोपी सभासद को पुलिस ने साथी सहित गिरफ्तारकर लिया है। थाना मऊदरवाजा के मोहल्ला गढी हिम्मत बहादुर निवासी शिवम शर्मा पुत्र बृजेश ने मोहल्ला बजरिया जाफर खां निवासी अनिकेत यादव उसके भाई साहिल, सभासद अनिल यादव उर्फ मल्लू पुत्र मंगली प्रसाद एवं अनुज गुप्ता पुत्र संजय के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिवम बीती रात 7:30 बजे अपने घर के पास खड़ा था तभी अनिकेत व साहिल बुलेट बाइक से बाइक पर शिवम को जबरन बिठा कर अनिल यादव के हाते में ले गए और उसे वहां बंद कर दिया। अनिल के कहने पर साहिल अकेत व अनुज ने शिवम की लात घूसों से पिटाई की। अनिल ने शिवम को मारने के लिए साहिल को लोहे की राड दी और कहा कि इसका आज काम तमाम कर दो। साहिल ने लोहे की राड से शिवम पर हमला किया जिससे उसका सिर फट गया। शिवम का अपहरण होते देख पड़ोस के लोगों ने उसके परिजनों को जानकारी दी। परिजन परसोत्तम वर्मा, अजय आदि के साथ तुरंत ही मौके पर पहुंचे। जिनको देखकर हमलावर भाग गए शिवम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि आरोपी मुझे जान से मारने के लिए ही पकड़ कर ले गए थे। जो मुझे अधमरा छोड़कर भाग गए। मुकदमे की जांच बजरिया चौकी इंचार्ज अमित कुमार गुप्ता को सौंपी गई। पुलिस ने आरोपी अनिल कुमार यादव उर्फमल्लू व साहिल यादव को रात में ही पकड़ लिया था। भगत सिंह वार्ड से पुरुषोत्तम वर्मा ने भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा है वह चुनाव हार गए।जबकि विरोधी अनिल यादव निर्दलीय करीब 325 वोटों से चुनाव जीत गए। शिवम पल्ला बाजार स्थित बुक स्टाल पर नौकरी करता है जिसने चुनाव में परषोत्तम वर्मा की मदद की थी।

पेज एक का शेष

कर्नाटक के...

एक विधायक ने नाम नहीं जाहिर करने की शर्त पर बताया, सिद्धरमैया और शिवकुमार तथा किसी अन्य नेता को चुनना था या फिर निर्णय आलाकमान पर छोड़ना था। यह एक तरह से गोपनीय मतदान था। कहा जा रहा है कि विधायकों का एक धड़ा नेता चुनने के लिए हाथ उठाकर फैसला करने के पक्ष में था, लेकिन पार्टी ने ऐसा फैसला नहीं किया, क्योंकि इससे सरेआम विभाजन की स्थिति पैदा हो जाती। पता चला है कि सिद्धरमैया ने इस बात पर जोर दिया कि पार्टी की ओर से विधायक दल का नया नेता चुनने से पहले सभी विधायकों की राय ली जाए। पर्यवेक्षक जितेंद्र सिंह ने कहा, हम रिपोर्ट तैयार करेंगे और इसे कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेंगे। हमने रविवार देर रात विधायकों के साथ कई घंटे बात की। रिपोर्ट के आधार पर फैसला किया जाएगा। कर्नाटक विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बीके हरिप्रसाद ने कहा, पर्यपेक्षक ने विधायकों से अलग-अलग मुलाकात कर उनकी राय ली और मुख्यमंत्री के नाम को लेकर गोपनीय मतदान कराया गया। अब पार्टी आलाकमान फैसला करेगा कि मुख्यमंत्री कौन होगा। कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की रविवार शाम बेंगलुरु के एक निजी होटल में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर पार्टी अध्यक्ष को विधायक दल का नेता चुनने का अधिकार दिया गया, जो कर्नाटक का अगला मुख्यमंत्री बनेगा। राज्य में 224 सदर्सईय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने शानदार जीत हासिल करते हुए 135 सीट अपने नाम कीं, जबकि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा नीत जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमशः 66 और 19 सीट जीतीं।

पायलट का...

गहलोत समर्थक विधायकों ने पिछले साल 25 सितंबर को विधायक दल की बैठक में न आकर मंत्री शांति धारीवाल के घर समानांतर बैठक की थी। इन विधायकों ने बाद में पायलट को मुख्यमंत्री बनाने के किसी भी संभावित कदम के खिलाफ विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को अपना इस्तीफा सौंप दिया था। विधायकों का कहना था कि यदि विधायक दल का नया नेता चुनना है तो वह उन 102 विधायकों में से हो, जिन्होंने जुलाई 2020 में राजनीतिक संकट के दौरान गहलोत सरकार का समर्थन किया था। पायलट ने पदयात्रा की शुरुआत बृहस्पतिवार को अजमेर से की थी। इसे राजस्थान में इस चुनावी साल में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस आलाकमान पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। राज्य में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं।

गुरुद्वारा परिसर...

इस बीच पुलिस और एसजीपीसी के अधिकारियों ने कहा कि परविंदर को शराब पीने की लत थी और उसका इलाज चल रहा था। एसएसपी ने कहा कि महिला के शव पर परिवार के किसी सदस्य ने अब तक दावा नहीं किया है और न ही कोई बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह भी पता नहीं चला है कि वह कहां रहती थी। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कौर रविवार को जीरकपुर से बस में सवार होकर गुरुद्वारे पहुंची थी।

शाह ने मणिपुर...

मणिपुर के मेइती और कुकी समुदायों के प्रतिनिधियों और मिजोरम के नागरिक समाज संगठनों के एक समूह ने भी शाह के साथ अलग-अलग बैठकें कीं। गौरतलब है कि अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने की मेइती समुदाय की मांग के विरोध में तीन मई को 10 पहाड़ी जिलों में आदिवासी एकजुटता मार्च आयोजित किए जाने के बाद पूर्वोत्तर राज्य में हिंसक झड़पें हुईं थीं। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम 73 लोग मारे गए, 231 घायल हुए हैं और धार्मिक स्थलों सहित 1,700 घरों को जला दिया गया, जिसने राज्य को हिलाकर रख दिया।

न्यायमूर्ति एम आर शाह सेवानिवृत्त हुए, सीजेआई ने टाइगर शाह की संज्ञा देकर उनकी सराहना की

भाषा। नई दिल्ली

भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी. वाई. चंद्रचूड़ ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश पद से सेवानिवृत्त हुए न्यायमूर्ति एम आर शाह की तारीफ करते हुए उन्हें टाइगर शाह की संज्ञा देते हुए कहा कि उनके व्यावहारिक ज्ञान और उत्कृष्ट सलाह से कॉलेजियम को निर्णय लेने में काफी मदद मिली।

सीजेआई ने सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) की ओर से आयोजित एक विदाई समारोह में न्यायमूर्ति शाह के ‘‘सुग्राही और खुले स्वभावे की सराहना की और कहा कि उन्होंने प्रौद्योगिकी को जल्दी से अपना लिया, जिसके कारण संविधान पीठ में पूरी तरह कागज-रहित सुनवाई हो सकी। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि वह न्यायमूर्ति शाह को उनके साहस और जुझारूपन के लिए टाइगर शाह कहते हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा, न्यायमूर्ति शाह का नौ नवंबर, 2022 को कॉलेजियम में प्रवेश उसी दिन प्रधान न्यायाधीश के रूप में मेरी अपनी नियुक्ति के साथ हुआ था.... वह कॉलेजियम में मेरे लिए व्यावहारिक ज्ञान से भरे एक अडिग सहयोगी रहे हैं। उनके पास उत्कृष्ट सलाह होते थे। जब हमने बहुत कम समय में पहली सात नियुक्तियां कीं, तो इससे हमें बहुत मदद मिली। सीजेआई ने पाकिस्तानी कवि ओबैदुल्ला अलीम को भी उद्धृत किया और कहा, आंख से दूर सही दिल से कहां जाएगा, जाने वाले तू हमें याद बहुत आएगा। भावुक न्यायमूर्ति शाह ने विदाई समारोह के लिए बार को धन्यवाद देते हुए कहा कि उन्होंने बिना किसी भय, पक्षपात या दुर्भावना के अपने कर्तव्यों का पालन किया है। उन्होंने कहा, यह हम सभी का कर्तव्य है कि समय पर न्याय मिले। सभी से अनुरोध है कि (मामलों को) स्थगित करने की संस्कृति से बाहर निकलें और कोई अनावश्यक स्थगन न लें। युवा वकीलों को मेरी एक और सलाह है कि वे मामले के विशेष उल्लेख या स्थगन का सहारा लेकर वकालत पेशा न करें, बल्कि अपने आप को (मामले के लिए) तैयार करें। न्यायमूर्ति शाह ने कहा कि बिदाई हमेशा दर्दनाक होती है। उन्होंने कहा, मैंने अपनी पारी बहुत अच्छी खेली है। मैंने हमेशा अपने विवेक का पालन किया है। मैं हमेशा ईश्वर और कर्म में विश्वास करता हूं। मैंने कभी किसी चीज की उम्मीद नहीं की है.. मैंने हमेशा गीता का पालन किया है। न्यायमूर्ति शाह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई को उद्धृत किया और कहा,‘‘जो कल थे, वो आज नहीं हैं। जो आज हैं वो कल नहीं होंगे। होने, न होने का क्रम इसी तरह चलता रहेगा। हम हैं, हम रहेंगे, ए भ्रम भी सदा चलता रहेगा। एससीबीए के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने कहा कि न्यायमूर्ति शाह बेहद प्रेरणादायक थे, खासकर युवा और पहली पीढ़ी के वकीलों के लिए। इस अवसर पर अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने भी अपने उद्गार प्रकट किए।

मनोज सोनी मंगलवार को यूपीएससी अध्यक्ष के तौर पर शपथ लेंगे

भाषा। नई दिल्ली

शिक्षाविद मनोज सोनी मंगलवार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष के तौर पर शपथ लेंगे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोनी, 28 जून 2017 को आयोग के सदस्य नियुक्त किए गए थे। अधिकारी ने कहा, आयोग की वरिष्ठतम सदस्य स्मिता नागराज मंगलवार को उन्हें यूपीएसएसी अध्यक्ष के रूप में पद व गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। आयोग में एक अध्यक्ष होते हैं और इसके सदस्यों की अधिकतम संख्या 10 हो सकती है। यूपीएससी में नियुक्त किए जाने से पहले उन्होंने डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, गुजरात और महाराजा सयाजीराव बड़ौदा विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में सेवा दी थी।

जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का विरोध कर रहे देशों पर साधा निशाना

बदलाव न चाहने के पीछे वीटो का खेल

भाषा। स्टॉकहोम

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र में सुधारों का विरोध कर रहे देशों पर निशाना साधते हुए कहा कि पुरानी प्रणाली के लाभार्थी इन बदलावों का विरोध कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे विशेषाधिकार की उनकी स्थिति कमजोर हो जाएगी। जयशंकर स्वीडन के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने स्वीडन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत की और यूरोपीय संघ (ईयू) एवं हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) के लिए स्टॉकहोम की अपनी यात्रा के दौरान भारत में जारी बदलावों को रेखांकित किया।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें भारत के सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य बनने की कोई संभावना नजर आती है, जयशंकर ने कहा कि हर गुजरते साल के साथ संयुक्त राष्ट्र की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े हो रहे हैं और इसकी बेहतरी के लिए इसमें सुधार होना चाहिए। उन्होंने कहा, संयुक्त राष्ट्र को 1940 के दशक में बनाया गया था। उस समय भारत चार्टर का मूल हस्ताक्षरकर्ता था, लेकिन तब वह एक स्वतंत्र देश नहीं था और उस समय पांच देशों ने एक तरह से खुद ही स्वयं को चुन लिया था। ए पांच देश आज भी सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य हैं। रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य हैं और उनके पास वीटो का अधिकार है। इसके अलावा दो साल के कार्यकाल के लिए 10 अस्थाई सदस्यों का चयन किया जाता है। भारत का अस्थाई सदस्य के रूप में कार्यकाल पिछले साल दिसंबर में पूरा हुआ था। भारत सुरक्षा परिषद में सुधारों की लंबे समय से मांग करता रहा है। जयशंकर ने कहा, अब हर संस्थान की तरह इसकी (सुरक्षा परिषद की) भी आज यह समस्या है कि पहले से लाभ ले रहे देश बदलाव नहीं चाहते, क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे विशेषाधिकार की उनकी स्थिति कुछ हद तक कमजोर हो जाएगी। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि समझदार देश कहेंगे कि ठीक है, दुनिया बदल रही है। मुझे भी इसके साथ बदलना चाहिए। यशंकर ने कहा कि सुधार प्रक्रिया के दौरान कुछ देश कहेंगे कि भारत जैसे देश का सुरक्षा परिषद में होना उनके लिए लाभकारी होगा और कुछ अन्य देश होंगे जो सार्वजनिक रूप से तो देश का विरोध नहीं करेंगे, लेकिन अपने कार्यों एवं नीतियों से यह सुनिश्चित करने की कोशिश करेंगे कि यथास्थिति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी भी संगठन में सुधार करना मुश्किल काम है, जिसमें 190 से अधिक देश सदस्य हों। उन्होंने कहा कि कोई भी अफ्रीकी या लातिन अमेरिकी देश स्थाई सदस्य नहीं है, इसलिए परिषद में सुधार की आवश्यकता है। जयशंकर ने कहा, आप जानते हैं कि सुधार चाहने वालों और अवरोध पैदा करने वालों के बीच एक तरह का झगड़ा होगा, लेकिन मुझे पूरा विश्वास है और मैंने देखा है कि प्रत्एक बीतते साल के साथ सुधार की मांग मजबूत होती जा रही है। मैं यह नहीं बता सकता कि यह कब होगा, लेकिन मैं कह सकता हूं कि सुई उस दिशा में घूम रही है। उन्होंने दुनिया के सामने मौजूद भूराजनीतिक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि यूक्रेन का संघर्ष सबसे महत्वपूर्ण घटना है, जिसका दुनिया के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग प्रभाव पड़ा है। उन्होंने उत्पादन के किसी एक जगह पर केंद्रित होने के जोखिम पर भी चर्चा की। जयशंकर ने प्रौद्योगिकी के बारे में कहा कि नई प्रौद्योगिकी वास्तव में बहुत अहम है। यह पूछे जाने पर कि भारत देश की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए चीन के साथ व्यापार को संतुलित कैसे करेगा, जयशंकर ने कहा कि अब भारत सरकार का ध्यान विनिर्माण को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि कोविड-19 वैश्विक महामारी और यूक्रेन संकट के कारण पैदा हुई बाधा की वजह से दुनिया में यह समझ पैदा हुई है कि उत्पादन के और स्रोत होने चाहिए। भारत के अपने निवल शून्य कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को लेकर कम महत्वाकांक्षी होने के सवाल पर, विदेश मंत्री ने कहा कि प्रति व्यक्ति 2,000 डॉलर की आय वाले समाज से प्रतिबद्धता जताने के लिए कहना भी बड़ी बात है। उन्होंने भारत से साढ़े चार गुना अधिक प्रति व्यक्ति आय वाले चीन से तुलना करते हुए कहा, आप भारत और भारत के विकास पथ की तुलना उन देशों से नहीं कर सकते, जिनकी भारत की तुलना में पांच गुना या 10 गुना या 20 गुना प्रति व्यक्ति आय है। जयशंकर यूरोपीय संघ हिंद-प्रशांत मंत्रिस्तरीय मंच (ईआईपीएमएफ) में शामिल होने के लिए स्वीडन के तीन दिवसीय दौरे पर हैं। विदेश मंत्री ने रविवार शाम को ट्वीट किया, स्वीडन में भारतीय समुदाय के साथ बातचीत करके खुशी हुई। हम अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं, ऐसे में मैंने उन्हें हमारे द्विपक्षीय संबंधों की दिशा में हुई प्रगति से अवगत कराया। उन्होंने कहा, स्वीडन का ईयू के सदस्य, एक नॉर्डिक साझेदार और एक साथी बहुपक्षवादी देश के रूप में महत्व है। हमने भारत में जारी उन बदलावों के बारे में बात की, जो हमारी वैश्विक उपस्थिति को बढ़ाते हैं और विदेशों में भारतीयों के लिए अवसर पैदा करते हैं। इससे पहले जयशंकर ने स्वीडन के अपने समकक्ष टोबियास बिलस्ट्रॉम के साथ रविवार को यहां व्यापक चर्चा की। इस दौरान हिंद-प्रशांत, यूरोप की सामरिक स्थिति तथा वैश्विक अर्थव्यवस्था को जोखिम मुक्त करने पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया।

थाइलैंड में आम चुनाव में विपक्षी दलों की बड़ी जीत

नए प्रधानमंत्री पर तस्वीर अब भी साफ नहीं

बैंकॉक। थाइलैंड के मुख्य विपक्षी दलों ने रविवार को हुए आम चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। इसे 2014 के तख्तापलट के जरिए मौजूदा प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओचा के सत्ता में आने के नौ साल बाद बदलाव के एक अहम मौके के रूप में देखा जा रहा है। सोमवार सुबह तक 99 प्रतिशत मतों की गिनती के साथ विपक्षी दल मूव फॉरवर्ड पार्टी ने एक अन्य विपक्षी दल फेयु थाई पार्टी पर छोटी-सी बढ़त हासिल कर ली है।हालांकि, कहा नहीं जा सकता कि रविवार को हुए चुनाव का विजेता सरकार बना पाएगा। नए प्रधानमंत्री के चयन के लिए जुलाई में 500 सदस्ईय प्रतिनिधि सभा और 250 सदस्ईय सीनेट का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। इस प्रक्रिया को व्यापक रूप से अलोकतांत्रिक माना जाता है क्योंकि सीनेटर का चयन सेना द्वारा किया जाता है।रविवार को हुए मतदान में करीब 75 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने वोट डाले। मूव फॉरवर्ड पार्टी ने प्रतिनिधि सभा के लिए 24 प्रतिशत से कुछ अधिक मत हासिल किए जबकि फेयु थाई पार्टी ने 23 प्रतिशत मत हासिल किए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मूव फॉरवर्ड पार्टी ने 113 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि फेयु थाई पार्टी ने 112 सीटों पर जीत हासिल की है। निवर्तमान प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा की यूनाइटेड थाई नेशनल पार्टी करीब नौ प्रतिशत मत पाने के साथ ही पांचवें स्थान पर है।चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में तीन दलों के नई सरकार का नेतृत्व करने की संभावना जताई गई थी।

तुर्किएः दूसरे दौर में जाएगा राष्ट्रपति चुनाव,एर्दोआन को फिलहाल जरूरी बहुमत नहीं

अंकारा। तुर्किए के निर्वाचन प्रमुख अहमत एनेर ने कहा है कि राष्ट्रपति पद की दौड़ 28 मई को दूसरे दौर में जाएगी क्योंकि मौजूदा राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन को स्पष्ट जीत नहीं मिल पाई है। सुप्रीम इलेक्टोरल बोर्ड के प्रमुख एनेर ने सोमवार को कहा कि जब विदेशों से आए शेष 35,874 वोट गिने गए, तब भी किसी उम्मीदवार को चुनाव जीतने के लिए जरूरी बहुमत नहीं मिल पाया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक परिणामों से पता चलता है कि एर्दोआन ने 49.51 प्रतिशत वोट हासिल किए जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी केमल किलिकडारोग्लू ने 44.88 प्रतिशत और तीसरे उम्मीदवार सिनान ओगन ने 5.17 प्रतिशत वोट हासिल किए। एनर ने कहा कि अगर शेष सभी वोट एर्दोआन को ही मिलते तब भी उनका वोट बढ़कर 49.54 प्रतिशत ही होता। तुर्किए में राष्ट्रपति चुनाव सोमवार को दूसरे दौरे में बढ़ता प्रतीत हुआ क्योंकि राष्ट्रपति एर्दोआन अपने मुख्य प्रतिद्वंद्वी से आगे तो निकल गए लेकिन स्पष्ट जीत हासिल नहीं कर पाए हैं। देश में हो रहे चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर है कि रणनीतिक रूप से स्थित यह नाटो देश राष्ट्रपति की मजबूत पकड़ में रहता है या यह उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी किमल किलिकडारोग्लू द्वारा परिकल्पित अधिक लोकतांत्रिक रास्ते पर आगे बढ़ता है। देश पर एर्दोआन ने 20 वर्षों तक शासन किया है। सर्वेक्षणों में यह बात सामने आई है कि आर्थिक उथल-पुथल, महंगाई, फरवरी में आए भूकंप के बाद सरकार की प्रतिक्रिया की आलोचना के बीच उनका कार्यकाल समाप्त हो सकता है। देश में आए भूकंप में 50,000 से अधिक लोग मारे गए थे। एनेर ने पत्रकारों को बताया कि 99.4 प्रतिशत घरेलू मतों और 84 प्रतिशत विदेशी मतों की गिनती के साथ, एर्दोआन को 49.4 प्रतिशत मत मिले हैं जबकि किलिकडारोग्लू को 45 प्रतिशत मत मिले हैं। वहीं तीसरे उम्मीदवार, राष्ट्रवादी नेता सिनान ओगन को 5.2 प्रतिशत मत प्राप्त हुए हैं। वर्ष 2018 में हुए पिछले राष्ट्रपति चुनाव में एर्दोआन ने पहले दौर में 52.6 फीसदी वोट हासिल कर स्पष्ट जीत हासिल की थी। तुर्किए के राष्ट्रपति एर्दोआन ने सोमवार सुबह कहा कि वह देश का राष्ट्रपति चुनाव अब भी जीत सकते हैं लेकिन अगर चुनाव 28 मई को दूसरे दौर में जाता है तो वह देश के फैसले का सम्मान करेंगे। दूसरे दौर का चुनाव में उनके पक्ष में जा सकता है क्योंकि उनके गठबंधन के संसद में बहुमत बरकरार रखने की संभावना है।

रविवार के मतदान के ओपिनियन पोल में छह-पार्टी वाले विपक्षी गठबंधन के संयुक्त उम्मीदवार किलिकडारोग्लू को एर्दोआन पर मामूली बढ़त दी थी। किलिकडारोग्लू दूसरे दौर में जीत को लेकर आशान्वित दिखे। 74 वर्षीय किलिकडारोग्लू ने कहा, हम निश्चित रूप से दूसरे दौर में जीत दर्ज करेंगे ... और लोकतंत्र लाएंगे। उन्होंने कहा कि एर्दोआन ने उस राष्ट्र का विश्वास खो दिया है जो अब बदलाव की मांग कर रहा है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public on behalf of our client that Mr. Devi Chand Jain and Mr. Rakesh Kumar Jain are the owners of Built up First Floor, without roof rights Part of Property bearing No. 38, Portion of House No. 104/1244-A, area measuring 100 Sq., Yds., out of Khasra No. 258, Situated in in the area of Village Mubarakatabad, Delhi State abaid known as Shanti Nagar, Tri Nagar, Delhi, vide GPA, Will and ATS dated 17.11.1978. All persons are hereby informed that above mentioned owner want to sell the said property to a person who intends to obtain loan from our client against the said property, if anybody has any objection/s upon the ownership of above owner over the said floor, its sale/mortgage/litigation, and any other objections, kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 legal@knalegal.com

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुनीता देवी कसना पत्नी श्री महावीर सिंह कसना, उक्त संपत्ति Residential Plot, area measuring 150 Sq. Yds., out of Khata No. 00038, Khasra No. 59, situated in the area of Village Hebatpur, Pargana & Tehsil Dadri, District Gautam Budh Nagar, U.P. का विक्रय विलेख दिनांक 06.09.2019 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 5545 के द्वारा मालिक हैं और उक्त सम्पति पर 06.09.2019 से शांतपूर्ण तरीके से काबिज है। उपरोक्त संपत्ति, उग्रो कैपिटल लिमिटेड द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है।यदि किसी व्यक्ति (ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दवा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 14 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।

राघव तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

समुद्र में न समा जाए शंघाई!

चीन का सबसे विकसित और अमीर शहर पिछले कम से कम 100 साल से भूमि अवतलन की समस्या से जूझ रहा है

एजेंसी। बीजिंग

चीन का सबसे विकसित और अमीर शहर शंघाई पिछले कम से कम 100 साल से भूमि अवतलन की समस्या से जूझ रहा है। यह चीन के उन शुरुआती शहरों में से एक हैं, जिनमें गंभीर स्तर पर भू-अवतलन हो रहा है। शंघाई में 1921 से 2007 के बीच 22.94 मिमी प्रति वर्ष की औसत दर से भूमि अवलतन हुआ।बहरहाल, भू-अवतलन की यह दर 2010 में स्थिर हो गई, लेकिन वैश्विक तापमाना में वृद्धि की वजह से समुद्र के बढ़ते जलस्तर ने दो करोड़ 40 लाख की आबादी वाले शहर के लिए नया खतरा पैदा कर दिया है। भू-अवतलन के अब अपेक्षाकृत स्थिर होने का अनुमान है, लेकिन समुद्र में जलस्तर बढ़ने की दर जलवायु परिवर्तन के कारण भविष्य में तेज होने की आशंका है। इसके प्रमुख कारण महासागरों के गर्म होने के कारण पानी की मात्रा बढ़ना और हिमनद एवं बर्फ का पिघलना है। ऐसा माना जा रहा है कि अंटार्कटिक बर्फ की चादर पिघलना समुद्र में जल स्तर बढ़ने का सबसे बड़ा कारण है। सापेक्ष समुद्र स्तर की औसत वृद्धि 2050 तक 45 सेंटीमीटर से 50 सेंटीमीटर के बीच रहने का अनुमान है। कम्प्यूटर से की गई गणना के अनुसार, शंघाई में समुद्र का जल स्तर 2030 में लगभग दोगुना तेजी से बढ़ सकता है, 2050 तक यह तीन से पांच गुना तेजी और इस सदी के अंत में 50 गुना अधिक तेजी से बढ़ने की आशंका है। इस सदी के अंत तक समुद्र के सापेक्ष जलस्तर में 136 सेंटीमीटर बढ़ोतरी होने की आशंका है। इसके कारण तटबंध टूटने और बाढ़ आने का अधिक खतरा है। बांध टूटने की घटनाओं और बाढ़ के कारण डूबने वाले क्षेत्रों में 2010 की तुलना में 2100 तक 30 प्रतिशत से 50 प्रतिशत बढ़ोतरी होने की आशंका है। यदि समय पर कोई कदम नहीं उठाया गया, तो इस सदी के अंत तक शहर में तबाही मच सकती है। इस परिदृश्य में शहर के 4,200 किलोमीटरावर्ग (कुल क्षेत्रफल का 62 प्रतिशत) से अधिक के क्षेत्र में 1.2 मीटर की औसत गहराई के साथ पानी भर सकता है। शंघाई बाढ़ के लिहाज से अभी अपेक्षाकृत सुरक्षित है, लेकिन समुद्र में जलस्तर बढ़ने और भू-अवतलन से इस पर बाढ़ का खतरा बढ़ सकता है। शंघाई पर इस गंभीर खतरे के मद्देनजर प्राधिकारी हुआंगपु नदी के मुहाने पर एक सचल अवरोधक बनाने पर विचार कर सकते हैं ताकि भविष्य में आने वाली आपदाओं को रोका जा सके। इस प्रकार का निवेश दीर्घकाल में आर्थिक रूप से अधिक प्रभावशाली होगा। इसके अलावा बाओशान और चोंगमिंग के निचले क्षेत्रों के तटों के पास मौजूदा कम स्तर के बांधों (आमतौर पर पांच-सात मीटर के) को उंचा किया जा सकता है। उपयुक्त भूमिगत स्थानों की पहचान की जा सकती है और अस्थाई आपातकालीन जल भंडारण सुविधाओं के रूप में इनका उपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा सबसे जरूरी है कि आपदाओं से निपटने के लिए विस्तृत आपातकालीन निकासी योजना तैयार की जाए, क्योंकि शहरी बाढ़ जोखिम प्रबंधन एक जटिल एवं महंगी प्रणाली है और इसके विफल होने की आशंका हमेशा अधिक होती है।

न्यायपालिका के खिलाफ धरने में शामिल हुए मरियम नवाज व मौलाना फजलुर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सत्तारूढ़ गठबंधन ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान से जुड़े मामलों के संबंध में न्यायपालिका के कुछ हालिया फैसलों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय के बाहर सोमवार को प्रदर्शन किया। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज शरीफ और जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम-फजल (जेयूआई-एफ) के प्रमुख मौलाना फजलुर रहमान भी प्रदर्शन में शामिल हुए। सत्तारूढ़ गठबंधन का कहना है कि इन फैसलों से खान को कई मामलों में व्यापक राहत मिली है। इससे पहले दिन में, पीएमएल-एन, जेयूआई-एफ और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के कार्यकर्ताओं और समर्थकों समेत कई प्रदर्शनकारी देश की राजधानी में धारा 144 लागू होने के बावजूद रेड जोन (वर्जित क्षेत्र) में घुस गए और उन्होंने उच्चतम न्यायालय के सामने एक मंच बनाया। देश के 13 राजनीतिक दलों के सत्तारूढ़ गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) के प्रमुख फजलुर रहमान ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि उनका संगठन पूर्व प्रधानमंत्री खान के प्रति कथित न्यायिक समर्थन को लेकर पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश (सीजेपी) उमर अता बांदियाल के विरोध में सोमवार को उच्चतम न्यायालय के समक्ष प्रदर्शन करेगा। ऐसा माना जा रहा था कि प्रदर्शनकारी प्रतीकात्मक प्रदर्शन करने के बाद परिसर से चले जाएंगे, लेकिन जेयूआई-एफ ने इस प्रदर्शन को धरने में बदल दिया। जेयूआई-एफ ने ट्वीट किया, प्रबंधन समिति ने इस्लामाबाद में उच्चतम न्यायालय परिसर के बाहर धरने के लिए व्यवस्था को अंतिम रूप दे दिया है। प्रबंधन समिति ने विरोध प्रदर्शन को धरने में बदलने की व्यवस्था शुरू कर दी है। पार्टी ने कहा कि वह कार्यक्रम स्थल पर तम्बू लगाएगी और शौचालय भी बनाएगी। प्रदर्शनकारियों ने खान की रिहाई का आदेश देने को लेकर प्रधान न्यायाधीश के इस्तीफे की मांग की और उनके खिलाफ नारेबाजी की। विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी भी इस प्रदर्शन में शामिल होने वाले थे, लेकिन पीपीपी के वरिष्ठ सदस्यों ने उन्हें ऐसा नहीं करने की सलाह दी। जिला प्रशासन के अनुसार, प्रदर्शनकारी रेड जोन में घुस आए और उन्होंने पुलिस एवं प्रशासन को पीछे धकेल दिया। प्रशासन ने बताया कि स्थानीय प्रशासन और पुलिस ने विरोध प्रदर्शन की स्थिति के बारे में गृह मंत्रालय को सूचित कर दिया है। उसने कहा, जिला प्रशासन ने पीडीएम को विरोध करने की अनुमति देने का फैसला किया था, लेकिन यह फैसला गृह मंत्रालय की मंजूरी के अधीन था। जियो न्यूज ने इस्लामाबाद पुलिस प्रवक्ता के हवाले से कहा, पीडीएम कार्यकर्ता उच्चतम न्यायालय के द्वार के बाहर पहुंचे। प्रदर्शनकारी रेड जोन में घुस आए, लेकिन हालात शांतिपूर्ण हैं। डॉन न्यूज ने बताया कि रेड जोन की ओर जाने वाले सभी मार्गों को वाहनों के लिए बंद कर दिया है। इस बीच, इमरान खान (70) ने कहा कि एक ओर सुरक्षा एजेंसी की मदद से पीडीएम के गुंडे उच्चतम न्यायालय पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं और संविधान को नुकसान पहुंचा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर सरकार कम से कम 7,000 लोगों को गिरफ्तार करके और दर्जनों निहत्थे प्रदर्शनकारियों की हत्या करके पीटीआई के सदस्यों के खिलाफ कार्वाई कर रही है। उन्होंने देश के सभी नागरिकों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए तैयार रहने की अपील की। प्रदर्शनस्थल को लेकर जेयूआई-एफ और प्राधिकारियों के बीच वार्ता विफल रही, जिसके बाद पार्टी ने न्यायालय परिसर के बाहर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने खान की जमानत शुक्रवार को मंजूर कर ली थी। खान (70) को मंगलवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से गिरफ्तार किया गया था और जवाबदेही अदालत ने उन्हें अल-कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में आठ दिन के लिए राष्ट्रीय जवाबदेही ब्यूरो (एनएबी) की हिरासत में भेज दिया था।

Public Notice This is to inform general public that Mr. Faizan has acquired the House No. 100 Area Measuring 60 Sq. Yds. Out Of Khasra No 32//11, 2/2, 19/2, 20/1/1, 22/1, Waka Moja Fathepur Chandila (Friends Colony), Dist- Faridabad, Haryana vide Sale Deed dated 17.07.2020, Doc no. 1548.Above said owner has misplaced the Original Sale Deed dated 15.12.2004 Doc. No. 10425, and Sale Deed dated 08.09.2006 Doc. No. 9990 and Sale Deed dated 11.06.2009 Doc. No. 3987, SRO- Faridabad. Anyone who find the above said documents shall handover the same to the Manager of Incred Financial Services Limited. Above said owner is availing loan on above said property from Incred Financial Services Limited. Having Office at 406, 4th Floor, Competent House Middle Circle, F Block, Connaught Place, New Delhi - 110 001 & in case anyone has any objection, the same may be raised within 07 days of this publication to Mr. Muneesh Dhawan/ Mr. Sudhir Jain (Advocates), Law Veritas North, Unit no 907, 9th Floor, GD-ITL Tower, (B-08), Netaji Subhash Place, Delhi-110034 or contact at 9066707172/9818228636 (M).

PUBLIC NOTICE

NOTICE is hereby given that Vimal Makkar claims to be owner & in possession of **Entire Second Floor without Roof Rightsof Prop. No. C/31, Bali Nagar, New Delhi (hereinafter called the said property)** by virtue of two sale deeds dated 05.07.2018 & 28.05.2018, said Vimal Makkar has conveyed that entire chain link original documents are Misplaced (i.e. Doc No. 15386 Dated 24.11.1996, Doc No. 5761 Dated 15.05.1972, Will Dated 08.06.1981, Doc No. 3270 Dated 24.04.1997, Doc No. 3271 Dated 24.04.1997, Doc No. 4444, 05.07.1999 & Doc No. 05.07.1999) of the said/entire property & have lodged an FIR in respect of loss of documents with Crime Branch, Delhi on 05.05.2023 vide LR No. 411069/2023 and Said Vimal Makkar has agreed to sell the said Property to Manoj Garg & Said Manoj Garg has agreed to create a mortgage in favour of our clients Axis Bank Ltd., Janak Puri Branch, any person/s in possession of Original documents and/or having any knowledge of original documents & having claim against the said Property, or any part thereof, by way of sale, exchange, mortgage (equitable/ registered or otherwise), gift, trust, inheritance, lien or otherwise howsoever, are hereby intimated to notify the same in writing to us with supporting documentary evidence at the address mentioned below **within 10 days** from the date hereof, failing which the claim or claims, if any, of such person or persons will be considered to have been waived and/or abandoned and our client shall proceed with the disbursement of loan and subsequent creation of mortgage in respect thereof.

Vishal Diwan (Advocate)
H. No.2 (LGF), NRI Complex New Delhi-19
Mobile No. 9818399999

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., शाल टावर प्लॉट नंबर – 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, नई दिल्ली–110007

सार्वजनिक सूचना :
बिल्डर निरसन

आपको सूचना दी जाती है कि शांतनु बनर्जी/गार्गी भट्टचार्जी (कर्जदार/रों) ने सुविधा अनुबंध संख्या एलबीडीईएल00002272956 तथा पता फ्लैट नंबर 303, वृंदावन ग्रीन्स नर्मदा टावर, मथुरा, उत्तर प्रदेश के माध्यम से आवास ऋण सुविधा प्राप्त की है। कर्जदार अनुबंध के नियम एवं शर्तो के अनुसार बिल्डर को संविदात्मक राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं।

बैंक उसकी सूचना कर्जदार को पत्र दिनांकित 08 मई, 2023 के माध्यम से दे चुका है, जिसमें सूचित किया गया है कि आस्था इन्फ्राप्रोजेक्ट्स ने उपरिवर्णित सम्पत्ति का आबंटन निरस्त कर दिया है। अतएव आपसे अनुरोध किया जाता है कि बिल्डर के साथ यह मामला इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिन के भीतर सुलझा लें।

कृपया आगे सूचित हों कि उक्त सम्पत्ति का आबंटन निरस्त होने के बाद आईसीआईसीआई बैंक बिल्डर द्वारा किसी अन्य आबंटन के लिए बाध्य तथा/अथवा जिम्मेदार नहीं होगा।

दिनांकित : 16 मई, 2023 वास्ते आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
स्थान : दिल्ली/एनसीआर हस्ता./–

पशु आहार निर्माण शाला, रूद्रपुर
आंचल AANCHAL
किच्छा बाईपास रोड, रूद्रपुर (ऊधम सिंह नगर) फोन नं: 05944–242552 ई–मेल: aanchalcattlefeed@gmail.com

पत्रांक : 331–34/निविदा सूचना/2023–24 दिनांक: 15 मई, 2023

ई–प्रोक्योरमैन्ट नोटिस
अल्प कालिक ई–निविदा सूचना संख्या–25/Bhusa/CFP/2023-24,
Date - 15.05.2023

निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा के द्वारा Two Bid System के अन्तर्गत पशु आहार निमार्णशाला रूद्रपुर (उधमसिंहनगर) में काम्पैक्ट फीड ब्लाक हेतु भूसा आपूर्तिकर्ताओं/फर्मो से दिनांक **22.05.2023** के सांय **05.00** बजे तक ई–निविदा आमन्त्रित की जाती है, जो दिनांक **23.05.2023** की प्रातः **11.00** बजे यू0सी0डी0एफ0 कार्यालय मंगल पडाव हल्द्वानी में खोली जायेगी।

क्रम. सं0	कच्चा माल विवरण	कुल मात्रा Qtl.	धरोहर धनराशि ₹	निविदा शुल्क GST सहित ₹	आपूर्ति शैड्यूल
01	भूसा प्रतिमाह उत्पादन हेतु	10000	2,72,800.00	4720.00	निविदा प्रपत्र के अनुसार

नोट– निविदा की शर्ते तथा उपलब्धता एवं प्रस्तुतिकरण का तरीका–

निविदा प्रपत्रों का मूल्य उपरोक्त तालिका के अनुसार जी.एस.टी. सहित, निविदा प्रपत्र Online Internet की वेबसाइट **uktenders.gov.in** पर उपलब्ध है, तथा यही से Download एवं Upload किये जा सकते हैं। ई–निविदा से सम्बन्धित अन्य जानकारी उक्त वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती हैं। ई–निविदा वेबसाइट पर दिनांक **16.05.2023** की अपराह्न **2.00** बजे से उपलब्ध रहेगी।

सामान्य प्रबन्धक

शेफाली शाह और जयदीप अहलावत को न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव में शीर्ष पुरस्कार

न्यूयॉर्क। अभिनेत्री शेफाली शाह तथा अभिनेता जयदीप अहलावत और निर्देशक अविनाश अरुण धावरे को न्यूयॉर्क भारतीय फिल्म महोत्सव (एनवाईआईएफएफ) 2023 में शीर्ष पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। महोत्सव 11 से 14 मई तक यहां चला। इस वर्ष महोत्सव में नाटक, वृत्तचित्र और लघु फिल्मों समेत समकालीन भारतीय सिनेमा को प्रदर्शित करती 35 फिल्म दिखाई गईं। महोत्सव का समापन रविवार को एक पुरस्कार समारोह के साथ हुआ, जिसमें सर्वश्रेष्ठ कलाकार, फिल्म, निर्देशक और पटकथा जैसी श्रेणियों में पुरस्कार विजेताओं की घोषणा की गई। एनवाईआईएफएफ के 2023 संस्करण में सऊदी वेल्लक्का ने सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार जीता, जबकि धावरे की फिल्म थ्री ऑफ अस के लिए सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार मिला। इस फिल्म में शाह, अहलावत और स्वानंद किरकिरे ने अभिनय किया है।

शक्तिशाली चक्रवात मोखा ने बढ़ाईं म्यांमा की मुश्किलें

एजेंसी। ढाका

शक्तिशाली तूफान मोखा के म्यांमा में दस्तक देने के बाद देश के पश्चिमी तट के पास के इलाकों में 12 फुट तक समुद्र का पानी भर जाने के कारण वहां फंसे करीब 1,000 लोगों को सोमवार को बचावकर्मियों ने निकाला। चक्रवात के कारण म्यांमा के इस हिस्से में संचार संपर्क कट गया है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हालांकि चक्रवात से हुई क्षति और मृतकों की संख्या अभी ज्ञात नहीं है।सितवे में रखाइन यूथ्स फिलांथ्रोपिक एसोसिएशन के एक नेता ने नाम नहीं जाहिर करने का अनुरोध करते हुए बताया कि तेज हवाएं चलने के कारण हुई घटनाओं में 700 से अधिक लोग घायल हो गए और करीब 20,000 लोगों ने सितवे में मठों, पैगोडा और स्कूलों जैसे स्थानों पर शरण ली है। उन्होंने बताया कि रविवार को चक्रवात मोखा के रखाइन राज्य में दस्तक देने के बाद तटीय क्षेत्र में निचले इलाकों में समुद्र का पानी घुस आया है। निवासी घरों की छतों पर और ऊपरी मंजिलों पर शरण लिए हुए हैं जबकि तेज हवाओं और आंधी के कारण तत्काल बचाव कार्य में बाधा आ रही है। बचाव समूह के नेता ने कहा, कल शाम चार बजे तूफान थोड़ा कमजोर हुआ था लेकिन पानी नीचे नहीं उतरा। अधिकतर लोगों ने छतों पर और अपने मकान की ऊपरी मंजिल पर रहकर रात बिताई। पूरी रात तेज हवाएं चलती रहीं। उन्होंने बताया कि बाढ़ वाले इलाकों में सोमवार को सुबह तक करीब पांच फुट पानी भरा रहा, लेकिन हवाओं के शांत होने और सूरज निकलने के बाद बचाव कार्य जारी रहा। उन्होंने नागरिक संगठनों और अधिकारियों से सहायता भेजने और निवासियों को वहां से निकालने की अपील की। इससे पहले चक्रवात के कारण म्यांमा में तीन लोगों की मौत होने और पड़ोसी बांग्लादेश में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। हालांकि बांग्लादेश इस चक्रवात के असर से काफी हद तक बच गया है।

PUBLIC NOTICE

This is to inform public in general that Kotak Mahindra bank Ltd has organized an auction in below mention respect of Vehicles.

VEHICLES FOR SALE

1.ASHOK_LEY_AL_1214
UP37AT2456- YOM 2019
MINIMUM RESERVE PRICE -503863.11

UNDER HYPOTHECATION WITH M/S KOTAK MAHINDRA BANK IS UNDER SALE IN ITS "AS IS WHERE IS CONDITION" INTERESTED PARTIES CAN GIVE THEIR QUOTATIONS (ONLINE/ OFFLINE) WITHIN 15 DAYS FROM THIS PAPER PUBLICATION I.E. ON OR BEFORE 30.05.2023 (PLEASE NOTE THAT CLOSING AUCTION DATE WOULD NOT BE A WEEKLY OFF / HOLIDAY).

BRANCH ADDRESS:
KOTAK MAHINDRA BANK LTD., PLOT NO.7 INSTITUTIONAL AREA, SECTOR-125 NOIDA NEAR DELL CAMPUS NOIDA (U.P) UP-201313
OR CONTACT : GUNJAN SINGH KOTAK MAHINDRA BANK LTD.
CONTACT / 918510032426
EMAIL-gunjan.singh1@kotak.com

सांकेतिक कब्ज़े की सूचना

ICICI Bank
शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंज़िल, प्लॉट नंबर– 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली– 110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए नीचे वर्णित कर्ज़दारों को माँग सूचनाएँ निर्गमित की थीं, जिसमें उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि का प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार/ज़मानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे हैं, अतएव एतद् द्वारा कर्ज़दार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरदाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है। एतद् द्वारा विशेष रूप से कर्ज़दार एवं जनसाधारण को संपत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा संपत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र. सं.	कर्ज़दार/ सह–कर्ज़दार का नाम/ ऋण खाता क्र.	संपत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्ज़े की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	अभिषेक शर्मा/ कनिका शर्मा/ LBGUR00005834391/ LBGUR00005878699	प्लॉट नंबर ई–17, ब्लॉक ई, सेक्टर 89, द रिट्रीट में स्थित, गांव रिवाजपुर, तहसील और जिला फरीदाबाद क्षेत्रफल 299 वर्ग गज मई 09, 2023	जनवरी 02, 2023 रु. 9,027,685/–	दिल्ली/ एनसीआर
2.	अमरेंद्र कुमार/ चंद्रमुखी/ LBDEL00001104826	फ्लैट नंबर डी01/044/4, पहली मंज़िल, दिलशाद कॉलोनी एक्सटेंशन–2, ग्राम ब्रह्मपुरा उर्फ भोपरा तहसील और जिला गाजियाबाद (यूपी) (क्षेत्रफल 750 वर्ग फुट मई 10, 2023	नवंबर 30, 2022 रु. 5,42,449/–	दिल्ली/ एनसीआर
3.	प्रताप चंद्र खिलर मोनिका राउत/ LBGUR00002973642	फ्लैट नंबर 907, टॉवर–डी, 9वीं मंज़िल, रोफ आलयास टॉवर, सेक्टर–102, गुड़गांव, हरियाणा। (क्षेत्रफल 535 वर्ग फुट मई 08, 2023	नवंबर 30, 2022 रु. 21,30,730/–	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाए गए कर्ज़दार/सह–कर्ज़दार एवं ज़मानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें, अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात् अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जाएगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक : मई 16, 2023
स्थान : दिल्ली/एनसीआर
प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

अक्षम विधाई मसौदा कर सकता है लोकतंत्र कमजोर

भाषा। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि अक्षम विधाई मसौदा प्रणाली कानूनों एवं लोकतंत्र को कमजोर कर सकती है और यहां तक कि न्यायपालिका के कामकाज को भी प्रभावित कर सकती है। उन्होंने कहा कि मसौदे में ग्रे एरिया (जहां कमी मिलने की गुंजाइश हो) से व्याख्या में अतिक्रमण की आशंका रहती है।

राज्य और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वास्ते विधाई मसौदे के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए शाह ने यह भी कहा कि अगर मसौदा सुस्पष्ट और बेहतर हो तो कानून के बारे में शिक्षित करना आसान होता है तथा गलती की गुंजाइश न्यूनतम रहती है। उन्होंने कहा, कानून का मसौदा जितना सरल व स्पष्ट होगा, उसे लागू करना उतना ही आसान होगा। स्पष्ट मसौदे से न्यायिक अतिक्रमण की संभावना भी दूर रहती है। मसौदा तैयार करने की प्रक्रिया में जितनी अस्पष्टता होगी, न्यायिक व्याख्याओं के लिए उतनी ही अधिक गुंजाइश बनेगी।

शाह ने कहा कि भारत न सिर्फ सबसे बड़ा लोकतंत्र है, बल्कि लोकतंत्र का विचार भी भारत से ही उपजा था। उन्होंने कहा कि महाभारत के दिनों से मौर्य युग तक और फिर गुप्त साम्राज्य तक, लोकतंत्र सरकारी प्रणालियों के विकल्पों में से एक था। गृह मंत्री ने कहा, भारतीय संविधान लोकतंत्र के आधुनिक सिद्धांतों और प्रथाओं द्वारा निर्देशित रहते हुए हमारी लोकतांत्रिक विरासत से बहुत अधिक प्रेरित है।

उन्होंने कहा कि विधायिका कानूनी विशेषज्ञों की संस्था नहीं है, बल्कि जनप्रतिनिधियों की संस्था है जो लोगों की समस्याओं और आकांक्षाओं से अवगत हैं। गृह मंत्री ने कहा कि वे लोगों के अनुसार कानून बनाते हैं लेकिन इन कानूनों को संविधान की भावना के अनुसार ढालना एक बड़ी जिम्मेदारी है जो विधाई विभाग पर है। शाह ने कहा कि कमियों की गुंजाइश नहीं छोड़ने पर विशेष जोर दिया जाना चाहिए...उदाहरण के लिए, संविधान का मसौदा तैयार करते समय, विषय सूची में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि अनुच्छेद 370 एक अस्थाई प्रावधान था। उन्होंने पूछा, अगर यह नहीं लिखा होता तो क्या होता? शाह ने कहा, इसलिए मैं स्पष्ट रूप से कहता हूं कि किसी भी कानून का मसौदा तैयार करते समय विधायिका की आकांक्षा को समझना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

सरकारों का सुचारू कामकाज विधाई मसौदों पर भी निर्भर करता है। मंत्री ने कहा कि कानून का मसौदा तैयार करते समय कई कारकों- संविधान, लोगों के रीति-रिवाज, संस्कृति, ऐतिहासिक विरासत, शासन व्यवस्था की संरचना, समाज की प्रकृति, देश के सामाजिक-आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय संधियों- का ध्यान रखा जाना चाहिए।

पुणे में उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान (डीआईएटी) के 12वें दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य उपभोक्तावाद को बढ़ावा देना: न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 देश में उपभोक्तावाद को प्रोत्साहित करने के लिए है और उपभोक्ताओं के खिलाफ इसके प्रावधानों की व्याख्या करने का कोई भी तकनीकी दृष्टिकोण इसके पीछे के उद्देश्य को विफल कर देगा।

न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश की पीठ ने कहा कि एक रूढ़िवादी और अति-तकनीकी दृष्टिकोण उपभोक्तावाद की अवधारणा को नुकसान पहुंचाएगा।

शीर्ष अदालत की यह टिप्पणी एक आवासीय परियोजना को पूरा करने से संबंधित एक मामले में पारित राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (एनसीडीआरसी) के आदेश के खिलाफ अपील पर सुनवाई के दौरान आई। पीठ ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम का एक प्रशंसनीय उद्देश्य है और 2019 का कानून उपभोक्ताओं को बहुत ही लचीली प्रक्रिया प्रदान करके मंचों से संपर्क करने की सुविधा देता है। न्यायालय ने कहा, यह देश में उपभोक्तावाद को प्रोत्साहित करने के लिए है। उपभोक्ता के खिलाफ प्रावधानों को बनाने में कोई भी तकनीकी दृष्टिकोण अधिनियमन के पीछे के उद्देश्य के खिलाफ जाएगा।

पीठ ने कहा कि अपीलकर्ता हरियाणा पंजीकरण और सोसायटी के विनियमन (एचआरआरएस) अधिनियम, 2012 की धारा 6 के तहत पंजीकृत एक फ्लैट आवंटियों का संघ है, जबकि प्रतिवादी एक बिल्डर है जिसे आवास परियोजना के विकास का काम सौंपा गया है। अपने फैसले में, पीठ ने यह भी पाया कि एसोसिएशन ने एनसीडीआरसी से संपर्क किया था और आरोप लगाया था कि बिल्डर तय समय सीमा के भीतर वादा किए गए फ्लैटों के निर्माण और उन्हें पूरा करने के दायित्व में विफल रहा है और अतिरिक्त मांगों पर भी सवाल उठा रहा है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बाद में, बिल्डर द्वारा सोसायटी के जिला रजिस्ट्रार के पास एक शिकायत दर्ज की गई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि अपीलकर्ता संघ के उपनियमों में उल्लिखित लक्ष्य और उद्देश्य एचआरआरएस अधिनियम के अनुरूप नहीं थे। मामले के विवरण का उल्लेख करते हुए, पीठ ने पाया कि हरियाणा के प्रदेश निबंधक ने एसोसिएशन को छह महीने के भीतर अपने उपनियमों में संशोधन करने का निर्देश दिया था, जिसमें यह संकेत दिया गया था कि अनुपालन करने में किसी भी विफलता के परिणामस्वरूप पहले से ही प्रदान किया गया पंजीकरण रद्द कर दिया जाएगा।

अडाणी समूह के खिलाफ 2016 से जांच नहीं कर रहे : सेबी

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सोमवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि वह 2016 से अडाणी समूह की जांच नहीं कर रहा था और उसने इस तरह के दावों को तथ्यात्मक रूप से निराधार करार दिया।

जांच पूरी करने के लिए छह महीने का समय मांग रहे बाजार नियामक ने अपने पहले के हलफनामे में 51 भारतीय फर्मों द्वारा ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीद (जीडीआर) जारी किए जाने का उल्लेख करते हुए बताया था कि अडाणी समूह की कोई भी सूचीबद्ध कंपनी उनमें से नहीं थी। सेबी गौतम अडाणी के नेतृत्व वाले समूह द्वारा शेयर की कीमतों में हेरफेर के आरोपों की जांच कर रही है।

वकील प्रशांत भूषण ने 12 मई को समय बढ़ाने की याचिका का विरोध करते हुए कहा था कि सेबी 2016 से इस मामले में कोई जांच कर रही है। प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ जनहित याचिकाओं और सेबी की एक याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने समय के विस्तार के मुद्दे को लेकर सेबी की याचिका पर सुनवाई मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दी। बाजार विनियामक की याचिका और जनहित याचिकाओं पर सोमवार को सुनवाई समय की कमी और अपराह्न तीन बजे विशेष पीठ के समक्ष कुछ मामलों की पूर्व निर्धारित सुनवाई के कारण आज नहीं हो सकी। नियामक के ताजा हलफनामे में कहा गया कि सेबी द्वारा समय बढ़ाने के लिए दायर आवेदन का मतलब निवेशकों और प्रतिभूति बाजार के हित को ध्यान में रखते हुए न्याय सुनिश्चित करना है, क्योंकि पूर्ण तथ्यात्मक सामग्री के बिना मामले का कोई भी गलत या समय से पहले निष्कर्ष न्याय के उद्देश्य की पूर्ति नहीं करेगा और इसलिए कानूनी रूप से अस्थिर होगा। उसने कहा कि इसके पहले के जवाबी हलफनामे में उल्लिखित जांच का हिंडनबर्ग रिपोर्ट से संबंधित औराया उत्पन्न होने वाले मुद्दों से कोई संबंध नहीं है ...। हलफनामे में कहा गया, पैरा 5 में संदर्भित मामला 51 भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों द्वारा ग्लोबल डिपॉजिटरी रसीद जारी करने से संबंधित है, जिसके संबंध में जांच की गई थी। हालांकि, अडाणी समूह की कोई भी सूचीबद्ध कंपनी उपरोक्त 51 कंपनियों का हिस्सा नहीं थी। जांच पूरी होने के बाद इस मामले में उचित कार्वाई की गई। इसने इस आरोप को तथ्यात्मक रूप से निराधार करार दिया कि सेबी 2016 से अडाणी समूह की जांच कर रहा है। सेबी ने कहा, इसलिए, कहता चाहता हूं कि जीडीआर से संबंधित जांच पर भरोसा करने की मांग पूरी तरह से गलत है।

त्विक न्यूज

रक्षा आयात पर निर्भरता सामरिक स्वायत्तता में बाधा बन सकती है: राजनाथ सिंह

पुणे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता जरूरी है। सिंह ने पुणे में उन्नत प्रौद्योगिकी रक्षा संस्थान (डीआईएटी) के 12वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि रक्षा उपकरणों के आयात पर निर्भरता भारत की सामरिक स्वायत्तता में बाधा बन सकती है। उन्होंने कहा कि यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भरता के बिना, हम अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप वैश्विक मुद्दों पर स्वतंत्र निर्णय नहीं ले सकते। हम जितना अधिक उपकरण आयात करेंगे, उसका हमारे व्यापार संतुलन पर उतना अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। हम शुद्ध आयातक के बजाय शुद्ध निर्यातक बनने का लक्ष्य रखते हैं। इससे न केवल हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भरता का मतलब दुनिया से अलगाव नहीं है। उन्होंने कहा, आज, दुनिया एक वैश्विक गांव बन गई है और अलग रहना संभव नहीं है। आत्मनिर्भरता का उद्देश्य अपने मित्र देशों की सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करते हुए अपनी क्षमता से आवश्यक उपकरणाप्लेटफॉर्म बनाकर सशस्त्र बलों की जरूरतों को पूरा करना है। न्होंने आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा उठाए गए कदमों की बात की, जिसमें सशस्त्र बलों के लिए चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की घोषणा शामिल है। इसमें 411 प्रणालियांउपकरण शामिल हैं। सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा नवाचार के क्षेत्र में विशेष जोर दिया जा रहा है, भारत स्टार्ट-अप के लिए दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बन गया है। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्रालय को लगातार नवोन्मेषी विचार मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, डिफेंस इंडिया स्टार्ट-अप चैलेंज के पिछले सात संस्करणों में 6,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जो इंगित करता है कि भारतीय स्टार्ट-अप रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की तलाश में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। अधिक पेटेंट दायर किए जा रहे हैं, जो अभिनव कौशल का संकेत है।

मॉरिशस के राष्ट्रपति ने बेलूर मठ व दक्षिणेश्वर मंदिर के दर्शन किए

कोलकाता। मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन कोलकाता की तीन दिवसीय निजी यात्रा के दौरान सोमवार को आध्यात्मिक एवं धार्मिक स्थलों बेलूर मठ और दक्षिणेश्वर काली मंदिर गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। दक्षिणेश्वर काली मंदिर के एक प्रवक्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया कि अपनी पत्नी के साथ रूपन ने मंदिर के गर्भगृह में पूजा की और कहा कि वह अभिभूत हैं। अधिकारियों ने कहा कि इसके बाद वह रामकृष्ण मठ एवं मिशन के मुख्यालय बेलूर मठ गए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और सांस्कृतिक संगठन खोला हवा के अध्यक्ष स्वपन दासगुप्ता रूपन के साथ थे। रूपन रविवार सुबह कोलकाता पहुंचे थे।

एनआईए ने जम्मू कश्मीर में विभिन्न स्थानों पर छापे मारे

श्रीनगर। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने जम्मू कश्मीर में शांति एवं सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ रहे आतंकी संगठनों एवं उनके सहयोगी संगठनों पर कार्वाई के तहत सोमवार को घाटी में 13 स्थानों पर छापे मारे। एनआईए के एक प्रवक्ता ने बताया कि अनंतनाग, श्रीनगर, पुलवामा, शोपियां और बडगाम जिलों में छापे मारे गए और छापे के दौरान अभियोजन योग्य सामग्री एवं दस्तावेज जब्त किए गए। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, अल बद्र, और अलकायदा समेत पाकिस्तान आधारित कई आतंकवादी संगठनों से संबद्ध नए संगठनों, उनसे सहानुभूति रखने वालों, उनके लिए काम करने वाले या कर चुके लोगों के 13 स्थानोंठिकानों पर सघन तलाशी शुरू की। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ए छापे द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), यूनाइटेड लिबरेशन फ्रंट जम्मू एंड कश्मीर, मुजाहिदीन गजवत-उल-हिंद, जम्मू कश्मीर फ्रीडम फाइटर्स, कश्मीर टाइगर्स, पीएएएफ जैसे कई नए संगठनों के लिए काम करने वाले लोगों की गतिविधियों, उनकी आतंकी साजिश की मौजूदा एनआईए जांच का हिस्सा हैं। एनआईए ने कहा कि ए लोग आतंकवादी एवं हिंसक गतिविधियों के अलावा चुंबक बम, आईईडी, धन, मादक पदार्थ और हथियारों के संग्रहण एवं वितरण में भी शामिल पाए गए हैं। इसने कहा कि उसकी जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि पाकिस्तान में मौजूद आतंकवादी और उनके सहयोगी ड्रोन के माध्यम से कश्मीर में संबंधित लोगों तक हथियार, गोला-बारूद और मादक पदार्थ पहुंचाते हैं तथा इस काम में सोशल मीडिया का भी सहारा लेते हैं। एनआईए ने पिछले साल स्वत: संज्ञान लेते हुए 21 जून को मामला दर्ज किया था।

वानखेड़े की विदेश यात्राएं, कीमती घड़ियां जांच के दायरे में

नई दिल्ली। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) के पूर्व अधिकारी समीर वानखेड़े की विदेश यात्राएं केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच के दायरे में हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सीबीआई ने अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को कथित तौर पर मादक पदार्थ मामले में नहीं फंसाने के लिए उनके परिवार से 25 करोड़ रुपए रिश्वत के तौर पर मांगने को लेकर वानखेड़े के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एनसीबी के विशेष जांच दल (एसईटी) ने विभाग के तत्कालीन जोनल निदेशक वानखेड़े की विदेश यात्राओं पर उनके कथित अनुचित जवाबों तथा खर्चों पर स्पष्ट तौर पर गलत जनकारी को लेकर संदेह जताया था। एसईटी ने अपनी जांच में कहा, उन्होंने अपनी विदेश यात्रा के स्रोत के बारे में भी स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। ऐसा पाया गया कि वानखेड़े विभाग (वर्तमान तथा मूल) को सूचित किए बिना विरल राजन नामक व्यक्ति के साथ मंहगी घंडियों की बिक्री और खरीद में लिप्त थे। एसईटी की जांच में सामने आई बातों को प्राथमिकी में शामिल किया गया है। सोमवार को सार्वजनिक किए गए प्राथमिकी के ब्योरों के अनुसार, स्वतंत्र गवाह के पी गोसावी तथा प्रभाकर सैल को वानखेड़े के निर्देश पर कॉर्डेला क्रूज पोत पर दो अक्टूबर 2021 को मारे गए छापे में एनसीबी ने शामिल किया था। प्रभाकर सैल की मौत हो चुकी है। गोसावी ने अपने सहयोगी सांविल डिसूजा तथा अन्य के साथ मिलकर आर्यन खान के परिवार से 25 करोड़ रुपए की उगाही करने की साजिश रची थी प्राथमिकी में आरोप लगाया गया है कि आर्यन को छोड़ने के लिए गोसावी तथा डिसूजा ने राशि पर बातचीत की और इसे घटा कर 18 करोड़ रुपए किया। साथ ही उन्होंने 50 लाख रुपए अग्रिम राशि के तौर पर ले भी लिए, बाद में इसका कुछ हिस्सा लौटा दिया था।

हरिवंश ने पुरानी पेंशन बहाली से पाकिस्तान और श्रीलंका सरीखे आर्थिक संकट के बारे में चेताया

भाषा। इंदौर

राज्यसभा के उप सभापति हरिवंश ने सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना बहाल किए जाने की स्थिति में देश की आर्थिक बदहाली के खतरे की ओर सोमवार को आगाह किया। उन्होंने कहा कि सत्ता पाने के लिए पुरानी पेंशन योजना पर लौटने की बात हो रही है, लेकिन समाज को बहस करनी चाहिए कि क्या ऐसे कदमों से भविष्य में देश में श्रीलंका और पाकिस्तान सरीखा भीषण आर्थिक संकट पैदा नहीं हो जाएगा?

हरिवंश, इंदौर की सामाजिक संस्था अभ्यास मंडल की ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला के तहत नए दौर की चुनौतियां विषय पर संबोधित कर रहे थे। गौरतलब है कि अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार ने पुरानी पेंशन योजना एक अप्रैल 2004 से बंद कर दी थी और इसके स्थान पर नई राष्ट्रीय पेंशन योजना शुरू की थी। हरिवंश ने कहा, अब सत्ता पाने के लिए वापस पुरानी पेंशन योजना पर जाने की बात हो रही है क्योंकि सरकारी कर्मचारी संगठित हैं और इस कारण यह एक बड़ा वोट बैंक है। उन्होंने कहा कि जिन पांच राज्यों ने पुरानी पेंशन योजना बहाल की है, उनके सरकारी खजाने पर कुल मिलाकर तीन लाख करोड़ रुपए का बोझ बढ़ गया है। हरिवंश ने पुरानी पेंशन योजना बहाल करने वाले राज्यों में शामिल राजस्थान का उदाहरण देते हुए कहा कि इस कदम से राजस्थान के कुल कर राजस्व का 56 प्रतिशत हिस्सा केवल छह फीसद सरकारी कर्मचारियों पर खर्च होगा। उन्होंने देश में पुरानी पेंशन योजना बहाल किए जाने पर सरकारी खजाने पर बोझ बढ़ने के आशंकित दुष्परिणामों पर जोर देते हुए कहा, तो क्या हम भविष्य में अपने देश में श्रीलंका और पाकिस्तान जैसी स्थितियां पैदा करना चाहते हैं?

तमिलनाडु में जहरीली शराब से जान गंवाने वालों की संख्या 14 हुई

भाषा। विल्लुपुरम (तमिलनाडु

अस्पताल में भर्ती लोगों का हालचाल लेते तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन

तमिलनाडु के विल्लुपुरम में जहरीली शराब पीने से जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर सोमवार को 14 हो गई और 51 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज जारी है। राज्य सरकार ने एक बयान में यह जानकारी दी। विल्लुपुरम सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करा रहे लोगों से मिलने के बाद मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने पत्रकारों से कहा कि मामले की जांच सीबी-सीआईडी ((क्राइम-ब्रांच क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट) को स्थानांतरित की जाएगी और उन्होंने कड़ी कार्वाई का आश्वासन भी दिया। प्रारंभिक पुलिस जांच के अनुसार, शराब बनाने में मेथेनॉल का इस्तेमाल किए जाने के कारण यह त्रासदी हुई। अन्नाद्रमुक प्रमुख एवं विपक्ष के नेता के. पलानीस्वामी ने कहा कि उन्होंने तमिलनाडु में अवैध शराब की बढ़ती उपलब्धता का मुद्दा विधानसभा में उठाया था। अगर सरकार ने उचित कार्वाई की होती तो ऐसी घटनाओं को टाला जा सकता था। उन्होंने तिरुचिरापल्ली में पत्रकारों से कहा, मुख्यमंत्री स्टालिन पूरी तरह से (इसके लिए) जिम्मेदार हैं। उन्हें अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए, वह एक अयोग्य मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का आरोप भी लगाया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के अन्नामलाई ने भी इस मुद्दे पर सत्तारूढ़ द्रमुक की आलोचना की। स्टालिन ने कहा कि चेंगलपेट जिले के पेरुंकरनाई गांव में अवैध शराब पीने से पांच लोगों की मौत हो गई और सात लोगों का चेंगलपेट सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज जारी है। विल्लुपुरम और चेंगलपेट में अवैध शराब बनाने के लिए मे थे नॉल का इस्तेमाल किया गया। अवैध शराब को भरने के लिए चेंगलपेट में राज्य द्वारा संचालित टीएएसएमएसी दुकान में बेचे जाने वाले मादक पेय पदार्थों की खाली बोतलों का इस्तेमाल किया गया। स्टालिन ने कहा, मैंने दोनों घटनाओं में जान गंवाने वालों के परिवार वालों को 10-10 लाख रुपए का मुआवजा देने का निर्देश दिया है। जिनका इलाज चल रहा है, उन्हें 50-50 हजार रुपए की सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि दोनों घटनाओं के सिलसिले में अवैध शराब बनाने वालों को गिरफ्तार कर लिया गया है और इसमें शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

स्टालिन ने कहा, अवैध शराब बनाने में उद्योग में इस्तेमाल किए जाने वाले कच्चे माल के इस्तेमाल पर पूर्ण रोक लगाने, घटना के मूल कारण का पता लगाने और अवैध शराब का सफाया करने करने के लिए दोनों घटनाओं की जांच सीबी-सीआईडी को सौंपी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि अवैध शराब बनाने और बिक्री पर पूरी तरह से रोक के सरकार के आदेश को लागू नहीं करने वाले अधिकारियों के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की जाएगी।

हिंदुत्व धर्म नहीं, बजरंग दल गुंडों की टोली: दिग्विजय

भाषा। जबलपुर (मप्र)

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्वियज सिंह ने दावा किया कि हिंदुत्व कोई धर्म नहीं है और वह सनातन धर्म में विश्वास करते हैं जो सद्भाव और सभी के कल्याण का उपदेश देता है। कांग्रेस से राज्यसभा सदस्य ने सोमवार को यहां पत्रकार वार्ता में बजरंग दल (विश्व हिंदू परिषद की युवा शाखा) को गुंडों की जमात करार दिया। सिंह ने एक सवाल के उत्तर में कहा, हमारा सनातन धर्म है। हम हिंदुत्व को धर्म नहीं मानते। धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भावना हो, विश्व का कल्याण हो जैसे नारे सनातन धर्म की सभाओं का प्रतीक है। यह सनातन धर्म है। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन हिंदुत्व के साथ ऐसा नहीं है। हिंदुत्व है- जो नहीं माने उन्हें डंडों से मारो, उनके घरों को तोड़ दो, पैसे उड़ाओ। सिंह ने कहा कि यह दुखद है कि भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, गुंडों की जमात ने जबलपुर में कांग्रेस कमेटी कार्यालय (चार मई को) में तोड़फोड़ करने के लिए हमला किया था। उन्होंने कहा कि बजरंग दल की तुलना बजरंग बली से करना देवता का अपमान करने के समान है। उन्होंने आगे कहा, आपको क्षमा मांगनी चाहिए। प्रदेश के मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा कि कांग्रेस संविधान, नियमों और कानूनों का पालन करती है। कर्नाटक में बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने के कांग्रेस के चुनावी वादे के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा, उच्चतम न्यायालय ने नफरत फैलाने वाले बयान देने वाले किसी भी धर्म के व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है। कांग्रेस ने हाल ही में हुए कर्नाटक चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में कहा था कि पार्टी जाति और धर्म के आधार पर समुदायों के बीच नफरत फैलाने वाले बजरंग दल और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे व्यक्तियों और संगठनों के खिलाफ दृढ़ और निर्णायक कार्वाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का कांग्रेस का वादा क्या मुस्लिम मतों को लामबंद करने की रणनीति थी ?

नई दिल्ली (भाषा)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं ने कहा है कि बजरंग दल को प्रतिबंधित करने का वादा चुनावी घोषणापत्र में जानबूझकर शामिल किया गया था। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या इस वादे का मकसद मुस्लिम मतों को अपने पक्ष में लामबंद करना था? कांग्रेस के घोषणापत्र समिति में शामिल नेताओं ने इस बात की पुष्टि की है कि इस मुद्दे को आखिरी मिनट पर घोषणापत्र में डाला गया, ताकि भाजपा इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना सके। पार्टी ने गत दो मई को जारी अपने घोषणापत्र में कहा था, हमारा मानना है कि कानून और संविधान पवित्र है। कोई व्यक्ति या बजरंग दल, पीएफआई और नफरत एवं शत्रुता फैलाने वाले दूसरे संगठन, चाहे वह बहुसंख्यकों के बीच के हों या अल्पसंख्यकों के बीच के हों, वे कानून और संविधान का उल्लंघन नहीं कर सकते। हम ऐसे संगठनों पर कानून के तहत प्रतिबंध लगाने समेत निर्णायक कार्रवाई करेंगे।

ईडी को रायपुर के महापौर के भाई की 21 करोड़ रुपए मूल्य की जमीन का पता चला

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला

भाषा। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट घोटाला मामले में कांग्रेस नेता और रायपुर के महापौर एजाज ढेबर के बड़े भाई अनवर ढेबर द्वारा कथित रूप से अधिगृहीत 21 करोड़ रुपए से अधिक की भूमि का खुलासा किया है।

संघीय जांच एजेंसी ने सोमवार को एक बयान में यह आरोप भी लगाया कि छत्तीसगढ़ राज्य विपणन निगम लिमिटेड (सीएसएमसीएल) के प्रबंध निदेशक अरुण पति त्रिपाठी ने अनवर ढेबर के कहने पर छत्तीसगढ़ के समूचे शराब तंत्र को भ्रष्ट किया। भारतीय दूरसंचार सेवा (आईटीएस) के अधिकारी त्रिपाठी इस मामले में ईडी द्वारा पिछले हफ्ते गिरफ्तार चौथे व्यक्ति हैं। उनके पास राज्य के आबकारी विभाग में विशेष सचिव का भी प्रभार था। अनवर ढेबर, होटल कारोबारी नितेश पुरोहित और शराब कारोबारी त्रिलोक सिंह ढिल्लों को एजेंसी ने अपनी जांच के तहत हिरासत में ले लिया है। चारों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। एक बयान में प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के रायपुर व भिलाई तथा मुंबई में हालिया दौर के छापों के फलस्वरूप एक जेवी (संयुक्त उपक्रम) के नाम पर अपराध की आय का उपयोग करके अनवर ढेबर द्वारा नया रायपुर में अधिग्रहित 53 एकड़ भूमि (21.60 करोड़ रुपए कीमत) का पता लगाया गया।

ईडी ने लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन से संबंधित मामले में 457 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की

नई दिल्ली। लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के खिलाफ दर्ज मामले की जांच के दौरान धनशोधन रोधी कानून के तहत लगभग 457 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है। प्रवर्तन निदेशालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। यह मामला केरल में लॉटरी की बिक्री में हुई धोखाधड़ी से कथित तौर पर सिक्किम सरकार को हुए 900 करोड़ रुपए के नुकसान से संबंधित है। एजेंसी ने 11 और 12 मई को कोयंबटूर और चेन्नई में मार्टिन तथा उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ और कोयंबटूर में फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के आधिकारिक परिसरों पर नए सिरे से छापेमारी की। फ्यूचर गेमिंग सॉल्यूशंस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड सिक्किम लॉटरी का मुख्य वितरक है और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) मार्टिन से पूछताछ कर रहा है, जिसे 2019 से तमिलनाडु में लॉटरी किंगे के रूप में जाना जाता है।

सनराइजर्स को हराकर टाइटंस प्ले ऑफ में

भाषा। अहमदाबाद

सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल के शतक के बाद मोहम्मद शमी और मोहित शर्मा की तूफानी गेंदबाजी से गत चैंपियन गुजरात टाइटंस सोमवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग में सनराइजर्स हैदराबाद को 34 रन से हराकर प्ले ऑफ में जगह बनाने वाली पहली टीम बना। टाइटंस के 13 मैच में नौ जीत से 18 अंक हो गए हैं और टीम का लीग चरण के बाद शीर्ष दो में रहना तय हो गया है। इस हार के साथ सनराइजर्स की टीम दिल्ली कैपिटल्स के बाद प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर होने वाली दूसरी टीम बनी।

टाइटंस ने गिल की 58 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 101 रन की पारी के अलावा साई सुदर्शन (47) के साथ उनकी दूसरे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी से नौ विकेट पर 188 रन बनाए। इन दोनों के अलावा हालांकि टाइटंस का कोई बल्लेबाज दोहरे अंक में नहीं पहुंच पाया। इसके जवाब में सनराइजर्स की टीम शमी (21 रन पर चार विकेट) और मोहित (28 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने हेनरिक क्लासेन (64) के अर्धशतक के बावजूद नौ विकेट पर 154 रन ही बना सकी। क्लासेन ने भुवनेश्वर कुमार (27) के साथ आठवें विकेट के लिए 68 रन भी जोड़े।

लक्ष्य का पीछा करने उतरे सनराइजर्स की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने पांचवें ओवर में 29 रन तक ही चार विकेट गंवा दिए। शमी ने पहले ही ओवर में अनमोलप्रीत सिंह (05) को डीप थर्ड मैन पर राशिद खान के हाथों कैच कराया। अभिषेक शर्मा (05) ने यश दयाल पर चौका जड़ा लेकिन इसी ओवर में विकेटकीपर रिद्धिमान साहा को कैच दे बैठे। शमी ने अपने अगले दो ओवरों में राहुल त्रिपाठी (01) और कप्तान एडेन मार्कराम (10) को पवेलियन भेजा। त्रिपाठी ने स्लिप में राहुल तेवतिया को कैच थमाया जबकि मार्कराम दासुन शनाका को कैच दे बैठे। सनराइजर्स की टीम पावरप्ले में चार विकेट पर 45 रन ही बना सकी।

सनवीर सिंह (07) ने शमी पर छक्के से खाता खोला लेकिन मोहित की गेंद पर डीप थर्ड मैन पर सुदर्शन को कैच दे बैठे। अब्दुल समद (04) ने भी मोहित के इसी ओवर में स्थानापन्न खिलाड़ी शिवम मावी को कैच थमाया जिससे टीम का स्कोर छह विकेट पर 49 रन हो गया। मार्को यानसेन (03) भी मोहित के अगले ओवर में हार्दिक पंड्या के हाथों लपके गए।

क्लासेन ने हालांकि एक छोर संभाले रखा। उन्होंने राशिद और नूर अहमद पर छक्के जड़े। नूर की पहली ही गेंद पर हालांकि वह भाग्यशाली रहे जब डेविड मिलर ने बाउंड्री पर उनका कैच टपका दिया और गेंद छह रन के लिए चली गई।

क्लासेन ने नूर के अगले ओवर में भी छक्का मारा जबकि भुवनेश्वर ने राशिद पर चौके के साथ 14वें ओवर में टीम के रनों का सैकड़ा पूरा किया। क्लासेन ने राशिद पर एक रन के साथ 35 गेंद में अर्धशतक पूरा किया।

सनराइजर्स को अंतिम पांच ओवर में जीत के लिए 78 रन की दरकार थी। क्लासेन ने नूर पर चौका मारा लेकिन शमी के अगले ओवर में लांग ऑफ पर मिलर को कैच दे बैठे जिससे सनराइजर्स की रही सही उम्मीद भी टूट गई। क्लासेन ने 44 गेंद का सामना करते हुए चार चौके और तीन छक्के मारे। इससे पहले भुवनेश्वर कुमार (30 रन पर पांच विकेट) और टी नटराजन (34 रन पर एक विकेट) ने अंतिम ओवरों में सनराइजर्स को वापसी दिलाई जिससे टाइटंस की टीम अंतिम आठ ओवर में 57 रन ही जोड़ सकी। मार्कराम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया जिसके बाद भुवनेश्वर ने मैच की तीसरी की गेंद पर साहा (00) को स्लिप में अभिषेक के हाथों कैच करा दिया।

सुदर्शन ने भुवनेश्वर के अगले ओवर में दो चौके मारे। गिल शुरू से ही अच्छी लय में नजर आए। उन्होंने तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी पर लगातार चार चौके मारे। टाइटंस ने पावरप्ले में एक विकेट पर 65 रन बनाए।गिल ने मार्कराम का स्वागत लगातार दो चौकों के साथ किया जबकि मयंक मार्कंडेय के अगले ओवर में लगातार दो चौकों के साथ सिर्फ 22 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। सुदर्शन ने मार्कंडेय पर चौके के साथ 10वें ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा किया। सुदर्शन ने यानसेन की नोबॉल पर छक्का और अगली गेंद पर चौका मारा जबकि गिल ने अभिषेक के ओवर में एक छक्का और चौका जड़ा। यानसेन ने हालांकि अपने अगले ओवर में सुदर्शन को शॉर्ट थर्डमैन पर टी नटराजन के हाथों कैच कराके शतकीय साझेदारी का अंत किया। उन्होंने 36 गेंद का सामना करते हुए छह चौके और एक छक्का मारा। कप्तान हार्दिक पंड्या (08) ने यानसेन पर चौके के साथ 15वें ओवर में टीम का स्कोर 150 रन के पार पहुंचाया लेकिन अगले ओवर में भुवनेश्वर की गेंद पर त्रिपाठी को कैच दे बैठे। डेविड मिलर भी पांच गेंद में सात रन बनाने के बाद नटराजन की गेंद को लांग ऑफ पर मार्कराम के हाथों में खेल गए। तेवतिया भी सिर्फ तीन रन बनाने के बाद फारूकी की गेंद पर यानसेन के शानदार कैच का शिकार बने।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस : रिद्धिमान साहा का अभिषेक बो भुवनेश्वर 00, शुभमन गिल का समद बो भुवनेश्वर 101,साई सुदर्शन का नटराजन बो यानसेन 47, हार्दिक पंड्या का त्रिपाठी बो भुवनेश्वर 08,डेविड मिलर का मार्कराम बो नटराजन 07, राहुल तेवतिया का यानसेन बो फारूकी 03, दासुन शनाका नाबाद 09, राशिद खान का क्लासेन बो भुवनेश्वर 00, नूर अहमद रन आउट 00, मोहम्मद शमी का यानसेन बो भुवनेश्वर 00, मोहित शर्मा नाबाद 00, **अतिरिक्तः** 13 **कुलः**20 ओवर मे नौ विकेट परः 188 रन, **विकेट पतनः**1-0, 2-147, 3-156, 4-169, 5-175, 6-186, 7-186, 8-186, 9-187 **गेंदबाजीः** भुवनेश्वर 4-0-30-5, यानसेन 4-0-39-1, फारूकी 3-0-31-1, नटराजन 4-0-34-1, मार्कराम1-0-13-0, मार्कंडेय 3-0-27-0, अभिषेक1-0-13-0

सनराइजर्स हैदराबादः अनमोलप्रीत सिंह का राशिद बो शमी 05, अभिषेक शर्मा का साहा बो दयाल 05, एडेन मार्कराम का शनाका बो शमी 10, राहुल त्रिपाठी का तेवतिया बो शमी 01, हेनरिक क्लासेन का मिलर बो शमी 64, सनवीर सिंह का सुदर्शन बो मोहित 07, अब्दुल समद का स्थानापन्न बो मोहित 04, मार्को यानसेन का हार्दिक बो मोहित 03, भुवनेश्वर कुमार का राशिद बो मोहित 27, मयंक मार्कंडेय नाबाद 18, फजलहक फारूकी नाबाद 01 **अतिरिक्तः** 09, **कुलः**20 ओवर मे नौ विकेट परः 154 रन **विकेट पतनः**1-6, 2-11, 3-12, 4-29, 5-45, 6-49, 7-59, 8-128, 9-147 **गेंदबाजीः** शमी 4-0-21-4, दयाल 4-0-31-1, राशिद 4-0-28-0, मोहित 4-0-28-4, नूर 2.5-0-33-0, तेवतिया 1.1-0-7-0

मुंबई इंडियंस के विजय अभियान पर रोक लगाने उतरेगी लखनऊ सुपर जाइंट्स

भाषा। लखनऊ

टूर्नामेंट के आखिरी चरण में फॉर्म में लौटी मुंबई इडियंस का सामना मंगलवार को एक महत्वपूर्ण मैच में जब लखनऊसुपर जाइंट्स से होगा तो उसका इरादा इस लय को बरकरार रखकर प्लेआफ का दावा पुख्ता करने का होगा।

मुंबई 14 अंक लेकर अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि इतने ही मैचों में एक अंक कम होने से लखनऊ चौथे स्थान पर है। दोनों टीमों की कोशिश जीत के साथ प्लेआफ की ओर अगला कदम रखने की होगी क्योंकि अभी आठ टीमें दौड़ में बनी हुई हैं। मुंबई के लिए सूर्यकुमार यादव जबर्दस्त फॉर्म में लौट आए हैं और पिछले दो मैचों में जीत में के सूत्रधार रहे।

गुजरात टाइटंस के खिलाफ रोहित शर्मा ने भी लय हासिल की और अब अटल बिहारी वाजपेई स्टेडियम पर बड़ी पारी खेलना चाहेंगे। तिलक वर्मा की गैर मौजूदगी में मुंबई को निहाल वढेरा के रूप में अच्छा विकल्प मिला जो मैच दर मैच निखरते जा रहे हैं।

गेंदबाजी में अनुभवी स्पिनर पीयूष चावला बल्लेबाजों की परेशानी का सबब बने हुए हैं जबकि युवा आकाश बढवाल ने तेज आक्रमण को मजबूत किया है।

यह मैच भी कम स्कोर वाला रहने की उम्मीद है जिसमें स्पिनरों की भूमिका अहम हो सकती है। लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने लखनऊ के लिए सर्वाधिक विकेट लिए हैं और कार्यवाहक कप्तान कृणाल पंड्या ने भी सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की।

अनुभवी अमित मिश्रा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाज खासकर आवेश खान महंगे साबित हुए हैं जिनका इकॉनामी रेट नौ मैचों में दस के करीब रहा।

चोटिल केएल राहुल की गैर मौजूदगी में भी बल्लेबाजी मजबूत लग रही है। क्विंटेन डिकॉक ने राहुल के विकल्प के तौर पर प्रभावित किया है जबकि काइल मायर्स ने इस सत्र में लखनऊ के लिए सर्वाधिक रन बनाए हैं। निकोलस पूरन और सौराष्ट्र के बल्लेबाज प्रेरक मांकड़ से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

टीमें :

मुंबई इंडियंसः रोहित शर्मा (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, अरशद खान, जेसन बेहरेनडॉर्फ, डेवाल्ड ब्रेविस, पीयूष चावला, टिम डेविड, राघव गोयल, कैमरन ग्रीन, इशान किशन, डुआन जानसेन, क्रिस जॉर्डन, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल , रिले मेरेडिथ, शम्स मुलानी, रमनदीप सिंह, संदीप वारियर, ऋतिक शौकीन, ट्रिस्टन स्टब्स, अर्जुन तेंदुलकर, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, सूर्यकुमार यादव।

लखनऊ सुपरजाइंट्सः कृणाल पंड्या (कप्तान), काइल मायर्स, दीपक हुड्डा, अमित मिश्रा, निकोलस पूरन , क्विंटेन डिकॉक , नवीन उल हक, आयुष बडोनी, अवेश खान, करण शर्मा, युद्धवीर चरक, यश ठाकुर, रोमारियो शेफर्ड, मार्क वुड, स्वप्निल सिंह, मनन वोहरा, डेनियल सैम्स, प्रेरक मांकड़, कृष्णप्पा गौतम, मार्कस स्टोइनिस, रवि बिश्नोई, करुण नायर और मयंक यादव।

आईसीसी का राजस्व वितरण मॉडल त्रुटिपूर्ण है लेकिन कोई इसे चुनौती नही देगाः आथर्टन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल आथर्टन ने अगले चार साल (2024-2027) के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के लाभ साझा करने के प्रस्तावित मॉडल की आलोचना की है जहां भारत को सालाना 60 करोड़ डॉलर के राजस्व का 38.50 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। यदि आईसीसी की वित्तीय और वाणिज्यिक मामलों (एफ एंड सीए) समिति द्वारा प्रस्तावित मॉडल को जून में वार्षिक सम्मेलन के दौरान पारित किया जाता है तो बीसीसीआई को सालाना 23 करोड़ 10 लाख डॉलर मिलेंगे जबकि इंग्लैंड 6.89 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे अधिक राजस्व हासिल करने वाला देश होगा। इंग्लैंड का हिस्सा चार करोड़ 13 लाख और 30 हजार डॉलर बनता है। ऑस्ट्रेलिया तीन करोड़ 75 लाख 30 हजार डॉलर के साथ इस सूची में तीसरे स्थान पर है। उसे 6.25 प्रतिशत हिस्सेदारी मिलेगी। आईसीसी के सभी एसोसिएट देशों के बीच 11 प्रतिशत हिस्सा बांटा जाएगा। आथर्टन ने हालांकि कहा कि अन्य सभी देशों के राजस्व में भी उछाल देखने को मिलेगा इसलिए वैश्विक सम्मेलन के दौरान शायद ही कोई इस पर सवाल उठाए। आथर्टन ने अपने टाइम्स लंदन में अपने कॉलम में लिखा, प्रस्तावित वितरण मॉडल पर जून में अगली आईसीसी बैठक में चर्चा की जाएगी लेकिन हर देश को अभी की तुलना में बड़ी राशि (धनराशि के लिहाज से) मिल रही है इसलिए प्रस्तावों को चुनौती देने की इच्छा कम हो सकती है।

पंजाब की पारंपरिक मार्शल आर्ट गटका राष्ट्रीय खेलों में शामिल

चंडीगढ़। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने पंजाब की पारंपरिक मार्शल आर्ट गटका को इस साल अक्टूबर मे गोवा मे होने वाले राष्ट्रीय खेलो मे प्रदर्शनी खेल के रूप मे शामिल किया है। प्रदर्शनी खेलो मे जीते गए पदको को पदक तालिका मे शामिल नही किया जाता है लेकिन गटका के इस साल राष्ट्रीय खेलो का हिस्सा बनने का मतलब है अगले खेलों में उसे प्रतिस्पर्धी खेल के रूप में शामिल किया जा सकता है। भारतीय राष्ट्रीय गटका संघ के अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल ने कहा, हम इस खेल को आईओए से मान्यता मिलने के लिए लंबे समय से इंतजार कर रहे थे। इससे पहले खेल मंत्रालय ने हरियाणा मे 2021 मे खेले गए खेलो इंडिया युवा खेलो मे गटका और कलारीपयट्टू सहित चार स्वदेशी खेलो को शामिल करने की मंजूरी दी थी। गटका मार्शल आर्ट की एक शैली है जिसमे तीन से लेकर 3.5 फुट लंबी लकड़ी की छड़ियों तथा विरोधी खिलाड़ी से बचने के लिए चमड़े से बनी ढाल का उपयोग किया जाता है।

चेन्नई के अंतिम लीग मैच के बाद स्वदेश लौट जाएंगे बेन स्टोक्स

नई दिल्ली। फिटनेस की समस्या से जूझ रहे इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स चेन्नई सुपर किंग्स के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मे अंतिम लीग मैच के बाद स्वदेश लौट जाएंगे ताकि उन्हे अगले महीने से शुरू हो रही एशेज श्रृंखला की तैयारियों के लिए पर्याप्त समय मिल सके। इस 31 वर्षीय आलराउंडर को चेन्नई सुपर किंग्स ने दिसंबर 2022 की नीलामी में 16.25 करोड़ रुपए मे खरीदा था। वह चेन्नई की तरफ से केवल दो मैचो मे खेल पाए जिसमे उन्होने सात और आठ रन बनाए। उन्होने केवल एक ओवर किया जिसमे 18 रन दिए। स्टोक्स शनिवार की शाम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ होने वाले अंतिम लीग मैच के बाद ब्रिटेन लौट जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैड के बीच एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। इंग्लैड एशेज की तैयारियो के सिलसिले मे एक जून से आयरलैड के खिलाफ लॉर्ड्स मे एकमात्र टेस्ट मैच भी खेलेगा।

गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर दौड़ में स्वर्ण जीता

रांची। उत्तर प्रदेश के गुलवीर सिंह ने सोमवार को यहां फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैपियनशिप के पहले दिन पुरुषो की 10,000 मीटर दौड़ मे स्वर्ण जीतकर आगामी एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया। एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप 12 से 16 जुलाई के बीच बैकॉक मे आयोजित की जाएगी। गुलवीर ने 29 मिनट 5.90 सेकंड मे यह दौड़ जीती जो कि एशियाई चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग समय 29 मिनट 30 सेकंड से बेहतर था। गुजरात के अंतरराष्ट्रीय धावक मुरली कुमार गावित 35 एथलीटो मे 11वे स्थान पर रहे। उन्होने 29:27.76 का समय निकाला।

भारत में हम भयभीत हो गए थे और सभी जानते हैं कि फिर क्या हुआः नाथन लियोन

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया के स्टार ऑफ स्पिनर नाथन लियोन नहीं चाहते कि उनकी टीम के खिलाड़ी एशेज श्रृंखला से पहले किसी तरह का डर अपने मन में बनाकर रखें जैसा कि इस साल के शुरू में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारत में हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ यह श्रृंखला।-2 से गंवाई थी। उसके खिलाड़ियों में घबराहट का एक नमूना दिल्ली टेस्ट में देखने को मिला था जब उसके बल्लेबाजों ने टर्न लेती पिच पर स्वीप शॉट खेलकर अपने विकेट गंवाए। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज श्रृंखला 16 जून से शुरू होगी। इससे पहले भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेला जाएगा। लियोन ने एएपी से कहा, हमें घबराना नहीं चाहिए। भारत में हम घबरा गए थे और हम सभी जानते हैं फिर क्या हुआ। अगर हम उस अनुभव से सीख ले सकते हैं और जिस तरह से अपनी क्रिकेट खेलते रहे हैं।

रोहित व विराट को टेस्ट-वनडे के लिए तरोताजा रखें

टी20 में यशस्वी, तिलक को आजमाए

भाषा। नई दिल्ली

भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे अनुभवी खिलाड़ी को अब टेस्ट और वनडे पर फोकस करना चाहिए जबकि तिलक वर्मा, जितेश शर्मा और यशस्वी जायसवाल जैसे युवाओं को टी20 में आजमाना चाहिए। शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो से कहा , रोहित, विराट कोहली जैसे खिलाड़ी खुद को साबित कर चुके हैं। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवाओं को मौके देने चाहिए ताकि रोहित और विराट जैसे खिलाड़ी वनडे और टेस्ट के लिए तरोताजा रहें। इतने अनुभव के साथ अब फोकस टेस्ट क्रिकेट पर होना चाहिए। इन्हें अत्यधिक क्रिकेट से बचाकर रखना जरूरी है। यशस्वी, जितेश, तिलक और रिंकू सिंह जैसे युवाओं ने आईपीएल के इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है और रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टी20 टीम में जगह बनाने के दावेदार हैं। शास्त्री ने कहा , वेस्टइंडीज के खिलाफ अगली टी20 श्रृंखला में इन खिलाड़ियों को मौका मिलना चाहिए। चयनकर्ताओं को अभी से इन्हें तैयार करना चाहिए। इंतजार करने की बजाय उनके मौजूदा फॉर्म का इस्तेमाल करना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि फ्रेंचाइजी के लिए शीर्षक्रम में खेलने वाले खिलाड़ी को भारत के लिए मध्यक्रम में नहीं उतारना चाहिए। शास्त्री के जाने के बाद वेंकटेश अय्यर के साथ यही हुआ। उन्होंने कहा , अगर फ्रेंचाइजी के लिए कोई खिलाड़ी तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करता है और आप अचानक उसे छठे नंबर पर उतारते हैं या पारी की शुरूआत करने के लिए कह देते हैं। मेरा मानना है कि ऐसा नहीं होना चाहिए। सही काम के लिए सही व्यक्ति का चयन होना चाहिए।

हमारा लक्ष्य 2047 तक एशिया में शीर्ष चार में पहुंचना : प्रभाकरन

भाषा। मुंबई

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के महासचिव शाजी प्रभाकरन ने सोमवार को कहा कि देश की पुरुष राष्ट्रीय टीम 2047 तक एशिया में शीर्ष चार में पहुंचने की दिशा में काम कर रही है।

पिछले दो-तीन दशकों में उम्मीदों पर खरा नहीं उतरने के लिए अक्सर आलोचना का सामना करने वाली भारतीय टीम अगले साल जनवरी-फरवरी में कतर में होने वाले अगले एशियाई कप में प्रतिस्पर्धा करेगी। यह पहला मौका है जब भारत ने लगातार दूसरी बार एशियाई कप के लिए क्वालीफाई किया है।

प्रभाकरन ने यहां एक कार्यक्रम के इतर कहा, हम वर्तमान में एशिया में 19वें स्थान पर हैं और हमारे विजन 2047 रोडमैप के अनुसार हमारा लक्ष्य 2047 तक एशिया में शीर्ष चार में पहुंचना है। उन्होंने कहा, अगर कतर जैसा देश वह कर सकता है जो उन्होंने खेल में किया है तो हमारा देश तो एक अरब 40 करोड़ लोगों का देश है और यह देखते हुए कि हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं, मुझे कोई कारण नहीं दिखता कि हम मजबूत फुटबॉल राष्ट्र नहीं बन सकते। प्रभाकरन ने कहा, विश्व स्तर पर हमारे से अक्सर इसके बारे में पूछा जाता है, लेकिन हम अपनी चुनौतियों को जानते हैं।

क्वालीफायर ने थामा अल्कराज का विजय अभियान

रोम। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी बने कार्लोस अल्कराज़ का पिछले 12 मैचों से चला आ रहा विजय अभियान इटालियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के तीसरे दौर में सीधे सेटों में हार के साथ थम गया। हंगरी के क्वालीफायर और विश्व में 135वें नंबर के खिलाड़ी फैबियन मरोजसन ने सोमवार को यहां अल्कराज पर 6-3, 7-6 (4) से अप्रत्याशित जीत दर्ज की।

अल्कराज ने बार्सिलोना और मैड्रिड में लगातार खिताब जीते थे। उन्होंने इटालियन ओपन में अपना पहला मैच जीतकर फिर से विश्व में नंबर एक रैंकिंग हासिल की थी। इससे पहले रविवार को बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने दूसरा सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोर दिमित्रोव को 6- 3, 4 - 6, 6 -1 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। जोकोविच का सामना अब 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरन नॉरी से होगा जिसने मार्टोन फुस्कोविक्स को 6 - 2, 7 - 6 से हराया। इससे पहले दो बार की चैम्पियन इगा स्वियातेक ने लेसिया सुरेंको को 6 - 2, 6 - 0 से हराया।

भारतीय लड़कियों की टीम ने दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस प्रतियोगिता में स्वर्ण जीता

ईटानगर। भारतीय लड़कियों ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए सोमवार को यहां दक्षिण एशियाई युवा टेबल टेनिस की अंडर-19 टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने अपने अंतिम राउंड रोबिन मैच में श्रीलंका को 3-0 से पराजित करके स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही जुलाई में दोहा में होने वाली एशियाई युवा चैंपियनशिप के लिए भी क्वालीफाई किया। श्रीलंका दूसरे स्थान पर रहा जिससे वह भी दोहा में होने वाली प्रतियोगिता में जगह बनाने में सफल रहा। मालदीव और नेपाल को कांस्य पदक से ही संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम में यशस्विनी घोरपड़े, सुहाना सैनी, तनीशा कोटेचा और जेनिफर वर्गीज शामिल थी जिन्होंने अपने चारों मुकाबले 3-0 से जीते। भारत ने इसके अलावा लड़कों के अंडर 15 में भी स्वर्ण पदक जीता।

मलेशिया से हारकर भारत सुदिरमन कप से बाहर

भाषा। सुझोऊ (चीन)

स्टार खिलाड़ियों किदांबी श्रीकांत और पीवी सिंधू को विपरीत अंदाज में हार का सामना करना पड़ा जिससे भारत सुदिरमन कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में ग्रुप सी के अपने दूसरे मैच में सोमवार को यहां मलेशिया के खिलाफ 0-5 की एकतरफा हार के साथ इस मिश्रित टीम चैंपियनशिप से बाहर हो गया। चीनी ताइपे के खिलाफ 1-4 की हार के एक दिन बाद भारत ने एक बार फिर लचर प्रदर्शन किया और लगातार दूसरी बार इस टूर्नामेंट के ग्रुप चरण से बाहर हो गया। स्टार खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत और पीवी सिंधू उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाए जिससे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। फिनलैंड के वानता में पिछले टूर्नामेंट में भी भारत नॉकआउट में जगह बनाने में नाकाम रहा था। पुरुष एकल मुकाबले में जहां श्रीकांत ने काफी गलतियां की तो वहीं सिंधू को पहला गेम जीतने के बावजूद दुनिया की 30वें नंबर की खिलाड़ी गोह जिन वेई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

आईसीसी ने सॉफ्ट सिग्नल नियम को खत्म किया

भाषा। दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मैदानी अंपायरों द्वारा दिए जाने वाले विवादास्पद सॉफ्ट सिग्नल नियम को खत्म करने का फैसला किया है जिसकी विशेषज्ञ अक्सर आलोचना किया करते थे क्योंकि फैसला तीसरे अंपायर के पास जाने पर यह टीवी अंपायर के लिए भ्रम की स्थिति पैदा करता था।

सॉफ्ट सिग्नल का उपयोग जमीन से कुछ इंच ऊपर लिए गए कैच की वैधता को निर्धारित करने के लिए किया जाता रहा है क्योंकि इस तरह के कैच का सही अनुमान खुली आंखों से नहीं लगाया जा सकता।

अभी तक मैदानी अंपायर अपने अनुमान के आधार पर आउट या नॉट आउट का संकेत देते थे जिसे सॉफ्ट सिग्नल कहा जाता है। अधिकतर मामलों में टीवी फुटेज से कैच का सही अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता था और ऐसे में तीसरा अंपायर सॉफ्ट सिग्नल के आधार पर अपना फैसला देता है।

सौरव गांगुली की अध्यक्षता वाली पुरुष क्रिकेट समिति और महिला क्रिकेट समिति की सिफारिशों को मंजूरी मिलने के बाद आईसीसी ने खेल की परिस्थितियों में बदलाव की घोषणा की।

आईसीसी ने कहा, सबसे बड़ा बदलाव सॉफ्ट सिग्नल को खत्म करना है। अब फैसला टीवी अंपायर के पास भेजे जाने पर मैदानी अंपायरों को सॉफ्ट सिग्नल देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैदानी अंपायर कोई भी फैसला करने से पहले टीवी अंपायर के साथ परामर्श करेंगे।

पूर्व भारतीय कप्तान गांगुली ने कहा, पिछले दो वर्षों में क्रिकेट समिति की बैठकों में सॉफ्ट सिग्नल को लेकर चर्चा होती रही है। समिति ने लंबी चर्चा की और इस नतीजे पर पहुंची कि सॉफ्ट सिग्नल अनावश्यक है और कई बार भ्रम की स्थिति पैदा करता है क्योंकि हो सकता है कि रीप्ले में कैच का सही अनुमान न लग सके।

दूसरी बड़ी घोषणा जोखिम वाली परिस्थितियों में हेलमेट पहनना अनिवार्य करना है। जब बल्लेबाज तेज गेंदबाजों का सामना कर रहा हो, विकेटकीपर स्टंप के पास खड़ा हो और जब क्षेत्ररक्षक बल्लेबाज के करीब खड़ा हो तो इन परिस्थितियों में हेलमेट पहनना अनिवार्य होगा।

इसके अलावा फ्री हिट के नियम में भी मामूली बदलाव किया गया है। अब यदि फ्री हिट पर गेंद स्टंप्स पर लगती है और बल्लेबाज उस पर रन बना लेते हैं तो उसे स्कोर में जोड़ा जाएगा। इसका मतलब हुआ कि बल्लेबाज फ्री हिट पर बोल्ड होने के बावजूद रन बना सकता है।

यह सभी नियम एक जून 2023 से इंग्लैंड और आयरलैंड के बीच लॉर्डस में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से लागू होंगे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सात जून से शुरू होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल नए नियमों के तहत ही खेला जाएगा।

अदिति फाउंडर्स कप में संयुक्त पांचवें स्थान पर

क्लिफ्टन। पहले तीन दिन खिताब की दौड़ में रहने के बाद भारत की अदिति अशोक एक ओवर 73 के निराशाजनक स्कोर के बाद फाउंडर्स कप गोल्फ में संयुक्त पांचवें स्थान पर रही। इससे पहले अदिति जेएम ईगल एलए चैम्पियनशिप में उपविजेता रही थी। इस प्रदर्शन के बाद वह रेस टू सीएमई ग्लोब में शीर्ष 20 में पहुंच जाएगी लेकिन एलपीजीए टूर पर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने के लिए अभी उन्हें और इंतजार करना होगा। अगले सप्ताह वह आरामको सीरिज फ्लोरिडा में खेलेंगी। कोरिया की जिन यंग को ने पांच साल में तीसरी बार खिताब जीता और गत चैम्पियन मिंजी ली दूसरे स्थान पर रही।

चक्रवर्ती को नीलामी में नहीं खरीद पाने का अब तक है मलाल : फ्लेमिंग

भाषा। चेन्नई

चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि आईपीएल नीलामी में पूर्व नेट गेंदबाज वरूण चक्रवर्ती को नहीं खरीद पाने का मलाल उन्हें आज तक है। चक्रवर्ती कुछ साल तक चेन्नई के नेट गेंदबाज रहे और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत चेन्नइ के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया।

चेपॉक पर आईपीएल का अपना पहला मैच खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के आफ स्पिनर ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। फ्लेमिंग ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा , वरूण को खोने का मलाल हमें आज तक है।उसने कई साल हमें नेट पर परेशान किया। हम नीलामी में उसे खरीद नहीं सके।

चक्रवर्ती को पंजाब किंग्स ने 2019 में आठ करोड़ 40 लाख रूपए में खरीदा और 2020 में केकेआर ने उसे चार करोड़ में खरीदने के बाद टीम में ही रखा है। रविवार को मिली हार के बारे में फ्लेमिंग ने कहा कि उनकी टीम हालात को बखूबी भांप नहीं सकी। उन्होंने कहा , हम हालात को पढने में नाकाम रहे। बल्लेबाजों के लिए यह कठिन मैच था। विकेट में शुरूआत मे काफी उछाल थी जो धीरे धीरे खत्म हो गई। हम इन नए हालात में खेलना अभी भी सीख रहे हैं। चेन्नई की टीम दो साल बाद अपने घरेलू मैदान पर लौटी है।

इस बीच केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने रिंकू सिंह को किसी भी टीम के लिए आदर्श पैकेज बताया। उन्होंने कहा , रिंकू स्पिन को बखूबी खेलता है।